जबलपुर बुधवार 4 नवम्बर 2026 > कार्तिक कृष्ण पक्ष, दशमी

वर्ष 32 अंक 127 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत


सामाजिक दर्पण

शिक्षा, समाज और तकनीक, क्या एआई शिक्षक का स्थान ले सकता है?

पर्यावरण संरक्षण, आज की पुकार, कल का आधार

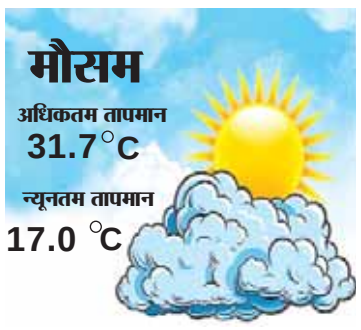
वोकल फॉर लोकल, आत्मनिर्भर भारत की ओर

अनशन का अंतरराष्ट्रीय विश्लेषण, एक तुलनात्मक लेखा

जलवायु परिवर्तन, वर्तमान की सबसे बड़ी वैश्विक चुनौती

रख आप आगे हैं?

अब हर रोज दर्पण ▸▸ 3



सूर्योदय - 6.17 | सूर्यास्त - 5.31

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।



पेंशनरों के साथ किया जाए न्याय... ▸▸ 4



ऋचा की सीरीज मुसाफिरी का टाइटल ट्रैक,... ▸▸ 7



ग्लेन मैक्सवेल ने अंतरराष्ट्रीय ... ▸▸ 10

जबलपुर में 83 लाख 18 हजार रुपये से भरे जाएंगे राजा शंकर शाह-कुंवर रघुनाथ शाह संग्रहालय के पद

पन्ना, विदिशा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली और उज्जैन की सिंचाई परियोजनाओं के लिए 4,103 करोड़ 73 लाख मंजूर

भोपाल (स्वतंत्र मत)



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप ने मंत्रि-परिषद के निर्णयों की जानकारी दी। मंत्री काश्यप ने बताया कि मंत्रि-परिषद ने प्रदेश के समग्र विकास, पर्यावरण संतुलन और बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 23 हजार 300 करोड़ रुपये से अधिक के कई महत्वपूर्ण वित्तीय प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। वनों के संवर्धन और वन्यजीव संरक्षण से जुड़ी 9 प्रमुख योजनाओं के लिए 17,240 करोड़ 55 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। मंत्रि-परिषद ने जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत जबलपुर में राजा शंकर शाह-कुंवर रघुनाथ शाह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय के संचालन के लिए सहायक अनुसंधान अधिकारी (संग्रहालय प्रभारी) के एक नियमित पद तथा संचालन संधारण पर वार्षिक व्यय 83 लाख 18 हजार रूपये की स्वीकृति दी है। संस्था के नियमित संचालन, देखरेख एवं प्रशासकीय कार्यों के संपादन व जनजातीय कार्य विभाग एवं अन्य विभागों से समन्वय स्थापित करने का कार्य सहायक अनुसंधान अधिकारी (संग्रहालय प्रभारी) द्वारा किया जायेगा। इसी प्रकार संग्रहालय के संचालन एवं संधारण के लिए प्रशाकीय व्यय, बिजली, पानी आदि संबंधी व्यय तथा भवन रखरखाव व्यय पर स्वीकृत राशि का उपयोग किया जायेगा। मंत्रि-परिषद ने पन्ना, विदिशा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली और उज्जैन की की सिंचाई परियोजनाओं से संबंधित योजनाओं के वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक निरंतर संचालन के लिए कुल 4103 करोड़ 73 लाख रूपये की स्वीकृति दी है। निर्णय अनुसार पन्ना जिले की मझगांव मध्यम परियोजना के लिए 69 करोड़ 36 लाख रूपये की स्वीकृति दी है है। योजना अन्तर्गत पन्ना जिले में बांध का निर्माण कर 13,060 हेक्टेयर क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई पद्धति द्वारा सिंचाई प्रणाली विकसित की जा रही है। विदिशा जिले की लटेरी तहसील में टेम नदी पर स्थित टेम मध्यम सिंचाई परियोजना के लिए 277 करोड़ 52 लाख रूपये स्वीकृत किए गए है। परियोजना का मुख्य उद्देश्य विदिशा के 12,814 हेक्टेयर क्षेत्र में कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा प्रदान करना एवं आस-पास के क्षेत्रों की पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करना है। मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सीतापुर हनुमना माइक्रो सिंचाई परियोजना निर्माणाधीन है। इसके चालन एवं संधारण के लिए 3,620 करोड़ 82 लाख रूपये स्वीकृत किए गए है। इस परियोजना से सोन नदी पर बैराज निर्माण कर संचित जल से 1,20,000 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता विकसित की जायेगी। उज्जैन में शिप्रा नदी को निरंतर प्रवाहमान बनाए रखने के लिए संचालित सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना के लिए 136 करोड़ 3 लाख रूपये स्वीकृत किए गए है। शहरों में नागरिक सुविधाओं और अधोसंरचना के विस्तार के लिए मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना निर्माण योजना के अंतर्गत 700 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है। स्वास्थ्य क्षेत्र में औद्योगिक निवेश और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए 610 करोड़ 51 लाख रुपये तथा पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था के लिए लोकायुक्त संगठन के लिए 573 करोड़ 85 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं।

इमारती लकड़ी का उत्पादन योजना

क्षतिपूर्ति वनीकरण योजना के लिए 1,994 करोड़ 30 लाख रूपये, राष्ट्रीय उद्यानों की स्थापना के लिए 1,623 करोड़ 79 लाख रुपये, इमारती लकड़ी उत्पादन के लिए 1,107 करोड़ 06 लाख रुपये और जू एवं रेस्क्यू सेंटर की स्थापना के लिए 604 करोड़ 23 लाख रुपये का प्रावधान है। इमारती लकड़ी का उत्पादन योजना का लक्ष्य काष्ठ व बांस का वैज्ञानिक विदोहन, परिवहन, विक्रय और राजस्व अर्जन है।

टाइगर रिजर्व एवं राष्ट्रीय उद्यान संरक्षण

वन्यजीवों के लिए राष्ट्रीय उद्यान स्थापना योजना द्वारा 9 टाइगर रिजर्व एवं 10 राष्ट्रीय उद्यानों का संरक्षण व विकास किया जाएगा। वहीं संरक्षित क्षेत्रों के बाहर वन्यप्राणी प्रबंधन का उद्देश्य सघन गश्त, बाघ मॉनिटरिंग व रेस्क्यू कार्य सुनिश्चित करना है और जू एवं रेस्क्यू सेन्टर योजना का उद्देश्य बाह्य-स्थलीय संरक्षण सहित उज्जैन व जबलपुर में नए केंद्र स्थापित करना है।

वनों का संवर्धन एवं वन्यजीव संरक्षण

मंत्रि-परिषद ने वनों के संवर्धन एवं वन्यजीव संरक्षण कार्यों के लिए वन विभाग के अंतर्गत संचालित 9 प्रमुख विद्यमान योजनाओं के सुचारु संचालन के लिए कुल 17,240 करोड़ 55 लाख रुपये की स्वीकृति दी है। यह स्वीकृति 16वें केंद्रीय वित्त आयोग की अवधि में 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक के लिए प्रदान की गई है।

दिल्ली डिफेंस डायलॉग में नौसेना प्रमुख बोले

देश के लिए रणनीतिक जरूरत है आत्मनिर्भरता

नई दिल्ली। नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने कहा कि मौजूदा वैश्विक भू-राजनीतिक हालात में देश अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने और युद्धों पर भारी खर्च कर रहे हैं। ऐसे में भारत के लिए आत्मनिर्भरता रणनीतिक जरूरत है। दिल्ली डिफेंस डायलॉग 2026 में बोलते हुए नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने वैश्विक संघर्षों और सैन्य खर्च में बढ़ोतरी के बीच भारतीय नौसेना की आत्मनिर्भरता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 में दुनिया ने संघर्षों पर कुल मिलाकर लगभग 21.8 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 20.68 लाख करोड़ भारतीय रुपये) खर्च किए। यह वैश्विक जीडीपी का लगभग 10.5 फीसदी के बराबर है। नौसेना प्रमुख ने कहा कि दुनिया के कई देश हथियारों पर अपना खर्च बढ़ा रहे हैं और युद्धों में शामिल हो रहे हैं। यह 21वीं सदी की भू-राजनीति की एक प्रमुख विशेषता बन गई है। ऐसे माहौल में भारतीय नौसेना को भी अपनी भूमिका और भविष्य की तैयारियों पर ध्यान देना होगा। एडमिरल स्वामीनाथन ने कहा कि भारत के लिए आत्मनिर्भरता केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि देश और नौसेना दोनों को आत्मनिर्भर बनाना जरूरी है। उनके मुताबिक भारतीय नौसेना का 2047 तक का लक्ष्य ऐसी नौसेना तैयार करना है, जो बाहरी निर्भरताओं या देश की सीमाओं के बाहर मौजूद किसी व्यक्ति, एजेंसी अथवा अन्य कारक की बाधा के बिना खुद युद्ध लड़ने, उसे जारी रखने और बदलती परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने में सक्षम हो। नौसेना प्रमुख के मुताबिक, भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय नौसेना को अपनी क्षमताओं और संसाधनों के मामले में आत्मनिर्भर बनना होगा, ताकि उसकी परिचालन क्षमता किसी बाहरी निर्भरता से प्रभावित न हो।



गाड़ी में जिंदा जले दो मजदूर

आलीराजपुर। गुजरात के अमरेली जिले में गाड़ी में आग लगने से मध्यप्रदेश के दो मजदूरों की मौत हो गई। दोनों गाड़ी में सो रहे थे। मंगलवार सुबह गाड़ी पूरी तरह जली मिली। दोनों के शव अंदर थे। मृतकों की पहचान आलीराजपुर जिले की कठीवाड़ा तहसील निवासी रवि कमलेशभाई बघेल (16) और नितिन रामसिंह पचाया (21) के रूप में हुई है। दोनों मजदूरी करने गुजरात के लीलिया तहसील के गुंदरन गांव गए थे।

सागर एसपी पद से हटते ही सुजानिया ने दिया इस्तीफा



भोपाल। मध्यप्रदेश के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी अनुराग सुजानिया ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। राज्य सरकार ने चार दिन पहले ही उन्हें सागर जिले के पुलिस अधीक्षक के पद से हटाया था। पद से हटाए जाने के चार दिन बाद आईपीएस अधिकारी सुजानिया ने अपना इस्तीफा सरकार को सौंपा। उन्होंने सेवा छोड़ने के पीछे अपनी व्यक्तिगत वजह बताई है। 2014 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी अनुराग मूल रूप से राजस्थान के रहने वाले हैं। उन्हें एक बेहतर पुलिस अफसर माना जाता है, लेकिन सागर एवं मुरैना में बतौर एसपी रहते जहरीली शराब कांड में हुई मौतों के कारण वह चर्चा में रहे हैं।

वोटर लिस्ट में नाम नहीं तो फॉर्म-6 भरें: चुनाव आयोग

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने एसआईआर को लेकर फैली कन्फ्यूजन पर बड़ी सफाई दी है। आयोग ने मंगलवार को सभी राज्यों के चुनाव अधिकारियों को लेटर लिखकर कहा कि जिन मतदाताओं का नाम स्ट्रक की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर दोबारा नाम जुड़वा सकते हैं, भले ही वे पहले से रजिस्टर्ड वोटर रहे हों। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन में 2025-26 में बिहार, दिल्ली समेत 30 राज्यों में 13 करोड़ से ज्यादा नाम ड्राफ्ट रोल से हटाए गए। इसके पीछे वोटर्स का गैरमौजूद होना, दूसरी जगह चला जाना, मौत होना या फिर डुप्लिकेट पहचान पत्र होने जैसे कारण शामिल थे। दिल्ली में ही 1.45 करोड़ में से 47 लाख नाम हट गए। लोगों ने कहा हम पहले से वोटर थे, अब नाम गायब है।

अनिल अंबानी की 510 करोड़ की संपत्ति जब्त

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने रिलायंस अनिल अंबानी ग्रुप की 510.17 करोड़ की संपत्ति जब्त की है। यह कार्रवाई ग्रुप की कंपनियों से जुड़े बैंक धोखाधड़ी के मामलों के सिलसिले में की गई है। इन संपत्तियों में विमान, बैंक बैलेंस, फिक्स्ड डिपॉजिट, अचल संपत्तियां, प्राप्त होने वाली रकम और निवेश शामिल हैं।

बेंगलुरु में इंडिया ब्लॉक की रैली कल

बेंगलुरु। इंडिया ब्लॉक के नेता 5 नवंबर को यहां फ्रीडम पार्क में मतदाता सूची के एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। यहां कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य कांग्रेस प्रमुख बी के हरिप्रसाद ने कहा कि बेंगलुरु में होने वाला यह प्रदर्शन, इंडिया गठबंधन के देशव्यापी आंदोलन का हिस्सा होगा।

पहले गरीबी खत्म करने के सिर्फ वादे होते थे: मोदी

प्रधानमंत्री ने 21 हजार करोड़ की पुणे मेट्रो परियोजनाओं का किया उद्घाटन



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश की कई पीढ़ियों ने गरीबी खत्म करने के वादे सुने हैं। पहले गरीबी के खिलाफ लड़ाई सिर्फ नारों तक सीमित थी, लेकिन अब इसे खत्म करने के लिए जमीन पर काम हो रहा है। उन्होंने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए यह बात कही। इस दौरान उन्होंने पुणे मेट्रो की करीब 21,800 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन किया और नई परियोजनाओं की आधारशिला रखी। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस भी शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने कहा, आज दुनिया में भारत की चर्चा दो और वजहों से हो रही है। पहली, दुनिया में मुश्किल हालात के बावजूद भारत सबसे तेज आर्थिक विकास करने वाला देश बना हुआ है। दूसरी, सिर्फ 10 से 12 साल में भारत के 50 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी से बाहर आए हैं। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट में भी इसका जिक्र किया गया है। महाराष्ट्र में खराब मौसम से कई किसान परेशान हैं। देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में पिछले कुछ सालों में जल संरक्षण के लिए काम हुआ है, लेकिन प्राकृतिक आपदा से किसानों को नुकसान हुआ है। इस मुश्किल समय में एनडीए सरकार किसानों की हर संभव मदद करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा, देश के सैकड़ों छोटे शहरों को भी विकास के केंद्र के रूप में तैयार करना होगा।

विरोध स्थल पर कब्जा नहीं कर सकते

जंतर-मंतर पर सुनवाई में बोले सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली। दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों पर पुलिस की कार्रवाई को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। याचिकाओं में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई को चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोई भी व्यक्ति या संगठन किसी विरोध स्थल पर स्थायी रूप से कब्जा नहीं कर सकता। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि किसानों, पत्रकारों समेत हर किसी को विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है, लेकिन इसके लिए समय सीमा तय होनी चाहिए। एक समूह सिर्फ इसलिए किसी सार्वजनिक जगह पर दूसरों की आवाजाही नहीं रोक सकता, क्योंकि वहां



उसका प्रदर्शन चल रहा है। दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हुए प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान सीजेआई ने यह टिप्पणी की। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि जंतर-मंतर एक सार्वजनिक सड़क है, प्रदर्शन स्थल नहीं। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन की अनुमति सिर्फ एक दिन के लिए दी गई थी, लेकिन प्रदर्शनकारी 17 दिनों तक वहां जमे रहे। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदर्शनकारियों ने संसद की तरफ मार्च किया था। बिना अनुमति किसी को संसद या सुप्रीम कोर्ट के पास जाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि प्रदर्शन की अनुमति देने या खारिज करने वाले आदेश में इसकी वजह साफ बताई जानी चाहिए। वहीं, वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कोर्ट से अगले दो महीने तक धरना-प्रदर्शन पर रोक लगाने की अपील की।



'न दुश्मन रोक पाएगा, न बच पाएगा'

प्रलय का सफल परीक्षण

नई दिल्ली। भारत ने 3 नवंबर 2026 को ओडिशा के चांदीपुर के पास रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन डीआरडीओ द्वारा विकसित प्रलय मिसाइल का परीक्षण किया। उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक, यह परीक्षण सफल रहा। परीक्षण के दौरान मिसाइल ने ऐसा रास्ता अपनाया, जिसमें उड़ान के बीच दिशा बदलने की क्षमता होती है। इसकी वजह से दुश्मन के रडार और मिसाइल रक्षा प्रणालियों के लिए इसे रोकना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। परीक्षण के मद्देनजर आसपास के इलाकों से 2,500 से अधिक लोगों को अस्थायी आश्रय स्थलों में पहुंचाया गया। अब इस मिसाइल के भारतीय थल सेना और वायु सेना में संभावित इस्तेमाल को लेकर मूल्यांकन की प्रक्रिया महत्वपूर्ण होगी। इससे पहले डीआरडीओ ने प्रलय के कई सफल परीक्षण किए हैं। प्रलय भारत की स्वदेशी सतह से सतह पर मार करने वाली क्वासी-बैलिस्टिक मिसाइल है। इसे डीआरडीओ ने विकसित किया है। यह ऐसी मिसाइल है जिसे जमीन से लॉन्च किया जाता है और जो दुश्मन के जमीन पर मौजूद सैन्य ठिकानों को निशाना बना सकती है। सामान्य बैलिस्टिक मिसाइलें एक तय घुमावदार रास्ते पर चलती हैं, जबकि क्वासी-बैलिस्टिक मिसाइल उड़ान के दौरान अपनी दिशा और रास्ते में बदलाव कर सकती है।

मोहन भागवत को जज बना दो और डिबेट करते हैं

राहुल गांधी ने फिर दिया प्रधानमंत्री मोदी को चैलेंज

नई दिल्ली

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर से बहस के लिए चैलेंज दिया है। इससे पहले सोमवार को राहुल गांधी ने पीएम मोदी को बहस की चुनौती दी थी और कहा था कि आप किसी भी मंच, किसी भी समय, बहस के लिए हिम्मत है तो आइए। 24 घंटे बीत जाने के बाद राहुल गांधी ने एक बार फिर से पीएम मोदी को चुनौती देते हुए वीडियो जारी किया है। राहुल गांधी ने एक्स पर एक वीडियो में कहा, 24 घंटे हो गए मोदी जी। मैंने आपको चैलेंज दिया है। आप कहते हो कि विपक्ष देशद्रोही है। किसी भी मंच पर आप जगह चुनिए, डिबेट कीजिए मेरे साथ। देशद्रोही कौन है? विदेशी फोर्सेस का कनेक्शन किसका है? और किस प्रकार का कनेक्शन है? जल्दी से जल्दी कीजिए, डरिए मत। दोनों मिलेंगे, मीडिया होगी, देश के युवा होंगे, टेबल होगी, एक साइड आप बैठोगे, एक साइड मैं बैठूंगा। जिसको आप जज बनाना चाहते हो, बना दो। मोहन भागवत जी को बिठा दो, चलो और फिर डिबेट करते हैं। राहुल गांधी ने आगे कहा, आप आरोप लगाते हैं ना मेरे ऊपर, आ जाइए, सब साफ हो जाएगा। बाकी चीजों पर आपने मानहानि केस लगा रखा है, शायद 45 केस मेरे ऊपर हैं। मगर इस डिबेट मामले पर, विदेशी कनेक्शन पर आप मानहानि नहीं लगा रहे हो। लगाइए ना, वहां भी बहस करेंगे, खुल के। ये सब बहस करते हैं, आइए। हैप्पी दिवाली, मोदी जी। इससे पहले सोमवार को राहुल गांधी ने एक अखबार की रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा था, मोदी जी, इस देश से झूठ बोलना बंद कीजिए। आप विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने। और विदेशी मदद से ही प्रधानमंत्री बने हुए हैं। आपकी आर्थिक व्यवस्था पूरी तरह विदेशियों के नियंत्रण में और समर्थन से है। विदेशी सोशल मीडिया पूरी तरह आपके साथ खड़ा है। मैं आपको इस मुद्दे पर खुली बहस की चुनौती देता हूं। कोई भी मंच, किसी भी समय। हिम्मत है तो आइए। आप नहीं आएंगे, क्योंकि जो मैं आपके बारे में जानता हूं आप उससे डरते हैं।



'मोदी जी खुलकर बहस होगी'

राहुल गांधी ने कहा कि सवाल उठेंगे आर्थिक सिस्टम पर, आर्थिक स्ट्रक्चर पर, अमेरिका के साथ डील कैसे हुई, क्यों हुई, इतनी जल्दी क्यों हुई, सिर्फ आपने क्यों की, कैबिनेट को क्यों नहीं बताया, अडानी का केस बंद क्यों हुआ, ऐपस्टीन- ऐसी बहुत सारी चीजें हैं जिसपे खुलकर बहस होगी। उन्होंने कहा कि आ जाइए, डरिए मत और दूध का दूध, पानी का पानी कीजिए।

राज्यसभा उपचुनाव: हरदीप सिंह पुरी को क्लीन चिट

भोपाल। मध्यप्रदेश में राज्यसभा की रिक्त सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का नामांकन वैध पाया गया है। वहीं, कांग्रेस समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी राजकुमार लोहानी का नामांकन फॉर्म-26 निर्धारित तरीके से जमा नहीं होने के कारण निरस्त कर दिया गया। लोहानी का कहना है कि उन्होंने दस्तावेज ई-मेल के जरिए भेजा था, लेकिन निर्वाचन अधिकारी ने इसे मान्य नहीं माना। मंगलवार को नामांकन पत्रों की जांच के दौरान हरदीप सिंह पुरी के नामांकन पर तीन लोगों ने आपत्ति दर्ज कराई थी। आपत्तियों में पुरी की ओर से जमा किए गए शपथ पत्र (फॉर्म-26) को अधूरा और अमान्य बताया गया था। हालांकि, रिटर्निंग ऑफिसर उमेश कुमार शर्मा ने सभी आपत्तियों पर सुनवाई और दस्तावेजों की जांच के बाद उन्हें खारिज कर दिया। रिटर्निंग ऑफिसर की ओर से जारी आदेश के अनुसार, हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को राज्यसभा उपचुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया था। रिटर्निंग ऑफिसर ने तीनों आपत्तियों को खारिज करते हुए हरदीप सिंह पुरी के नामांकन पत्र को वैध घोषित कर स्वीकार कर लिया।

कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार का पर्चा रद्द, पुरी के खिलाफ आपत्तियां भी खारिज



संबल योजना का नहीं मिला लाभ फीस जमा के बाद रसीद भी गायब!

स्कूल प्रबंधन पर विद्यार्थियों ने लगाए आरोप

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

स्कूलों में विद्यार्थियों से फीस लेने और उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने की जिम्मेदारी विद्यालय प्रबंधन की होती है। लेकिन हायर सेकेंडरी स्कूल खिचकीड़ी के प्राचार्य पर विद्यार्थियों ने अनियमित्ता के आरोप लगाए हैं। जिसमें योजनाओं की जानकारी नहीं मिलने और फीस जमा करने के बाद उसकी रसीद उपलब्ध नहीं कराने की शिकायत कलेक्टर उमरिया से की गई। मामला शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खिचकिड़ी का है। यहां कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने विद्यालय के प्राचार्य के खिलाफ शिकायत पत्र सौंपकर संबल योजना की जानकारी नहीं देने और फीस की रसीद उपलब्ध नहीं कराने सहित कई अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। विद्यार्थियों ने कलेक्टर को दिए शिकायत पत्र में बताया कि उन्हें दूसरे विद्यालयों के छात्र-



छात्राओं से जानकारी मिली कि संबल योजना के तहत संबल कार्ड से संबंधित दस्तावेज लगाने पर पात्र विद्यार्थियों को फीस में छूट मिलती है। इसके बावजूद उनके विद्यालय में इस योजना की जानकारी विद्यार्थियों को नहीं दी गई। विद्यार्थियों का आरोप है कि यदि उन्हें समय पर योजना की जानकारी मिलती तो वे भी इसका लाभ लेने के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर सकते थे।

सीएम हेल्पलाइन में शिकायत के बाद बढ़ी परेशानी

शिकायत पत्र में विद्यार्थियों ने बताया कि उन्होंने संबल योजना से संबंधित जानकारी और समस्या को लेकर सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज कराई थी। विद्यार्थियों का आरोप है कि जब प्राचार्य को इस शिकायत की जानकारी मिली तो उन्होंने योजना से जुड़ी जानकारी देने के बजाय विद्यार्थियों के स्थानांतरण प्रमाण पत्र (टीसी) में गलत जानकारी लिखने की बात कही। विद्यार्थियों ने इसे शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाने जैसा बताया है।

विद्यार्थियों को नहीं मिली फीस रसीद

शिकायत का दूसरा बड़ा मुद्दा फीस की रसीद से जुड़ा है। विद्यार्थियों ने आरोप लगाया है कि कक्षा 9वीं से 12वीं तक किसी भी छात्र-छात्रा को जमा की गई फीस की रसीद उपलब्ध नहीं कराई गई। विद्यार्थियों का कहना है कि कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को पिछले वर्षों में जमा की गई फीस की रसीद भी उन्हें नहीं दी गई।

विद्यार्थियों को जांच का इंतजार

विद्यार्थियों को शिकायत के बाद अब जिला प्रशासन की कार्यवाही का इंतजार है। संबल योजना के तहत विद्यालय में पात्र विद्यार्थियों को मिलने वाले लाभ की जानकारी, फीस वसूली का रिकॉर्ड, रसीद जारी करने की व्यवस्था और सीएम हेल्पलाइन की शिकायत के बाद हुई कार्रवाई की जांच जरूरी है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि विद्यार्थियों से फीस ली गई है, तो उन्हें उसकी रसीद क्यों नहीं दी गई? वहीं यदि संबल योजना का लाभ पात्र विद्यार्थियों को मिल सकता है तो उन्हें इसकी जानकारी समय पर क्यों नहीं दी गई या फिर मामला आर्थिक घोटाले का है। जांच से ही पूरे मामले का सच सामने आएगा और विद्यार्थियों को उनके हक का लाभ मिलेगा।

कानून व्यवस्था की बदहाली को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन, मानव श्रृंखला बनाकर जताया विरोध, केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी और गृह मंत्री का जलाया पुतला

मोहन सरकार में अपराधियों के हौसले बुलंद

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार मंगलवार 3 नवम्बर को जिला कांग्रेस कमेटी उमरिया द्वारा गांधी चौक उमरिया में मानव श्रृंखला बनाकर विरोध प्रदर्शन किया गया। जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने हाथों में हाथ डालकर मानव श्रृंखला बनाई और प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है, जिस तरह से देवास के खातेगांव थाना प्रभारी की हत्या अपराधियों के द्वारा की गयी है ,इससे साफ पता चलता है कि मोहन सरकार में अपराधियों के हौसले बुलंद है,आम जनता असुरक्षित महसूस कर रही है, अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस



कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी और गृह मंत्री का पुतला दहन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया।

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष, इंजीनियर विजय कोल,संगठन महासचिव पुष्पराज सिंह ब्लॉक अध्यक्ष उमरिया मिथलेश राय,जिला निर्वाचन प्रभारी एड शिशुपाल यादव,महामंत्री वीरेंद्र सिंह सेंगर,सावित्री सिंह, अनुचित जाती कांग्रेस प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष पी डी प्रभाकर ,सीताराम सूर्यवंशी,राजीव गांधी पंचायती राज संगठन अध्यक्ष रोशनी सिंह,रेखा सिंह मरावी, शेख शाहरुख, एनएसयूआई अध्यक्ष मो अस्लम शेर, सेवादल अध्यक्ष संतोष सिंह,उत्तरा लोधी, अमृतलाल यादव,दुर्गेश साहू, मंगल सिंह, किसान कांग्रेश अध्यक्ष शकील खान, वरिष्ठ नेता सुखराज सिंह,संजय पांडे,श्याम किशोर तिवारी,लक्ष्मी गुप्ता ,किशोर सिंह लोधी मंडलम अध्यक्ष,मो रईस मंसूरी, बड़ेरी मंडलम अध्यक्ष उदयप्रताप सिंह, कृष्ण पाल सिंह राठौर,कृष्णकांत तिवारी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

उमड़ार नदी के किनारे बड़ी मात्रा में जब्त हुई अवैध महुआ लाहन



उमरिया (स्वतंत्रमत)।

प्रदेश के देवास में अवैध शराब से जुड़ी घटनाओं के बीच उमरिया जिले में भी आबकारी विभाग एक्शन मोड पर है। मंगलवार 3 नवम्बर को कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम उजनिया एवं ज्वालामुखी में मंगलवार को आबकारी विभाग ने दबिश देकर भारी मात्रा में महुआ लाहन जब्त किया।मौके पर ही लाहन के नष्टीकरण की कार्रवाई की गई।यह कार्रवाई इसलिए भी अहम है,क्योंकि संबंधित क्षेत्र में पहले भी आबकारी विभाग बड़ी मात्रा में महुआ लाहन बरामद कर नष्ट कर चुका है,लेकिन इसके बावजूद अवैध शराब निर्माण की गतिविधियां दोबारा सामने आना विभागीय निगरानी पर सवाल खड़े कर रहा है,खबर है कि उमड़ार नदी से सटे उजनिया और ज्वालामुखी क्षेत्र में अवैध शराब तैयार करने बड़ी मात्रा में महुआ लाहन रखा गया था।आबकारी अमले ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की और बरामद लाहन को नष्ट करने तैयारी की जा रही है।देवास में अवैध शराब से जुड़ी घटनाओं के बाद जिले में भी आबकारी विभाग एक्टिव मोड पर है,पर इस कार्यवाही के बीच बड़ा सवाल यह है कि जब इसी स्थान पर पहले भी कार्रवाई हो चुकी है,तो फिर अवैध शराब बनाने का कारोबार दोबारा कैसे पनप गया?

क्या विभाग की कार्रवाई केवल महुआ लाहन जब्त कर नष्ट करने तक सीमित है या इसके पीछे सक्रिय लोगों तक भी पहुंच बनाई जा रही है?जरूरत इस बात की है कि बार-बार सामने आ रहे इन ठिकानों की सतत निगरानी हो और अवैध शराब निर्माण में संलिप्त लोगों की पहचान कर उनके विरुद्ध ठोस कानूनी कार्रवाई की जाए,ताकि कार्रवाई का असर जमीन पर भी दिखाई दे।

पुलिया में फंदे से लटका मिला 15 वर्षीय आदिवासी किशोर का शव

उमरिया। कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम कछरवार में मंगलवार 3 नवम्बर की सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब शिव मंदिर के पास बनी पुलिया के समीप एक 14-15 वर्षीय आदिवासी किशोर का शव फंदे से लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान लवकेश पिता सुरेश बैगा निवासी बैगा मोहल्ला, ग्राम कछरवार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, किशोर का घर घटनास्थल से लगभग 500 मीटर की दूरी पर स्थित है। मंगलवार सुबह पुलिया के पास शव लटका देख ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दी। कम उम्र के किशोर की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। किशोर देर रात घर से इतनी दूर पुलिया तक कैसे पहुंचा और किन परिस्थितियों में उसकी मौत हुई, यह जांच का विषय है। हालांकि, अभी तक किसी साजिश या आपराधिक गतिविधि के प्रमाण सामने नहीं आए हैं। पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही किशोर की मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

रिश्तेदार को नियम विरुद्ध नियुक्ति देने का आरोप!

कनिष्ठ विक्रेता भर्ती प्रक्रिया पर उठे सवाल, शिकायतकर्ता ने कलेक्टर से की नियुक्ति निरस्त करने की मांग

उमरिया (स्वतंत्रमत)। आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था में कनिष्ठ विक्रेता की नियुक्ति को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। संस्था में नियमों को दरकिनार कर प्रबंधक द्वारा अपने निजी रिश्तेदार को नियुक्त किए जाने का आरोप लगाते हुए शिकायतकर्ता ममता पटेल ने कलेक्टर एवं संबंधित अधिकारियों से मामले की जांच कर नियुक्ति निरस्त करने की मांग की है। शिकायतकर्ता ममता पटेल, निवासी सिगुड़ी वार्ड क्रमांक 3 नगर परिषद मानपुर ने अपने आवेदन में बताया कि कनिष्ठ विक्रेता पद के लिए जारी विज्ञापन के अनुसार उन्होंने भी आवेदन किया था। उनका दावा है कि कनिष्ठ विक्रेता भर्ती की प्रावीण्य सूची में उनका नाम प्रथम स्थान पर था। इसके बावजूद संस्था प्रबंधक द्वारा अपने सगे सारे लालजी तिवारी को उक्त पद पर नियुक्त कर दिया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि नियुक्ति की



प्रक्रिया शासन के नियमों और निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार नहीं की गई। शिकायतकर्ता का कहना है कि संस्था प्रमुख द्वारा अपने निजी रिश्तेदार को इस तरह नियुक्त करना नियमों के विपरीत है। उन्होंने यह भी बताया कि इस संबंध में पूर्व में 20 अप्रैल 2023 को कलेक्टर तथा 18 अप्रैल 2023 को अनुविभागीय अधिकारी मानपुर को आवेदन दिया गया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

ममता पटेल ने अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, नियुक्ति प्रक्रिया में हुई अनियमितताओं की पड़ताल करने तथा यदि नियम विरुद्ध नियुक्ति की पुष्टि होती है तो संबंधित नियुक्ति निरस्त कर प्रावीण्य सूची के आधार पर नियमानुसार चयन करने की मांग की है। मसलन यदि किसी संस्था के प्रबंधक द्वारा अपने ही परिवार अथवा निजी संबंधों से जुड़े व्यक्ति को नियुक्त किया जाता है, तो इससे संस्था की निष्पक्षता एवं कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े होते हैं। अब देखना होगा कि शिकायत पर प्रशासन कब संज्ञान लेता है और भर्ती प्रक्रिया में सामने आए आरोपों की जांच कर क्या कार्रवाई की जाती है।

महिला का अधजला शव मिलने से सनसनी!

डिंडौरी। जिले के मेंहदवानी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मटियारी रैयत के हाथीघाट ददरा में एक अज्ञात महिला का अधजला शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सुनसान क्षेत्र में महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने की खबर फैलते ही आसपास के ग्रामीणों में दहशत और चर्चाओं का माहौल बन गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हाथीघाट ददरा में महिला का अधजला शव मिलने की सूचना पुलिस को दी गई थी। सूचना मिलते ही मामला मेंहदवानी थाना क्षेत्र के संज्ञान में आया। फिलहाल मृत महिला की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस महिला की शिनाख्त करने के साथ ही घटना से जुड़े तमाम पहलुओं की जांच में जुटी हुई है।

अधजले शव ने खड़े किए कई सवाल

महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई और उसका शव हाथीघाट ददरा तक कैसे पहुंचा, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। शव अधजली अवस्था में मिलने से घटना को लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं।

स्कूल में मिलीं कई गड़बड़ियां, प्राथमिक शिक्षक कमल सिंह मरावी सस्पेंड, निरीक्षण में खुली लापरवाही की पोल



डिंडौरी। जिले में शासकीय स्कूलों की व्यवस्था सुधारने और शिक्षण कार्य में लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों पर कार्रवाई का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में शासकीय प्राथमिक शाला चौरामाल में निरीक्षण के दौरान गंभीर अनियमितताएं सामने आने पर प्राथमिक शिक्षक कमल सिंह मरावी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देश पर जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों द्वारा 31 अक्टूबर 2026 को विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया गया था।निरीक्षण के दौरान विद्यालय में दर्ज 35 विद्यार्थियों में से महज 20 विद्यार्थी ही उपस्थित मिले। वहीं शासन की ओर से विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जाने वाली नि:शुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण भी नहीं किया गया था। विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों और व्यवस्थाओं के संचालन में लापरवाही उजागर हुई।

150 फीट ऊंचे बिजली टॉवर पर चढ़ा युवक, नीचे खड़े ग्रामीणों की थम गईं सांसें! तीन घंटे तक चला हाईवोल्टेज ड्रामा, फिर ऐसे सुरक्षित उतरा युवक



डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। जिले के समनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अंगवार गांव के पास उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक अचानक करीब 150 फीट ऊंचे बिजली के टॉवर पर चढ़ गया। टॉवर की इतनी ऊंचाई पर युवक को देखकर ग्रामीणों के होश उड़ गए। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और हर किसी की निगाहें युवक पर टिक गईं। जानकारी के अनुसार, युवक करीब तीन घंटे तक बिजली के टॉवर पर चढ़ा रहा। इस दौरान नीचे मौजूद ग्रामीण लगातार उसे सुरक्षित नीचे उतरने के लिए समझाते और मनाते रहे। काफी देर तक चले इस घटनाक्रम के बीच ग्रामीणों की सांसें अटकी रहीं। आखिरकार लगातार समझाइश और मान-मनौव्वल के बाद युवक नीचे उतरने के लिए तैयार हुआ और सुरक्षित टॉवर से नीचे आ गया। करीब तीन घंटे तक चले इस घटनाक्रम के सुरक्षित समाप्त होने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। गनीमत रही कि इतनी ऊंचाई पर युवक के मौजूद रहने के बावजूद कोई अप्रिय हादसा नहीं हुआ।

परीक्षा परिणाम में सुधार और मूल्यांकन प्रभारी को हटाने की मांग, एनएसयूआई ने मुंह पर ताला लगाकर दिया मौन धरना

शहडोल (स्वतंत्र मत)। पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में प्रथम वर्ष के परीक्षा परिणामों में कथित गड़बड़ियों को लेकर एनएसयूआई ने जिला अध्यक्ष सौरभ तिवारी के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया। परीक्षा परिणामों में सुधार और मूल्यांकन प्रभारी पूर्णिमा शर्मा को पद से हटाने की मांग को लेकर एनएसयूआई पदाधिकारियों एवं छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय परिसर में अनोखे अंदाज में मौन धरना दिया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने पंडित शंभूनाथ शुक्ल की प्रतिमा के समक्ष मुंह पर ताला लगाकर और काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। एनएसयूआई का कहना था कि परीक्षा परिणामों में कथित गड़बड़ियों के कारण विद्यार्थियों



को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और उनके भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। धरना स्थल पर पहुंचे विश्वविद्यालय के कुलसचिव के समक्ष एनएसयूआई पदाधिकारियों ने विद्यार्थियों की समस्याएं रखते हुए परीक्षा परिणामों में सुधार की मांग की। कुलसचिव ने जल्द से जल्द परिणामों में सुधार कराने का आश्वासन दिया। साथ ही सभी विभागाध्यक्षों के माध्यम से विभागीय समूहों में आवश्यक सूचना जारी करने की बात कही। विश्वविद्यालय प्रशासन के आश्वासन के बाद एनएसयूआई ने धरना समाप्त कर दिया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सौरभ तिवारी ने कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन को परीक्षा परिणामों में पारदर्शिता के साथ संतोषजनक सुधार करना चाहिए और मूल्यांकन प्रभारी को तत्काल पद से हटाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आश्वासन पर शीघ्र अमल नहीं हुआ और विद्यार्थियों को न्याय नहीं मिला, तो एनएसयूआई आगे आंदोलन करेगी। प्रदर्शन में जिला उपाध्यक्ष आशीष द्विवेदी, विश्वविद्यालय अध्यक्ष दीपांशु गुप्ता, जिला सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ अध्यक्ष महेंद्र यादव, जिला सचिव गुलशन पड़वार, जिला महासचिव आसु सिंह, आरुष मिश्रा, सत्यम सिंह, ओम साहू, चंदन केवट, अजय बैगा, सावन वर्मा, प्रहलाद सिंह, कृतेन्द्र सिंह, अमन यादव, सचिन यादव, मोहित जायसवाल सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।



ग्राम चुहिरी में 22 नवंबर को लगेगा विशाल नेत्र परीक्षण शिविर

शहडोल (स्वतंत्र मत)। सीनियर सिटीजन एसोसिएशन द्वारा आगामी 22 नवंबर 2026, रविवार को गोहपारू विकासखंड के ग्राम चुहिरी में विशाल नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। एसोसिएशन की मासिक बैठक में शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया। शिविर में जिला चिकित्सालय की नेत्र विशेषज्ञ डॉ. आरती ताम्रकार अपनी टीम के साथ मरीजों की आंखों की जांच करेंगी। जांच के दौरान जिन मरीजों को पास देखने के लिए चश्मे की आवश्यकता होगी, उन्हें तत्काल चश्मा उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं, दूर दृष्टि के चश्मे बनवाकर बाद में मरीजों को वितरित किए जाएंगे। जिन मरीजों को नेत्र ऑपरेशन की आवश्यकता होगी, उन्हें संस्था के वाहन से शहडोल लाकर जिला चिकित्सालय में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस आयोजन में सीनियर सिटीजन एसोसिएशन के साथ साइटसेवर इंडिया एवं जिला चिकित्सालय की टीम सहयोग करेगी।

जनसुनवाई में कमिश्नर ने सुनीं लोगों की समस्याएं

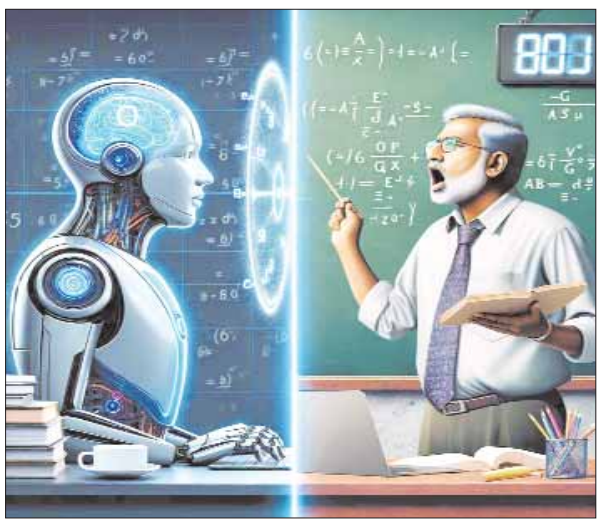
शहडोल (स्वतंत्र मत)। कमिश्नर शहडोल संभाग सुरभि गुप्ता ने मंगलवार को कमिश्नर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में संभाग के दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे आवेदकों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनीं। उन्होंने प्राप्त आवेदनों पर संबंधित विभागीय अधिकारियों को जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने और समस्याओं का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।जनसुनवाई में उमरिया जिले की जनपद पंचायत पाली अंतर्गत ग्राम पंचायत बकेली के ग्रामीणों ने डोगरी टोला वार्ड क्रमांक-5 स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केंद्र की भूमि से अतिक्रमण हटाने और सीमांकन कराने की मांग की।

ग्रामीणों के अनुसार खसरा नंबर 405 की लगभग तीन एकड़ शासकीय भूमि पर विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र, मंदिर एवं सामुदायिक भवन स्थित हैं। आरोप है कि कुछ लोगों द्वारा भूमि पर मकान बनाकर अतिक्रमण किया गया है और बाउंड्रीवॉल निर्माण में



भी बाधा उत्पन्न की जा रही है। इस पर कमिश्नर ने एसडीएम पाली को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसी तरह ग्राम टिकुरी, तहसील जैतपुर निवासी गोमती साहू ने अपने पिता की पैतृक भूमि के दानपत्र एवं नामांतरण को लेकर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि पिता की मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने के बावजूद उनके दोनों भाइयों द्वारा बिना जानकारी दिए भूमि का दानपत्र निष्पादित कराया गया। उन्होंने 23 अक्टूबर 2026 को किए गए दानपत्र एवं नामांतरण की जांच कराने तथा सभी पात्र हितधारकों के अधिकारों का परीक्षण करने की मांग की। इस पर कमिश्नर ने एसडीएम जयसिंहनगर को प्रकरण की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त सभी आवेदनों का गंभीरता से परीक्षण कर आवेदकों की समस्याओं का संतुष्टिपूर्ण निराकरण किया जाए। जनसुनवाई में संयुक्त आयुक्त विकास मुद्रिका सिंह, उपायुक्त विकास प्रेरणा सिंह, उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग जेपी यादव, संयुक्त संचालक शिक्षा उमेश धुर्वे, संयुक्त आयुक्त सहकारिता सुरेखा आनंद सहित विभिन्न विभागों के संभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षा, समाज और तकनीक, क्या एआई शिक्षक का स्थान ले सकता है?



आज की तेजी से बदलती डिजिटल दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने हर क्षेत्र में क्रांति ला दी है। चिकित्सा और व्यवसाय से लेकर दैनिक जीवन तक एआई अपनी पैठ बना चुका है। ऐसे में शिक्षा के क्षेत्र में भी यह बहस छिड़ गई है कि क्या भविष्य में एआई पूरी तरह से एक मानव शिक्षक का स्थान ले सकता है। इसका उत्तर जानने के लिए एआई की क्षमताओं और मानव शिक्षक के वास्तविक महत्व दोनों को समझना होगा।

एआई की शक्ति, एक बेहतरीन सहायक

इसमें कोई दो राय नहीं है कि एआई शिक्षा के क्षेत्र में एक शक्तिशाली उपकरण बनकर उभरा है। यह हर छात्र की सीखने की गति और क्षमता के अनुसार स्वयं को ढाल सकता है। अगर कोई छात्र गणित में कमजोर है, तो एआई उसे तब तक आसान तरीकों से समझा सकता है, जब तक वह समझ न जाए। यह चौबीसों घंटे उपलब्ध रहता है और छात्र रात के 2 बजे भी अपने सवालों के जवाब पा सकते हैं। साथ ही, एआई के पास दुनिया भर के डेटा और ज्ञान का भंडार है, जो जटिल वैज्ञानिक सिद्धांतों या ऐतिहासिक घटनाओं को कुछ ही सेकंड में स्क्रीन पर ला सकता है।

मानव शिक्षक की अनिवार्यता

तकनीकी रूप से कितना भी उन्नत क्यों न हो, एआई कभी भी एक इंसान की जगह नहीं ले सकता। शिक्षा का मतलब केवल किताबों का ज्ञान या डेटा को रटना नहीं है, बल्कि शिक्षा का मूल उद्देश्य एक बेहतर इंसान का निर्माण करना है। एक शिक्षक विद्यार्थी के चेहरे को देखकर समझ जाता है कि वह उदास है, तनाव में है या उसे कोई बात समझ नहीं आ रही है। एआई के पास भावनाएँ नहीं होतीं, वह रोते हुए बच्चे को सांत्वना नहीं दे सकता और न ही उसकी पीठ थपथपाकर उसका हौसला बढ़ा सकता है। स्कूल और कॉलेज में छात्र ईमानदारी, अनुशासन, टीम वर्क और नैतिक मूल्य भी सीखते हैं। ये जीवन मूल्य केवल एक मानव शिक्षक ही अपने आचरण और अनुभवों से सिखा सकता है।

प्रेरणा का स्रोत

महान वैज्ञानिक डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम और स्वामी विवेकानंद जैसी हस्तियों को उनके शिक्षकों ने प्रेरित किया था। एक शिक्षक की कही गई एक सकारात्मक बात किसी छात्र का पूरा जीवन बदल सकती है। जबकि एआई केवल निर्देश दे सकता है, प्रेरित नहीं कर सकता।

अंततः यह कहा जा सकता है कि एआई कभी भी शिक्षक का स्थान नहीं ले सकता। एआई एक बेहतरीन शिक्षण सहायक हो सकता है, लेकिन वह गुरु का विकल्प नहीं बन सकता। भविष्य की शिक्षा प्रणाली वह होगी जहाँ शिक्षक और एआई मिलकर काम करेंगे। एआई उपस्थिति, टेस्ट चेकिंग और डेटा मैनेजमेंट जैसे प्रशासनिक कार्य आसान कर देगा, जिससे शिक्षकों को छात्रों के मानसिक और व्यावहारिक विकास पर ध्यान देने का अधिक समय मिलेगा।



माधुरी शुक्ला

प्रिंसिपल, बीएमडी हितकारिणी गर्ल्स हा.सें स्कूल, दीक्षितपुरा जबलपुर।

पर्यावरण संरक्षण, आज की पुकार, कल का आधार

आज इक्कीसवीं सदी में जहाँ मानव सभ्यता ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति कर ली है, वहीं दूसरी ओर हम एक गंभीर संकट के मुहाने पर खड़े हैं, वह है हमारे पर्यावरण का निरंतर विनाश। हवा में घुलता धुआँ, प्रदूषित होती नदियाँ, पिघलते ग्लेशियर और लगातार बढ़ता तापमान (ग्लोबल वार्मिंग) इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि यदि हम अब भी नहीं संभले, तो हमारा अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा। पर्यावरण को बचाना अब केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि हमारी जीवन रक्षा के लिए सबसे बड़ी जरूरत बन चुका है।

जल संरक्षण, जीवन की बूंद-बूंद कीमती

पानी के बिना जीवन की कल्पना असंभव है। वर्तमान में भूजल का स्तर तेजी से नीचे जा रहा है। इसे रोकने के लिए हमें पानी की बर्बादी रोकनी होगी। ब्रश करते समय या बर्तन धोते समय नल को खुला न छोड़ें। इसके अलावा रेन वाटर हार्वेस्टिंग (वर्षा जल संचयन) को हर घर में अनिवार्य बनाया जाना चाहिए, ताकि बारिश के पानी को सहेजकर जमीन में वापस भेजा जा सके।



वृक्षारोपण, पृथ्वी के फेफड़े

पेड़ न सिर्फहमें ऑक्सीजन देते हैं, बल्कि कार्बन डाइऑक्साइड को सोखकर पर्यावरण का संतुलन भी बनाए रखते हैं। हर व्यक्ति को अपने जीवन के विशेष अवसरों, जैसे जन्मदिन या त्योहार, पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। वन क्षेत्रों को घटने से रोकना और शहरों में ग्रीन बेल्ट को बढ़ावा देना आज के समय की माँग है।

3 आर का मंत्र, रिड्यूस, रीयूज़ और रिसायकल

कचरा प्रबंधन आज दुनिया की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। इसके समाधान के लिए 3 आर सिद्धांत अपनाना होगा। रिड्यूस यानी सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का उपयोग बंद करना और बाजार जाते समय कपड़े या जूट का थैला साथ रखना। रीयूज़ यानी चीजों को फेंकने के बजाय दोबारा इस्तेमाल करना। रिसायकल यानी सूखे और गीले कचरे को अलग-अलग करना, ताकि कागज, काँच और धातु जैसी चीजों का पुनर्चक्रण हो सके।

ऊर्जा की बचत और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन

बिजली बनाने के लिए आज भी बड़े पैमाने पर कोयले का उपयोग होता है, जिससे भारी प्रदूषण फैलता है। अनावश्यक रूप से चल रहे पंखे, लाइट और कंप्यूटर बंद करके हम ऊर्जा बचा सकते हैं। साथ ही हमें सौर ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्रोतों की ओर बढ़ना होगा। कम दूरी के लिए पैदल चलें या साइकिल का उपयोग करें, और लंबी दूरी के लिए सार्वजनिक परिवहन (बस, मेट्रो) या कारपूल को प्राथमिकता दें।



नीलू गुप्ता

टीचर, हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी देवताल, गढ़ा, जबलपुर।

वोकल फॉर लोकल, आत्मनिर्भर भारत की ओर

आत्मनिर्भर भारत का अर्थ है ऐसा भारत जो अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए दूसरों पर कम से कम निर्भर हो और अपने संसाधनों, कौशल तथा तकनीक का उपयोग करके विकास करे। आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शिक्षा, कृषि, उद्योग, विज्ञान, तकनीक और सामाजिक विकास से भी जुड़ी हुई है।

आत्मनिर्भर भारत का उद्देश्य

आत्मनिर्भर भारत का मुख्य उद्देश्य देश को आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी रूप से सशक्त बनाना है। भारत के पास प्राकृतिक संसाधनों, मानव संसाधनों और प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। कृषि, उद्योग, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में अपार संभावनाएँ हैं। यदि इन संसाधनों का सही उपयोग किया जाए, तो भारत विश्व के अग्रणी देशों में अपना स्थान बना सकता है।

मुख्य बिंदु

- प्राकृतिक और मानव संसाधनों का उचित उपयोग।
- विश्व के अग्रणी देशों की श्रेणी में पहुँचना।
- आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी मजबूती।



वोकल फॉर लोकल का महत्व

आत्मनिर्भर भारत के लिए स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना बहुत आवश्यक है। जब हम अपने देश में बने उत्पादों का उपयोग करते हैं, तो देश के उद्योगों को प्रोत्साहन मिलता है और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। इससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। वोकल फॉर लोकल का संदेश इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्य बिंदु

- स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन।
- रोजगार के नए अवसरों का सृजन।
- अर्थव्यवस्था में मजबूती।

आत्मनिर्भर भारत में शिक्षा की भूमिका

शिक्षा आत्मनिर्भर भारत की नींव है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा युवाओं को ज्ञान और कौशल प्रदान करती है, जिससे वे रोजगार पाने के साथ-साथ रोजगार देने वाले भी बन सकते हैं। तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रम युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मुख्य बिंदु

- युवाओं को ज्ञान और कौशल प्रदान करना।
- रोजगार पाने वाले से रोजगार देने वाले बनना।
- तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास का महत्व।

आत्मनिर्भर भारत में कृषि का योगदान

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। कृषि उत्पादन बढ़ने से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होती है और किसानों की आय में वृद्धि होती है। आधुनिक तकनीक, उन्नत बीज और सिंचाई की सुविधाओं से कृषि क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है। इससे गाँवों का विकास होता है और देश आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता है।

मुख्य बिंदु

- खाद्य सुरक्षा की गारंटी।
- किसानों की आय में वृद्धि।
- आधुनिक तकनीक का उपयोग।

आत्मनिर्भर भारत केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय संकल्प है। स्थानीय उत्पादों को अपनाकर, शिक्षा और कौशल विकास पर ध्यान देकर तथा कृषि और उद्योग को मजबूत बनाकर हम भारत को सशक्त, समृद्ध और स्वावलंबी राष्ट्र बना सकते हैं। प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह इस लक्ष्य की प्राप्ति में अपना योगदान दे।



उर्मिला विश्वकर्मा

टीचर, आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, गोविंदगंज, दमोहनाका, जबलपुर

अभिभावक और शिक्षक का मजबूत समन्वय ही बच्चे के स्वर्णिम भविष्य की कुंजी

शिक्षा केवल किताबों को रटने या परीक्षा में अंक लाने का नाम नहीं है। यह बच्चे के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास की निरंतर प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया के दो सबसे सशक्त स्तंभ हैं, अभिभावक और शिक्षक। एक बच्चा अपना आधा समय घर के अपनत्व में और आधा समय विद्यालय के अनुशासन में बिताता है। ऐसे में यदि इन दोनों स्तंभों के बीच तालमेल न हो, तो छात्र के मानसिक और बौद्धिक विकास पर सीधा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बदलते समय में बच्चों को सही दिशा देने के लिए अभिभावक-शिक्षक का एक मंच पर आना अब अनिवार्य हो गया है।

साझा जिम्मेदारी, त्रिकोण का आधार

अक्सर माता-पिता बच्चे का दाखिला अच्छे स्कूल में कराकर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेते हैं। वहीं शिक्षक भी समय और संसाधनों के अभाव में हर बच्चे की पारिवारिक पृष्ठभूमि नहीं समझ पाते। सच्चाई यह है कि शिक्षा एक त्रिकोण है शिक्षक, अभिभावक और छात्र। जब तक पहले दो कोने मजबूती से नहीं जुड़ेंगे, तीसरे कोने यानी छात्र का संतुलन बिगड़ता रहेगा। शिक्षा की सफलता इसी त्रिकोण की मजबूती पर निर्भर है।

सकारात्मक संवाद, विकास की पहली शर्त

अभिभावक-शिक्षक का रिश्ता सिर्फ प्रोग्रेस रिपोर्ट तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसका उद्देश्य केवल शिकायत सुनना या नंबर देखना नहीं, बल्कि बच्चे की रुचि, कमजोरी और व्यवहार पर खुली चर्चा होना चाहिए। शिक्षक को घर का माहौल पता हो और अभिभावक को कक्षा में बच्चे की सहभागिता की जानकारी हो। जब संवाद निरंतर और सकारात्मक होगा, तो बच्चे को लगेगा कि उसकी हर गतिविधि पर निगरानी रखने वाले दो मजबूत हाथ हैं।

तनावमुक्त वातावरण और प्रोत्साहन

आज की प्रतिस्पर्धा में बच्चा भारी दबाव में है। ऐसे में अभिभावक और शिक्षक का समन्वय उसके लिए सुरक्षा कवच बन सकता है। दोनों को बच्चे पर उम्मीदों का बोझ लादने के बजाय उसकी सीखने की क्षमता बढ़ानी चाहिए। यदि बच्चा किसी विषय में कमजोर है, तो शिक्षक स्कूल में अभिभावक घर पर मिलकर उसे सहारा दें। जब दोनों जगह एक जैसा मार्गदर्शन मिलेगा तो बच्चे का आत्मविश्वास दोगुना हो जाता है।

डिजिटल युग की चुनौती

आज तकनीक वरदान भी है और चुनौती भी। ऑनलाइन संसाधनों ने पढ़ाई आसान की, पर भटकाव भी बढ़ाया। इस चुनौती से निपटने के लिए तालमेल और जरूरी हो गया है। स्कूल में शिक्षक तकनीक के सही उपयोग का पाठ पढ़ाएँ और अभिभावक घर पर स्क्रीन टाइम पर नजर रखें। दोनों मिलकर ऐसी दिनचर्या बनाएँ जिसमें पढ़ाई, खेल और आराम का संतुलन हो।

एक संकल्प की आवश्यकता

संक्षेप में, अभिभावक और शिक्षक एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, उद्देश्य एक, बच्चों का उज्ज्वल भविष्य। इनके बीच का समन्वय विकल्प नहीं, समय की माँग है। जब गुरु का अनुभव और माता-पिता का स्नेह मिलकर बच्चे को दिशा देंगे, तभी हमारे बच्चे न केवल परीक्षा में अव्वल आएंगे, बल्कि समाज के जिम्मेदार और सफल नागरिक भी बनेंगे। आइए, हम सब मिलकर इस साझेदारी को और मजबूत करने का संकल्प लें, क्योंकि यही शिक्षा का त्रिकोण हमारे बच्चों के स्वर्णिम भविष्य का आधार है।

जया विश्वकर्मा

टीचर, हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, देवताल, गढ़ा, जबलपुर



जनगणना और सामाजिक विकास, एक सुनहरा संबंध

जनगणना किसी भी देश के विकास की आधारशिला होती है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके माध्यम से देश की कुल जनसंख्या, उनकी सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक तथा भौगोलिक स्थिति की जानकारी प्राप्त की जाती है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश के लिए जनगणना का विशेष महत्व है। यह सरकार को योजनाएँ बनाने, संसाधनों का उचित वितरण करने तथा देश के भविष्य की दिशा तय करने में सहायता प्रदान करती है।

भारत में जनगणना का इतिहास- भारत में पहली व्यवस्थित जनगणना वर्ष 1881 में हुई थी। इसके बाद प्रत्येक दस वर्ष में जनगणना कराई जाती रही है। जनगणना से प्राप्त आँकड़े सरकार को यह समझने में मदद करते हैं कि देश की जनसंख्या कितनी तेजी से बढ़ रही है, शिक्षा का स्तर क्या है, रोजगार की स्थिति कैसी है तथा लोगों की मूलभूत आवश्यकताएँ क्या हैं।



नीति निर्माण में जनगणना की भूमिका- भारत का भविष्य काफी हद तक जनगणना के आँकड़ों पर निर्भर करता है। यदि सरकार के पास सही और अद्यतन जानकारी होगी, तो वह बेहतर नीतियाँ बना सकेगी। उदाहरण के लिए, यदि किसी क्षेत्र में बच्चों की संख्या अधिक है, तो वहाँ अधिक विद्यालयों की आवश्यकता होगी। इसी प्रकार, यदि किसी शहर में जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है, तो वहाँ परिवहन, स्वास्थ्य सेवाओं और आवास की बेहतर व्यवस्था करनी होगी।

आर्थिक विकास में योगदान- जनगणना आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके माध्यम से सरकार यह जान पाती है कि किस क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाने की आवश्यकता है और कहाँ उद्योगों की स्थापना की जा सकती है। इससे बेरोजगारी कम करने और आर्थिक प्रगति को गति देने में सहायता मिलती है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास- जनसंख्या के आधार पर अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों और विद्यालयों की संख्या निर्धारित की जाती है। इससे लोगों तक आवश्यक सुविधाएँ पहुँचाने में आसानी होती है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए जनगणना के आँकड़े बहुत उपयोगी सिद्ध होते हैं।

बढ़ती जनसंख्या, अवसर और चुनौतियाँ- आज भारत विश्व की सबसे बड़ी जनसंख्या वाले देशों में से एक है। बढ़ती जनसंख्या अवसर भी प्रदान करती है और चुनौतियाँ भी। यदि युवा आबादी को उचित शिक्षा, कौशल और रोजगार उपलब्ध कराया जाए, तो यह देश के विकास की सबसे बड़ी ताकत बन सकती है। वहीं यदि जनसंख्या वृद्धि को सही ढंग से प्रबंधित नहीं किया गया, तो संसाधनों पर दबाव बढ़ सकता है।

जलवायु परिवर्तन, वर्तमान की सबसे बड़ी वैश्विक चुनौती

आज पूरी दुनिया जिस गंभीर समस्या का सामना कर रही है, वह है जलवायु परिवर्तन। पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ रहा है, मौसम का चक्र असंतुलित हो रहा है और प्राकृतिक आपदाओं की संख्या एवं तीव्रता में वृद्धि हो रही है। यह केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि मानव जीवन, कृषि, अर्थव्यवस्था और जैव विविधता के लिए भी एक बड़ा खतरा बन चुकी है।

जलवायु परिवर्तन के कारण- जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण मानव गतिविधियाँ हैं। औद्योगीकरण, जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की अंधाधुंध कटाई, बढ़ता प्रदूषण तथा ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन पृथ्वी के तापमान को लगातार बढ़ा रहे हैं। कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन और नाइट्रस ऑक्साइड जैसी गैसें वातावरण में ऊष्मा को रोकती हैं, जिससे ग्लोबल वार्मिंग की समस्या उत्पन्न होती है।

जलवायु परिवर्तन के प्रभाव- जलवायु परिवर्तन के प्रभाव आज स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। कहीं अत्यधिक वर्षा और बाढ़ आ रही है, तो कहीं भीषण सूखा पड़ रहा है। गर्मी के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं, हिमनद तेजी से पिघल रहे हैं और समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है। इससे तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन और आजीविका पर गंभीर संकट उत्पन्न हो रहा



है। कृषि उत्पादन प्रभावित हो रहा है, जिससे खाद्य सुरक्षा पर भी खतरा मंडरा रहा है।

स्वास्थ्य पर प्रभाव- स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव सामने आ रहे हैं। बढ़ते तापमान, प्रदूषित वायु बदलते मौसम के कारण अनेक संक्रामक और श्वसन संबंधी रोग बढ़ रहे हैं। स्वच्छ जल की कमी और प्राकृतिक आपदाओं के कारण लोगों का जीवन और अधिक कठिन होता जा रहा है।

समाधान और हमारी जिम्मेदारी- इस गंभीर समस्या का समाधान केवल सरकारों के प्रयासों से संभव नहीं है। प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना, ऊर्जा की बचत करना, सौर, पवन जैसी नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग बढ़ाना, प्लास्टिक का कम प्रयोग करना तथा सार्वजनिक परिवहन को अपनाना जैसे छोटे-छोटे कदम भी बड़े बदलाव ला सकते हैं। उद्योगों को भी स्वच्छ तकनीकों को अपनाकर प्रदूषण कम करना चाहिए।

जागरूकता की आवश्यकता- विद्यालयों, महाविद्यालयों में जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता बढ़ाना समय की आवश्यकता है। यदि बच्चों और युवाओं को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में शिक्षित किया जाए, तो वे भविष्य में जिम्मेदार नागरिक बनकर पृथ्वी के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। भारत सहित विश्व के अनेक देशों ने कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए योजनाएँ शुरू की हैं, इन प्रयासों को सफल बनाने के लिए जनसहभागिता सबसे अधिक आवश्यक है।



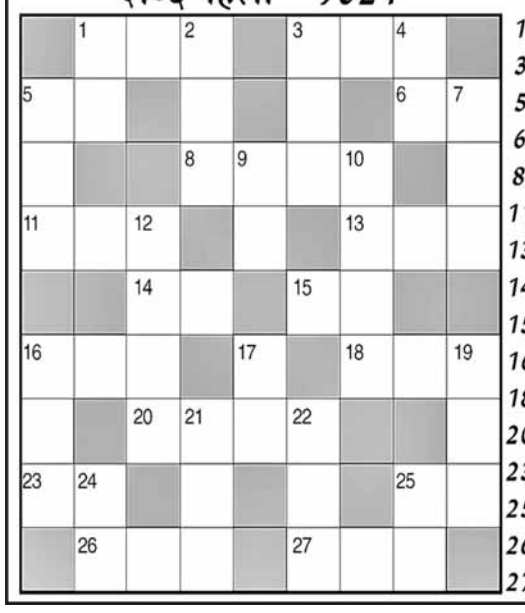
शिवानी तिवारी

टीचर,आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी, गोविंदगंज, दमोहनाका, जबलपुर।

क्या आप जानते हैं?

- दुनिया में 7 महाद्वीप हैं, एशिया, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, अंटार्कटिका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया।
- एशिया क्षेत्रफल और जनसंख्या दोनों में सबसे बड़ा महाद्वीप है, जबकि ऑस्ट्रेलिया सबसे छोटा महाद्वीप है।
- पृथ्वी की सतह का लगभग 71: भाग जल से ढका है।
- प्रशांत महासागर सबसे बड़ा और सबसे गहरा महासागर है।
- मेरियाना ट्रेंच समुद्र का सबसे गहरा स्थान है, जिसकी गहराई लगभग 11,000 मीटर है।
- माउंट एवरेस्ट (लगभग 8,849 मीटर) समुद्र तल से सबसे ऊँची चोटी है।
- नील नदी को पारंपरिक रूप से सबसे लंबी नदी माना जाता है; कुछ अध्ययन अमेजन को भी सबसे लंबी बताते हैं। अमेजन नदी जल प्रवाह की दृष्टि से विश्व की सबसे बड़ी नदी है।
- रूस क्षेत्रफल के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा देश है, जबकि वेटिकन सिटी सबसे छोटा देश है।
- बैकाल झील (रूस) विश्व की सबसे गहरी झील है।
- सुपीरियर झील मीठे पानी की सबसे बड़ी झीलों में से एक है।
- कैस्पियन सागर विश्व की सबसे बड़ी बंद जलराशि (झील) है।

शब्द पहेली - 9024



बाएँ से दाएँ

1. नियंत्रण, घोड़े की रास-3
3. ध्वज, झंडा-3
5. माहिर, होशियार-2
6. बेल, लतिका-2
8. अस्वीकृत करना-4
11. अदृश्य-3
13. फटकार, धिक्कार-3
14. अधर, होठ-2
15. सलाह, सुझाव-2
16. आश्रय-3
18. अनुमान, अंदाज-3
20. आलता, माहुर-4
23. नासिका-2
25. रहस्य-2
26. रेखा, लाइन-3
27. परिमूल्य-3

ऊपर से नीचे

1. लाख, सौ हजार-2
2. बारीक, सूक्ष्म-3
3. तीन घंटे का समय-3
4. समय, वक्त-2
5. कोतवाल-3
7. बल, जोर, दम-3
9. श्रवणेंद्रिय-2
10. जो लायक न हो-4
12. कृष्ण के बड़े भाई-4
16. दर्पण, शीशा-3
17. नौका -2
19. आसान, सरल-3
21. उपस्थित-3
22. रस से भरा-3
24. बीता हुआ दिन-2
25. रजनी, निशा-2

शब्द पहेली -9023 का हल

	आ	र	ति		अ	ना	मि	का
आ	ना		ल	जी	ज			र
ले		श	मि		र	न		तू
ख	ल	ब	ला	ना		र	ई	स
	ग		ना		म		मा	
ख	न	न		म	नो	न	न	य
लि		ल	क		रं	ग		नी
हा			हा	फि	ज		का	म
न	स	वा	र		न	ज	ला	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अखिल भारतीय 'भारत को जानो' प्रान्त स्तरीय प्रतियोगिता में नरसिंहपुर का परचम

कनिष्ठ और वरिष्ठ दोनों वर्गों में प्रथम स्थान पर रही नरसिंहपुर शाखा, विवेकानंद शाखा ने भी वरिष्ठ वर्ग में हासिल किया तीसरा स्थान





नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत

एकता दिवस के अवसर पर भारत विकास परिषद महाकोशल प्रान्त द्वारा प्रान्त स्तरीय अखिल भारतीय भारत को जानो प्रतियोगिता सागर में आयोजित हुई। जिसमें नरसिंहपुर के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए शाखा का गौरव बढ़ाया।नरसिंहपुर शाखा ने कनिष्ठ एवं वरिष्ठ दोनों वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त कर दोहरी सफलता हासिल की। वहीं वरिष्ठ वर्ग में नरसिंहपुर की विवेकानंद शाखा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। भारत विकास परिषद महाकोशल प्रांत की इस प्रतियोगिता का आयोजन सागर शाखा के तत्वावधान में सांदीपनि एमएलबी विद्यालय, सागर में किया गया। इसमें प्रांत की 9 शाखाओं की कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग की कुल 18 टीमों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों से सामान्य ज्ञान के लगभग 480 प्रश्न पूछे गए। कनिष्ठ वर्ग में नरसिंहपुर शाखा के चावरा विद्यापीठ के शौर्य सिंह एवं प्रदीप्ति सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दमोह शाखा के प्राची शाल्या एवं प्रियदर्शी बड़गैया द्वितीय तथा दमोह की अटल शाखा के आराध्या कोठी एवं शुभम शर्मा तृतीय स्थान पर रहे। वरिष्ठ वर्ग में नरसिंहपुर शाखा के उत्कृष्ट विद्यालय की अंजली साहू एवं शुभ दीक्षित ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दमोह की अटल शाखा के अक्षत सिंह ठाकुर एवं सार्थक दुबे द्वितीय तथा नरसिंहपुर की विवेकानंद शाखा के संस्कार विद्यालय के मानू साहू एवं वैभव शर्मा तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. जीएस चौबे, संघचालक सागर ने विद्यार्थियों को देशभक्ति, स्वप्रेरणा एवं निरंतर अध्ययन का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बदलते समय के साथ नए विषयों, विशेषकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का भी अध्ययन करना चाहिए, ताकि वे भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार हो सकें। मध्य क्षेत्र के अध्यक्ष इंजी. सुनील कोठारी ने भी विद्यार्थियों को सतत अध्ययन एवं ज्ञान अर्जन के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता का प्रश्न मंच सुव्यवस्थित तरीके से संचालित किया गया। निर्णायक मंडल में डॉ. बृजेश जायसवाल, गुरुकांत तिवारी, एडवोकेट रामकुमार व्यास एवं नारायण प्रसाद पटवा शामिल रहे। उज्जैन से आए इंजी. सुनील लवंगीकर ने पर्यवेक्षक के रूप में प्रतियोगिता की प्रक्रिया का अवलोकन किया। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में पूर्व मंत्री एवं विधायक नारायण प्रसाद कबीरपंथी ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम का संयोजन सागर शाखा अध्यक्ष एके दीक्षित एवं सौरभ दुबे ने किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रांतीय संस्कार संयोजक आशुतोष वर्मा ने किया। हिमांशु दीक्षित द्वारा सभी प्रतिभागियों को पुस्तकें भेंट की गईं तथा डॉ. यूबीएस गौर ने आभार व्यक्त किया। नरसिंहपुर की इस दोहरी उपलब्धि पर भारत विकास परिषद नरसिंहपुर शाखा अध्यक्ष उमेश दुबे, पूर्व अध्यक्ष इंजी. केके सोनी, विवेकानंद शाखा अध्यक्ष राजेश नेमा , प्रो. किरण गोस्वामी अध्यक्ष दमयंती शाखा दमोह तेंदूखेड़ा शाखा से त्रिलोक जैन, विशाल तिवारी, शेफाली पांडे, किरण केवट देवी अहिल्या जबलपुर से सुभाष तिवस्कर सहित परिषद के सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया एवं शिवपुरी में आयोजित रीजनल स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। इस रीजनल प्रतियोगिता की विजेता टीम को राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जनसुनवाई में सुनीं लोगों की समस्याएं



नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न विषयों से संबंधित कुल 120 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवेदनों पर गंभीरता से कार्रवाई करते हुए निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में आवेदकों ने मेढ़ का सीमांकन कर रास्ता खुलवाने, ग्राम निवावर में राशन वितरण कराने, सही व निष्पक्ष सीमांकन करवाने, बैनामा की शेष राशि दिलाए जाने आदि से संबंधित अपने-अपने आवेदन कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए। इस पर कलेक्टर श्रीमती सिंह ने आवेदनों पर संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई कर आवेदकों को राहत दिलाने के लिए कहा। जनसुनवाई के दौरान जिन आवेदनों का तत्काल निराकरण संभव था, उनका मौके पर ही निराकरण किया गया। वहीं जिन प्रकरणों में विस्तृत जांच अथवा अन्य आवश्यक कार्रवाई की जरूरत थी, उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा तय कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री अरविंद कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने भी नागरिकों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित प्रकरणों में आवश्यक कार्रवाई की।

पेंशनरों के साथ किया जाए न्याय

नरसिंहपुर । मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं पेंशनरों को



दीपावली पूर्व 2 प्रतिशत मंहगाई भत्ता एवं राहत जनवरी 2026 से देने की घोषणा पर अनिल राय अध्यक्ष म प्र पेंशनर्स समाज* तहसील शाखा नरसिंहपुर द्वारा आभार व्यक्त करते हुए यह बात संज्ञान में लेने हेतु अनुरोध किया है कि राज्य सरकार के अधिकारियों, कर्मचारियों को माह जनवरी से बढ़ा हुआ 2 प्रतिशत मंहगाई भत्ता का 9 माह का एरियर्स का भुगतान की घोषणा की गई है, परन्तु राज्य सरकार के पेंशनरों को इसका लाभ माह जुलाई 26 से दिया गया है, यह न्यायोचित नहीं है। राज्य सरकार के पेंशनरों को भी माह जनवरी 26 से इसका लाभ दिया जावे, तो न्यायोचित होगा, साथ ही केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार के मंहगाई भत्ता एवं राहत में अभी 3 प्रतिशत का अंतर बना हुआ है, इस पर भी विचार कर इस अंतर को समाप्त किया जावे।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में दिए निर्देश

पल्स पोलियो अभियान में 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पिलाई जाए पोलियो की दो बूंद

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत

जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार कर 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाना सुनिश्चित किया जाए। अभियान के दौरान कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग माइक्रोप्लान तैयार कर सभी निर्धारित पोलियो बूथों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करे। यह निर्देश कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने 22 नवंबर



2026 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के सफल क्रियान्वयन एवं शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के लिए सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के साथ महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन, राजस्व एवं परिवहन विभाग सहित अन्य संबंधित विभाग अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाएं। यह अभियान 24 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने निर्देशित किया कि जिले के सभी निर्धारित पोलियो बूथों पर प्रशिक्षित कर्मचारियों एवं आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। आंगनवाड़ी एवं आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों की सूची तैयार कर प्रत्येक बच्चे तक पहुंच बनाई जाए। स्कूलों, आंगनवाड़ी केन्द्रों, ग्राम पंचायतों एवं नगरीय क्षेत्रों में अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, जिससे अभिभावक अपने बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं। उन्होंने बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, निर्माण स्थलों, ईंट भट्टों एवं प्रवासी आबादी वाले क्षेत्रों में विशेष टीकाकरण व्यवस्था करने के निर्देश दिए। अभियान के दौरान पोलियो की खुराक पीने से छूटे बच्चों को अगले दिन घर-घर जाकर दवा पिलाई जाए। इसके लिए जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं धर्मगुरुओं का सहयोग लेकर जनभागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। साथ ही विकासखंड स्तर पर अभियान की नियमित मॉनिटरिंग एवं प्रतिदिन की प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समय-सीमा में सभी तैयारियां पूर्ण करें तथा व्यापक जनजागरूकता के माध्यम से आमजन की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्रा एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी-3 डॉ. जी.पी. भनारिया ने अभियान की कार्ययोजना एवं तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले के सभी विकासखंडों में माइक्रोप्लानिंग, पोलियो बूथों की व्यवस्था, वैक्सीन एवं आवश्यक मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने की कार्यवाही की जा रही है। इस दौरान जिले के सभी नागरिकों एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे 22 नवंबर 2026 को अपने 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं। बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर इस अभियान को सफल बनाने में सहभागी बनें। प्रत्येक बच्चे तक पोलियो की खुराक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

5 नवम्बर से कृषि मंडी कारोबार बंद रहेगा



गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। स्थानीय कृषि उपज मंडी में दीपावली पर्व एवं साफ-सफाई के मद्देनजर आगामी 5 नवंबर से कृषि जिंसों की नीलामी का कार्य प्रतिवर्षानुसार पूरी तरह बंद रहेगा। इस संबंध में चेन मर्चेन्ट एण्ड दाल मिलर्स एसोसिएशनज द्वारा मंडी सचिव को औपचारिक पत्र भेजकर अवकाश की सूचना दी गई है। एसोसिएशन के अनुसार, दीपावली पूर्व साफ-सफाई व्यवस्था के लिए सदस्यों की सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया है। इसके तहत 5 नवंबर (गुरुवार) से मंडी में फसलों की नीलामी प्रक्रिया स्थगित रहेगी। दीपावली अवकाश के पश्चात 11 नवंबर (बुधवार) को शुभ मुहूर्त में विधि-विधान से पूजन संपन्न होगा, जिसके बाद ही नीलामी एवं सौदों का कार्य पुन: प्रारंभ किया जाएगा। एसोसिएशन की ओर से योगेश मालपानी ने मंडी प्रशासन से इस संबंध में सहयोग की अपील की है।

नागौद में डॉक्टर बृज द्विवेदी का क्लीनिक सील

सतना, स्वतंत्रमत

नागौद के हृदय स्थल उदय चौक स्थित डॉक्टर बृज द्विवेदी के क्लीनिक को स्वास्थ्य विभाग ने मंगलवार को सील कर दिया। कार्रवाई ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर ;बीएमओ के नेतृत्व में की गई। विभाग के अनुसार क्लीनिक के पास वैध पंजीयन और अनुमति से संबंधित दस्तावेज नहीं मिलेए साथ ही बीएचएमएस डिग्री होने के बावजूद एलोपैथिक दवाओं से इलाज करने का मामला सामने आया है।

बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई एक महिला की मौत के बाद की गई है। महिला का परिवार उदय चौक स्थित इसी क्लीनिक में इलाज के लिए आया था। परिजनों का आरोप है कि इलाज के दौरान महिला की तबीयत अचानक बिगड़ी और उसकी मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों ने क्लीनिक पर लापरवाही और गलत इंजेक्शन लगाने का गंभीर आरोप लगाते हुए हंगामा किया



था। परिजनों के अनुसार महिला को बुखार और कमजोरी की शिकायत थी। वह सामान्य इलाज के लिए क्लीनिक आई थी। डॉक्टर ने उसे इंजेक्शन लगाया जिसके कुछ देर बाद ही उसकी हालत बिगड़ने लगी सांस लेने में तकलीफ हुई और देखते ही देखते मौत हो गई। परिवार ने कहा कि डॉक्टर ने बिना पूरी जांच के जल्दबाजी में इलाज किया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ भी मौके पर जुट गई थी। मामले की शिकायत कलेक्टर और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तक पहुंची। इसके बाद बीएमओ डॉ. राजेश पटेल के नेतृत्व में एक टीम ने मंगलवार सुबह उदय चौक स्थित क्लीनिक का निरीक्षण किया। बीएमओ ने बताय क्लीनिक संचालन के लिए जो वैध पंजीयन क्लीनिक एक्ट के तहत रजिस्ट्रेशन और बायोमेडिकल वेस्ट का प्रमाण पत्र होना चाहिए वह मौके पर नहीं मिला। डॉक्टर के पास ठप्पे की डिग्री है लेकिन वे एलोपैथिक एंटीबायोटिक और इंजेक्शन का उपयोग कर रहे थेए जो नियमों के अनुसार अनुमत नहीं है। जांच में यह भी पाया गया कि दवाओं के भंडारण और डिस्पोजल की भी उचित व्यवस्था नहीं थी। अनियमितता मिलने के बाद बीएमओ ने क्लीनिक को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया और कारण बताओ नोटिस जारी किया। क्लीनिक के गेट पर सील की मुहर लगाई गई है। बीएमओ ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट कलेक्टर सतना और सीएमएचओ को भेज दी है। आगे की वैधानिक कार्रवाई वहीं से तय होगी। पुलिस ने भी इस मामले में मर्ग कायम कर लिया है। मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल सतना भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चलेगा। पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट और परिजनों के बयान के आधार पर आगे एफआईआर की कार्रवाई की जाएगी। उदय चौक क्षेत्र में यह घटना चर्चा का विषय बनी हुई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई दिनों से इस क्लीनिक को लेकर शिकायतें आ रही थीं। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि किसी भी निजी क्लीनिक में इलाज से पहले उसका पंजीयन जरूर देखें। स्वास्थ्य विभाग ने संकेत दिया है कि जिले में ऐसे बिना पंजीयन वाले और डिग्री से बाहर जाकर इलाज करने वाले क्लीनिकों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाएगा। सतना जिले की नागौर में अवैध क्लिनिको की भरमार है पूर्व में एक बार कार्यवाही की थी सतना कम क्यों नहीं लेकिन फिर वैसे की वैसे चल रही है सूचना के अधिकार में निकाली गई जानकारी में यह जानकारी मिली थी।

नवीन आईएसबीटी में बसों के स्थानांतरण की समस्याओं पर आयुक्त ने की बैठक



सतना स्वतंत्रमत

पुराने बस स्टैंड से बसों का संचालन नवीन अंतरराज्यीय बस टर्मिनल ;आईएसबीटी उतैली में स्थानांतरित करने के दौरान आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों के समाधान को लेकर नगर पालिक निगम आयुक्त डॉ.नागार्जुन बी. गौड़ा ने सोमवार को बस एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में यात्रियों की पहुंच बसों के आवागमन के मार्ग और संचालन व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। बस एसोसिएशन के अध्यक्ष कमलेश गौतम एवं अन्य पदाधिकारियों ने नवीन आईएसबीटी से बसों का संचालन प्रारंभ करने में आने वाली कठिनाइयों से अवगत कराया। आयुक्त महोदय ने उनकी समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना तथा एसडीएम एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ समाधान के संभावित विकल्पों पर विचार.विमर्श किया।आयुक्त ने बस संचालकों को आश्वस्त किया कि उनकी व्यावहारिक समस्याओं का जल्द समाधान निकाला जाएगा। उन्होंने यात्रियों की सुविधा और बसों के सुचारू संचालन को प्राथमिकता देते हुए संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर समस्याओं का समाधान करने की बात कही। बसों के स्थानांतरण को लेकर फ्लिहाल चर्चा जारी है तथा व्यावहारिक कठिनाइयों के समाधान के बाद आगे की प्रक्रिया निर्धारित की जाएगी।

यह रहे उपस्थित- बैठक में एसडीएम राहुल सिलाढीयाए नगर निगम उपायुक्त अनुराग तिवारीए क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री रवि बरेलिया बस एसोसिएशन के अध्यक्ष कमलेश गौतम एवं सचिव सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।



एरोड्रम की जमीन को खाली करवाने के लिए लगा प्रशासन

सतना स्वतंत्रमत। एरोड्रम की जमीन पर वर्षों से काबिज अतिक्रमण को हटाने के लिए प्रशासन ने तैयारी तेज कर दी है। प्रशासन ने अतिक्रमणकारियों को 14 सितंबर तक जमीन खाली करने का अल्टीमेटम दिया है। इसके बाद सीजर टाइम की कार्रवाई शुरू की जाएगी और सभी अतिक्रमणकारियों को चिन्हित स्थान पर शिफ्ट किया जाएगा। प्रशासन के अनुसार एरोड्रम की जमीन पर करीब 140 परिवारों ने मकान बनाकर अतिक्रमण कर रखा है। इस जमीन को खाली करवाकर एरोड्रम के विस्तार और सुरक्षा के लिए उपयोग किया जाना है। वहीं दूसरी ओर अतिक्रमणकारियों का कहना है कि वे यहां 1961 से मकान बनाकर रह रहे हैं। उनका कहना है कि आज तक किसी भी प्रशासनिक अधिकारी ने उन्हें मकान खाली करने के लिए नहीं कहा। अब अचानक नोटिस देकर जमीन खाली करने को कहा जा रहा है। इसी को लेकर आज कई अतिक्रमणकारी कलेक्ट्रेट में एसडीएम के पास अपनी बात रखने पहुंचे। कलेक्ट्रेट पहुंचने वालों में राधा साकेत बबीता खरे राजेश वंशकार सावन वंशकार कैलाश वर्मा सूरज बाल्मिक रेखा दहेज भाई दूतालु वंशकार भेड़िया वंशकार सहित लगभग 140 लोग शामिल थे।

कृषि एवं ग्रामीण मजदूर संघ जिला मैहर की समीक्षा बैठक का आयोजन

सतना स्वतंत्रमत । भारतीय मजदूर संघ जिला मैहर के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय जिला मैहर में कृषि एवं ग्रामीण मजदूर संघ जिला मैहर की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक प्रदेश मंत्री कृषि एवं ग्रामीण मजदूर संघ विमला सैनी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वीरभान सिंह संभागीय अध्यक्ष कृषि एवं ग्रामीण मजदूर संघ संभाग रीवा द्वारा की गई। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में राजेंद्र शुक्ला संभागीय महामंत्री बृजेंद्र सिंह अध्यक्ष जिला सतना कंदीलाल बुनकर संभागीय मंत्री कृषि एवं ग्रामीण मजदूर संघ तथा बाबूलाल साकेत प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष भवन एवं अन्य सन्निर्माण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री मनोज शुक्ला एवं राजकुमार विश्वकर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संतोष बुंदेला अध्यक्ष पर्यावरण मंच जिला मैहर निर्मला नामदेव स्वयं सहायता समूह मजदूर संघ जिला अध्यक्ष तथा राजभान सिंह महामंत्री कृषि एवं ग्रामीण मजदूर संघ जिला मैहर उपस्थित रहे। बैठक में कृषि एवं ग्रामीण मजदूर संघ की पूर्व कार्यकारिणी की निष्क्रियता के कारण उसे भंग कर नई कार्यकारिणी के गठन के लिए प्रस्ताव पारित किया गया। प्रदेश मंत्री



विमला सैनी ने कृषि मजदूरों की समस्याओं के समाधान के लिए संगठन के माध्यम से प्रयास करने का आह्वान किया। संभागीय अध्यक्ष एवं महामंत्री द्वारा संगठन में सदस्यता विस्तार कर संगठन को व्यवस्थित एवं मजबूत बनाने के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। संभागीय अध्यक्ष वीरभान सिंह ने उद्योगों द्वारा किसानों के लगातार शोषण प्रदूषण नियंत्रण के उपायों पर प्रभावी कार्रवाई न किए जाने तथा किसानों से जमीन लेते समय रोजगार देने का आश्वासन देकर बाद में रोजगार उपलब्ध न कराने जैसे गंभीर मुद्दों को उठाया। उन्होंने भविष्य में संगठन का विस्तार कर किसानों एवं मजदूरों के हितों में आंदोलन करने की बात कही।



यशमीत प्रकाश ने किया प्रतिनिधित्व

मण्डला(स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले में प्रदेश भर के स्थित कॉलेज के छात्रों की उपस्थिति में 31 अक्टूबर से 2 नवंबर तक भारतीय युवा संसद का 32 वां राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में आरडी कॉलेज मण्डला एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र यशमीत प्रकाश ने जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के इस सत्र का मुख्य विषय स्वबोध आत्म-जागृति था। इसके अलावा कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में आपात काल के 50 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक विषय पर भी चर्चा हुई। इस कार्यक्रम का आयोजन मंदसौर के ऐतिहासिक स्थल धर्मराजेश्वर और कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। इस गरिमा मेंआयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर एवं प्रदेश भर से आमंत्रित अन्य गणमान्य अतिथि शामिल हुए।

सर्पदंश पर आर्थिक सहायता

मण्डला(स्वतंत्र मत)। प्राकृतिक आपदा के कारण सर्पदंश से मृत्यु होने पर प्रभावित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए राजस्व विभाग द्वारा 4 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। तहसील मंडला के ग्राम घाघा निवासी नरसिंह मरावी की 28 सितंबर 2026 को सर्पदंश से मृत्यु हो गई थी। प्रकरण में प्रस्तुत शव परीक्षण रिपोर्ट में मृत्यु का कारण सर्पदंश प्रमाणित होने के आधार पर मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग के राजस्व पुस्तक परिपत्र खंड 6-4 की संशोधित कंडिका 5(1) के प्रावधानों के तहत मृतक की निकटतम वारसान एवं पत्नी श्रीमती भगवती बाई को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

विद्यार्थियों ने सीखी विधाएं

मण्डला(स्वतंत्र मत)। भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय एवं हस्तशिल्प सेवा केंद्र भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में जगन्नाथ शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय तिलक वार्ड में आयोजित तीन दिवसीय शिल्प प्रदर्शन एवं जागरूकता कार्यक्रम का द्वितीय दिवस संपन्न हुआ। 2 से 4 नवंबर तक आयोजित इस कार्यक्रम में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी हस्तशिल्प की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

बैठक कर धरना का निर्णय

मण्डला/घुघरी(स्वतंत्रमत)। घुघरी ब्लॉक मुख्यालय में रसोईया उत्थान संघ समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में घुघरी ब्लॉक अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में रसोईया उपस्थित रहे संगठन के संयोजक संस्थापक पीडी खैरवार की सहमति ब्लॉक स्तरीय समिति का विस्तार किया गया। सर्वसम्मति से नवीन कार्यकारणी में अध्यक्ष इंद्रवती मरकाम सचिव सकुन मसराम कोषाध्यक्ष, भारती बाई, कोषाध्यक्ष उर्मिला मार्को,उपाध्यक्ष श्याम बती एवं सहयोगी सदस्य शांति बाई को चयनित गया।

तालाबों में छोड़ा मछली बीज

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कान्हा टाइगर रिजर्व के गढ़ी बफर परिक्षेत्र अंतर्गत स्थानीय ईको विकास समितियों के सदस्यों को स्वरोजगार एवं आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसके तहत मानसून सीजन के दौरान जुलाई माह में क्षेत्र की 14 ईको विकास समितियों के तालाबों में कुल 180 किलोग्राम मिश्रित मछली बीज छोड़ा गया मछली बीज में रोहू, कतला, ग्रास कार्प एवं कॉमन कार्प प्रजातियां शामिल हैं।

झोलाछाप डॉक्टरों की क्लीनिक ऐसी जैसे कर लिया हो एमबीबीएस बीजाडांडी में अवैध रूप से संचालित पाल क्लीनिक सील

मण्डला(स्वतंत्रमत)।



झोलाछाप डॉक्टरों के हौसले बुलंदी पर है अब तो खुलेआम क्लिनिक खोलकर दवाईयां बेची जा रही है और ऑपरेशन ईलाज भी किया जा रहा है। चीरा फाड़ी से लेकर बॉटल लगाना आम बात हो गई है। यह एक संगठित गिरोह है। जिसमें जिले के थोक दवा व्यापारी भी शामिल बताए जाते हैं। ऐसा ही एक मामला बीजाडांडी क्षेत्र का सामने आया है। जिले के बीजाडांडी में अवैध रूप से संचालित पाल क्लिनिक के खिलाफ स्वास्थ्य एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने कार्यवाही की है। जांच के दौरान टीम को क्लिनिक में एलोपैथिक दवाइयां एवं विभिन्न प्रकार के चिकित्सा उपकरण मिले। इनकी वैधता और क्लिनिक के संचालन संबंधी आवश्यक दस्तावेजों की जांच हुई। अनियमितताएं पाए जाने पर अधिकारियों ने नियमानुसार कार्यवाही करते हुए दवाइयों और उपकरणों को जब्त कर लिया तथा क्लिनिक को सील कर दिया। इस कार्यवाही से क्षेत्र में अवैध रूप से चिकित्सा व्यवसाय संचालित करने वालों में हड़कंप मच गया। बता दें कि जिला मुख्यालय से पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान क्लिनिक में बिना वैध अनुमति के एलोपैथिक दवाइयां और चिकित्सा उपकरण पाए जाने पर टीम ने उन्हें जब्त कर क्लिनिक को सील कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीजाडांडी में आशीष पाल द्वारा पाल क्लिनिक का संचालन किया जा रहा था। क्लिनिक में अनियमित रूप से चिकित्सा गतिविधियां संचालित किए जाने की शिकायत एवं जानकारी के आधार पर स्वास्थ्य और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने मौके लेकर सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार है। जिला मुख्यालय सहित छोटे बड़े हर एक गांव में डॉक्टर एक छोटे कमरे में अपनी सूझबूझ के साथ लोगों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। जिला मुख्यालय से लगे कई ऐसे गांव जहां कुछ ही कदम चलने पर कोई न कोई डॉक्टर दवा खाने पर रोगियों का इलाज करते नजर आ जायेगा। यह बात अलग है कि एक या दो डॉक्टर को छोड़कर बाकी किसी का न तो पंजीयन है और न ही कोई डिग्री व डिप्लोमा है। मेडिकल शैक्षणिक योग्यता का कोई भी प्रमाण नहीं है। बावजूद इसके जिला प्रशासन इस ओर किसी प्रकार से ध्यान नहीं दे रही है। झोलाछाप डॉक्टर ग्रामीणों का ईलाज कर उनकी जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। शासकीय अस्पतालों और निजी दवाखानों में भीड़ के कारण परेशानियों से बचने के लिये ग्रामीण अपने ही गांव में झोलाछाप डॉक्टरों से इलाज करवाने में मजबूर हैं। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में चारों ओर झोलाछाप गैर पंजीकृत डाक्टरों का जाल सा फैला हुआ है। इन डॉक्टरों में से कुछ डॉक्टर दसवीं तक उत्तीर्ण नहीं हैं। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में बेखौफ रोगियों का इलाज कर रहे हैं। इस समय झोलाछाप डॉक्टर इलाज में इंजेक्शन देकर ग्लूकोस की ड्रिप लगाते हैं और विभिन्न प्रकार की दवाईयां गांव में ही उपलब्ध करा देते हैं। उपलब्ध करायी गई दवाईयों के दाम 3 से 4 गुना तक वसूले जाते हैं। मप्र उपचार ग्रह सोफ्चार पंजीयन 1973 के तहत प्रदेश में एलोपैथिक पद्वति भारतीय चिकित्सा पद्वति आयुर्वेद युनानी तथा होम्योपैथी को ही मान्यता है। इस पद्वति में पंजीकृत डॉक्टर को ही इलाज करने की पात्रता है समूचे ग्रामीण अंचलों में बगैर डिग्रीधारी फर्जी झोलाछाप डॉक्टर कुकुर मुत्ते की भांति बाढ़ सी आई हुई है। झोलाछाप डॉक्टर शासन द्वारा बनाये गये नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए जिले के स्वास्थ्य विभाग के शाखा प्रभारी से सांठगांठ कर क्षेत्र की भोलीभाली गरीब जनता को असामयिक काल के गाल में समाने भेज रहे हैं। सूत्रों की मानें तो अवैध रूप से प्रैक्टिस करने वाले झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ कार्यवाही के लिए स्वास्थ्य विभाग मप्र शासन द्वारा वर्ष 2008 से लगातार सभी जिले के अधिकारियों को निर्देशित करता रहा है लेकिन पैसों के दबाव के कारण ये अधिकारी बौना साबित हो रहे हैं। नियमों को ताक में रखकर शासन के साथ आंख मिचौली का खेल खेल रहे हैं।

झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ कार्यवाही न होने के कारण मप्र शासन के स्वास्थ्य आयुक्त ने सभी जिलों के कलेक्टर पुलिस अधीक्षक व स्वास्थ्य विभाग जिला अधिकारी को पत्र लिखकर फर्जी झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ सीधे कार्यवाही करने का आदेश पारित किए गए थे।

सरकारी दफ्तरों पर मनमानी, जनता परेशान

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्रमत)। जनपद पंचायत मोहगांव क्षेत्र के शासकीय कार्यालय समय पर नही खोले जा रहे हैं और न ही समय पर अधिकारी और कर्मचारी आ रहे हैं जिससे आम जनता परेशान हो गई है। ग्रामीणों के अनुसार मोहगांव जनपद मुख्यालय के विभिन्न विभागों में कर्मचारियों की उपस्थिति को लेकर लापरवाही देखने को मिल रही है आरोप है कि कुछ कार्यालय सुबह निर्धारित समय पर नहीं खुलते और कई जगह कर्मचारियों के 11 से 12 बजे तक पहुंचने की शिकायतें सामने आती हैं। वहीं कुछ कार्यालयों में दोपहर बाद ही कामकाज प्रभावित होने तथा निर्धारित समय से पहले ताले लग जाने की बात भी कही जा रही है ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है



लेकिन यदि कर्मचारी ही समय का पालन नहीं करेंगे तो आम जनता को सरकारी सेवाएं कैसे मिलेंगी लोगों ने इस स्थिति को प्रशासनिक व्यवस्था की निगरानी में कमी से जोड़ते हुए वरिष्ठ अधिकारियों से हस्तक्षेप मांग की है मोहगांव विकासखंड के अंतर्गत आने वाले दूरस्थ गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण अपने जरूरी काम कराने जनपद मुख्यालय पहुंचते हैं। कई लोगों को लंबी दूरी तय करने के लिए किराया खर्च करना पड़ता है और पूरे दिन की मजदूरी भी छोड़नी पड़ती है। इसके बावजूद संबंधित कर्मचारी के कार्यालय में नहीं मिलने पर उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ता है ग्रामीणों के मुताबिक कभी संबंधित बाबू के अनुपस्थित होने कभी अधिकारी के बैठक में रहने और कभी फील्ड में जाने की बात कहकर उन्हें दूसरे दिन आने के लिए कहा जाता है। इससे एक ही काम के लिए कई बार मुख्यालय आना पड़ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि कर्मचारियों के मुख्यालय में नियमित रूप से उपलब्ध नहीं रहने का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि मोहगांव के सभी शासकीय कार्यालयों की कार्यप्रणाली की समीक्षा कराई जाए। कार्यालयों में बायोमेट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित की जाए तथा देर से आने और बिना अनुमति अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों से स्पष्टीकरण लेकर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

आउटसोर्स कर्मचारियों ने खोला मोर्चा

मण्डला(स्वतंत्रमत)।



जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों सहित अन्य शासकीय कार्यालयों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर श्रम विभाग का दरवाजा खटखटाया है। आगामी दीपावली पर्व को देखते हुए मप्र राज्य आउटसोर्स कर्मचारी संघ के बैनर तले कर्मचारियों ने श्रम पदाधिकारी को अपनी मांगो को लेकर ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में मुख्य रूप से शासकीय कार्यालयों के कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों को दीपावली से पूर्व वेतन एवं बोनस का भुगतान सुनिश्चित कराने मांग की गई है जिलाध्यक्ष अशोक यादव के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में वेतन और बोनस भुगतान के साथ आउटसोर्स कर्मचारियों का बकाया पीएफ की प्राप्ति और वेतन वृद्धि का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया है। ज्ञापन में विगत 22 सितम्बर को दिए गए पूर्व ज्ञापन का भी हवाला दिया है। ज्ञापन में श्रम कानूनों का उल्लेख करते हुए बताया गया है कि पेमेंट ऑफ वेजेज एक्ट 1936 के तहत कर्मचारियों को माह की निर्धारित तिथि से पूर्व समयबद्ध वेतन प्राप्त करने का वैधानिक अधिकार प्राप्त है। इस दौरान आदर्श नंदा, विकेंद्र यादव, पहल सिंह, वैभव पुसाम, नरेश कुमार वरकड़े, देवराज चौधरी सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य सभी आउटसोर्स कर्मचारी उपस्थित रहे।

खुला नाला दे रहा हादसों को न्यौता



मण्डला/नारायणगंज (स्वतंत्रमत)।

क्षेत्र में विकास कार्यों के तहत जगह-जगह सीसी सड़क एवं नाली निर्माण कराए जा रहे हैं लेकिन निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और रखरखाव को लेकर समय-समय पर सवाल भी उठते रहे हैं। इसका एक उदाहरण जनपद पंचायत नारायणगंज के समीप स्थित क्षतिग्रस्त नाले के रूप में सामने आया है। नाले का खुला होना और उसमें से लोहे की सरिया बाहर निकलना राहगीरों के लिए खतरे का कारण बना हुआ है जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत नारायणगंज के समीप स्थित यह नाला कुछ दिन पहले भी इसी तरह खुला और क्षतिग्रस्त अवस्था में था। उस समय समाचार पत्रों में खबर प्रकाशित होने के बाद संबंधित जिम्मेदारों द्वारा मरम्मत कराकर नाले को ढंक दिया गया था। लेकिन अब एक बार फिर नाले की स्थिति खराब नजर आ रही है। इससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता और मरम्मत व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं गौरतलब है कि नारायणगंज तहसील मुख्यालय होने के साथ ही यहां कई विभागीय कार्यालय संचालित हैं। प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण कर्मचारी और आम नागरिक तहसील कार्यालय एवं लोक सेवा केंद्र पहुंचते हैं। ऐसे में इस मार्ग पर खुले और क्षतिग्रस्त नाले का होना किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है।

कबड्डी एवं वॉलीबॉल प्रतियोगिता

मण्डला(स्वतंत्र मत)। ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को पहचानने उन्हें प्रोत्साहित करने और खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में संचालित प्रोजेक्ट संधान के अंतर्गत गांव-गांव में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर की पहल पर संचालित इस विशेष अभियान के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को स्थानीय स्तर पर खेल का मंच उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद पंचायत मवई मुढ़िया रिचका में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वहीं मवई क्षेत्र में वॉलीबॉल प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। दोनों प्रतियोगिताओं में ग्रामीण खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी खेल प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन किया।



नारा पंचायत में भ्रष्टाचार होगी जांच

मण्डला(स्वतंत्र मत)। बिछिया जनपद की ग्राम पंचायत नारा के ग्रामीण पंचायत क्षेत्र में भ्रष्टाचार की जांच किए जाने की मांग कर रहे थे इस संबंध में क्षेत्रीय लोगों के द्वारा आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष पंकज सोनी से सम्पर्क किया गया। जिस पर पता चला कि आंगनवाड़ी बनी ही नहीं है और 6 लाख रूपये निकाल लिए गए और इस प्रकार से अनेक समस्याएं थी। जिला पंचायत द्वारा बनाए गए जांच दल के साथ ग्राम पंचायत नारा पहुंच कर ग्रामवासियों सरपंच सचिव के साथ बैठकर कार्यों का अवलोकन किया गया। अनेक त्रुटिया है जल्द ही इस भ्रष्टाचार का भंडाफोड़ होगा। युवाओं का कहना है कि हम आपके पास इसीलिए आए हैं क्योंकि बिछिया विधानसभा में कांग्रेस विधायक स्वयं है लेकिन उम्मीद नहीं है कि वो हमें न्याय दिलवा पाएं और बीजेपी की तो सरकार से तो लोगों को उम्मीद बची ही नहीं है। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष आनंद प्रकाश तिवारी विधानसभा उपाध्यक्ष बिछिया विनीत पटेल, प्रशांत पटेल एवं ग्राम वासी उपस्थित रहे।

प्रस्फुटन समितियों का प्रशिक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मप्र जन अभियान परिषद सेक्टर 3 के ग्राम गाजीपुर में नवांकुर संस्था अंतर्गत प्रस्फुटन शक्ति संचय अभियान के तहत ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का एक दिवसीय क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम ब्लाक समन्वयक संतोष कुमार झारिया, परामर्शदाता संतोष रजक, लालाराम चक्रवर्ती एवं नवांकुर संस्था सनातन वैदिक गुरूकुल एवं गौसंरक्षण समिति के कार्यक्रम समंवयक महेन्द्र सिंगौर की उपस्थिति में संपन्न हुआ यहां मां सरस्वती व भारत माता के तेल्यचित्र पर तिलक वंदन पूजन कर कार्यक्रम का शुरुआत किया गया अतिथियों का तिलक वंदन अध्यक्ष अनिकेत नंदा द्वारा किया गया। ग्रामीण जनों को नशा मुक्ति का संकल्प, ग्राम स्वच्छता, आदि कार्यों को किस तरह से कर सकते हैं यह विस्तार से बताया गया।

चकोर नदी के पास मिला 22 वर्षीय युवक का शव, करंट लगने से मौत की आशंका से मचा हड़कंप

घटनास्थल पर पड़ा मिला बिजली का ग्रिप, रात तक घर पर था युवक संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से उठे कई सवाल

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

नगर के वार्ड क्रमांक 15 दलदली मार्ग पर चकोर नदी के समीप एक 22 वर्षीय युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान वार्ड क्रमांक 15 निवासी किशन नंदा पिता पवन नंदा के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवक की मौत करंट लगने से होने की आशंका जताई जा रही है। बताया जाता है कि जिस स्थान पर युवक का शव मिला, वहां बिजली का ग्रिप भी पड़ा हुआ था। घटना रात की है अथवा अलसुबह की, इसकी जानकारी फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाई है। हैरानी



की बात यह है कि घटनास्थल के आसपास मृतक का कोई खेत भी नहीं है। परिजनों के अनुसार किशन रात तक अपने घर पर ही था। ऐसे में वह नदी किनारे सुनसान स्थान पर किन परिस्थितियों में पहुंचा, यह जांच का विषय बना हुआ है।

पुलिस ने शुरू की जांच, पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव

घटना की सूचना मिलते ही नैनपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मर्ग कायम किया तथा पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल नैनपुर भेजने की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस द्वारा मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

पूर्व के हत्या प्रकरण में भी आरोपी रहा था मृतक

जानकारी के अनुसार मृतक किशन नंदा का नाम कुछ वर्ष पूर्व कनोजिया टोला-बालाघाट सड़क मार्ग पर सिविल अस्पताल नैनपुर के सामने मैदान में हुए पवन उइके हत्याकांड में आरोपी के रूप में सामने आया था। हालांकि वर्तमान घटना का पुराने प्रकरण से कोई संबंध है या नहीं, इस संबंध में फिलहाल कुछ स्पष्ट नहीं है। युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर युवक नदी किनारे कैसे पहुंचा? घटनास्थल पर बिजली का ग्रिप किसका था? क्या वास्तव में करंट लगने से मौत हुई या घटना के पीछे कोई अन्य कारण है? इन सभी सवालों के जवाब पुलिस जांच के बाद ही सामने आ सकेंगे।

खेतों से मोटर पंप चोरी, कबाड़ियों की चांदी! चोरी का सामान खरीदने वालों पर कार्रवाई कब?

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। क्षेत्र में खेतों से मोटर पंप एंव विधुत सप्लाई केवल चोरीहोने की घटनाओं से किसान परेशान हैं, वहीं चोरी के सामान की खरीद-फरोख्त करने वाले कबाड़ियों की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। किसानों का आरोप है कि चोर खेतों से मोटर पंप और अन्य कृषि उपकरण चोरी कर रहे हैं तथा चोरी का सामान कबाड़ियों तक पहुंच रहा है। यदि चोरी के सामान की खरीद-फरोख्त पर सख्ती से निगरानी की जाए तो ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता है। किसानों द्वारा पुलिस में शिकायत किए जाने के बावजूद चोरी की घटनाओं का निराकरण नहीं होने से नाराजगी बढ़ रही है। सवाल यह है कि आखिर चोरी का सामान खरीदने वालों की जांच कब होगी? पुलिस प्रशासन कबाड़ी दुकानों पर बिकने वाले सामान की जांच कर चोरी के नेटवर्क का खुलासा क्यों नहीं करता? किसानों ने चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने, कबाड़ी दुकानों की जांच करने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

संपादकीय

भारत में संकटों का दौर

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ईरान पर बम गिराएंगे या नहीं अथवा मध्यावधि चुनाव के बाद हमलों का नया दौर शुरू करेंगे यह वह ही जानते हैं, क्योंकि ट्रंप भी मानसिक तौर पर अस्थिर राजनेता हैं। यह राष्ट्रपति ट्रंप का दिमागी फितूर, अहंकार और उनकी सनक है, जिसके मुताबिक वह फैसले लेते हैं। यूरोपीय देश जबरदस्त विरोध-प्रदर्शनों से धू-धू जल रहे हैं, दुनिया के अधिकतर देश सप्लाई चेन के टूटने के कारण 'त्राहिमाम' कर रहे हैं। यदि ईरान युद्ध का नया दौर शुरू हुआ, तो वह पहले से अधिक भयावह और विध्वंसक होगा, लिहाजा कच्चे तेल के दाम 150-200 डॉलर प्रति बैरल तक उछल सकते हैं, ऐसे अर्थशास्त्रियों और अनुभवी रक्षा विशेषज्ञों के आकलन हैं। 'इंडियन बॉस्केट' में कच्चा तेल करीब 120 डॉलर प्रति बैरल पड़ रहा है, जबकि बाजार के दाम 115 डॉलर को छू चुके हैं। भारत के लिए यह कई संकटों का दौर है। बेशक युद्ध बुनियादी कारण है, लेकिन कुदरत भी हमसे नाराज है। हमारी मुद्रा 'रुपए' का लगातार अवमूल्यन जारी है। विदेशी निवेश कम मिल रहा है। जिन विदेशी निवेशकों ने भारत के बाजार में निवेश किए थे, उन्होंने अक्टूबर माह में ही 48056 करोड़ रुपए निकाल लिए हैं। जनवरी से अब तक करीब 3.08 लाख करोड़ रुपए के निवेश निकाले जा चुके हैं। कच्चे तेल की कीमतें महंगी होने के कारण आयात बिल 11.25 लाख करोड़ रुपए से बढ़ कर करीब 20 लाख करोड़ रुपए हो सकता है। यह भुगतान डॉलर में करना पड़ता है, लिहाजा विदेशी मुद्रा भंडार भी प्रभावित होगा। भारत सरकार ने जो कर्ज ले रखा है, उस पर ब्याज ही 14 लाख करोड़ रुपए है। आखिर यह पैसा कहां से आएगा? ऐसे देश में कोई विदेशी निवेशक बड़ा निवेश क्यों करेगा? भारत सरकार के सूत्रधार यह स्वीकार करें अथवा न करें, हकीकत की एक बानगी तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पेश की है। उन्होंने किसानों से आग्रह किया है कि वे इस बार रबी की फसल न बोएं, क्योंकि वह पानी मुहैया नहीं करा सकते, पानी की घोर किल्लत है। पानी के भीषण संकट के कारण तेलंगाना के किसान 55 लाख हेक्टेयर में से 13 लाख हेक्टेयर भूमि पर खेती करना पहले ही छोड़ चुके हैं। किसानों ने अपना धंधा ही छोड़ दिया है और शहर में मजदूर बन रहे हैं। अब ई-100, अर्थात 100 फीसदी एथेनॉल वाली, कारों की घोषणा सरकार ने की है, लेकिन इस पर न तो अर्थशास्त्री और न ही विपक्ष आवाज उठा रहे हैं कि एथेनॉल और डाटा केंद्रों में कितना पानी बहाया जा रहा है? भारत में भयंकर सूखे के ऐसे हालात हैं कि महाराष्ट्र में 358 में से 305 और कर्नाटक में 240 में से 226 तालुका 'सूखाग्रस्त' घोषित किए जा चुके हैं। किसान आत्महत्याएं कर रहे हैं। कर्नाटक में 150 सालों का सूखे का सबसे भीषण संकट सामने है। यह कोई सामान्य तस्वीर नहीं है। महाराष्ट्र देश की नंबर वन और कर्नाटक तीसरे स्थान की अर्थव्यवस्था वाले राज्य हैं। सरकारें खाद्य-संकट से कैसे बचाएंगी? इसका सीधा असर कृषि पर पड़ेगा, जिस पर देश का 42 फीसदी कार्यबल आश्रित है। भारत जो कच्चा तेल और गैस खाड़ी देशों से लेता था, अब अमरीका से अंगोला जैसे देशों के सहारे है। बीते एक साल में अमरीका से एलएनजी का आयात 10 फीसदी से बढ़ कर 67 फीसदी पर पहुंच गया है। अमरीका से तेल-गैस मंगवाना 20 फीसदी महंगा पड़ रहा है। एसबीआई रिसर्च के मुताबिक, हालात ये हैं कि महंगाई की दर 6.45 फीसदी तक बढ़ सकती है। खाद्य महंगाई दर अभी 8 फीसदी से अधिक है। दिसंबर में रेपो रेट भी 5.5 से बढ़ कर 6 फीसदी हो सकता है। मार उस आम आदमी पर ही पड़ेगी, जो किस्तों में जिंदगी जी रहा है। अर्थशास्त्री मान रहे हैं कि इससे और महंगे तेल के कारण हमारा चालू खाता घाटा 2 फीसदी तक बढ़ सकता है। यह दौर सरकार की चुप्पी का नहीं है। आसार ऐसे उभर रहे हैं कि सरकार ने ठोस कदम नहीं उठाए, तो देश में कमोबेश यूरोप जैसे हालात बन सकते हैं!

पंचकूला की घटना, स्कूलों की जिम्मेदारी भी महत्वपूर्ण

किताबों और खिलौनों की उम्र में हिंसा का पाठ क्यों पढ़ रहे हैं बच्चे?



योगेश कुमार गोयल
(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)



बचपन को मासूमियत, निश्छलता, संवेदनशीलता और खिलखिलाती मुस्कान का पर्याय माना जाता है। बच्चों के हाथों में खिलौने अच्छे लगते हैं, पत्थर और ईंटें नहीं, उनकी आंखों में सपने अच्छे लगते हैं, किसी के प्रति नफरत और हिंसा नहीं। लेकिन जब 8-10 वर्ष की उम्र के बच्चे भी किसी दूसरे मासूम की जान लेने पर उतारू हो जाएं, तब सवाल केवल एक बच्चे के असामान्य व्यवहार का नहीं रह जाता बल्कि पूरे सामाजिक परिवेश, पारिवारिक संस्कारों, शिक्षा व्यवस्था और हमारी बदलती जीवनशैली का हो जाता है। हरियाणा के पंचकूला में छह साल की विशेष आवश्यकता वाली बच्ची पर तीसरी कक्षा के आठ वर्षीय छात्र द्वारा किया गया बर्बर हमला इसी भयावह वास्तविकता का आईना है। जब पंचकूला के सेक्टर-20 स्थित राजकीय संस्कृति मॉडल स्कूल में हुई इस हृदयविदारक घटना का वीडियो देखा तो मन बेहद विचलित हो उठा। आरोपी छात्र बच्ची को एक खाली कक्षा में ले गया, वहां उसके बाल पकड़कर घसीटा, बेंच पर सिर पटका, लातें मारी तथा ईंट, पत्थर और गमले से उसके सिर तथा चेहरे पर बार-बार प्रहार किए। करीब 96 सैकेंड तक चली इस हिंसा का दृश्य कक्षा में लगे सीसीटीवी कैमरे में दर्ज हुआ।

सबसे विचलित करने वाली बात यह है कि हमला करने वाला कोई व्यस्क अपराधी नहीं बल्कि 8 वर्ष का बच्चा है। यह घटना जितनी पीड़ित बच्ची के लिए भयावह है, उतनी ही उस बच्चे के मानसिक और सामाजिक विकास को लेकर भी गंभीर चिंता पैदा करती है। आखिर इतनी छोटी उम्र में किसी बच्चे के भीतर इतनी आक्रामकता कहां से आती है? क्या उसने हिंसा को सामान्य व्यवहार मान लिया है? क्या वह किसी के दर्द और असहायता को महसूस करने की क्षमता खो रहा है? और सबसे बड़ा सवाल यह कि हमारे घरों, स्कूलों और समाज में ऐसा क्या बदल रहा है कि बचपन की भाषा में प्रेम और संवेदना की जगह हिंसा प्रवेश करती जा रही है? उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज में जिस तरह बच्ची के असहाय हो जाने के बाद भी हमला जारी रहने की बात सामने आई है, वह सामान्य बाल-सुलभ झगड़े से कहीं अधिक गंभीर है।

इस घटना ने एक ऐसा प्रश्न हमारे सामने खड़ा किया है, जिससे मुंह मोड़ना अब संभव नहीं है कि आखिर बच्चों के मन में हिंसा के बीज कौन बो रहा है? बच्चों और किशोरों में हिंसक व्यवहार का कोई एक कारण नहीं होता। परिवार में हिंसा देखना, कठोर अथवा असंगत अनुशासन, भावनात्मक उपेक्षा, कमजोर अभिभावकीय निगरानी, साथियों का दबाव, सामाजिक अलगाव और व्यवहार पर नियंत्रण की कठिनाइयां इसके जोखिम को बढ़ा सकती हैं। सबसे पहले सवाल परिवारों से है। आज अनेक घरों में बच्चों को महंगे खिलौने, स्मार्टफोन, टैबलेट और मनोरंजन के तमाम साधन तो उपलब्ध करा दिए जाते हैं लेकिन उनके साथ बैठकर बातचीत करने, उनकी भावनाएं समझने और उनके व्यवहार को दिशा देने का समय लगातार कम होता जा रहा है। माता-पिता अपनी व्यस्तताओं में उलझे हैं और कई बार बच्चे अपनी भावनात्मक उलझनों के साथ अकेले रह जाते हैं। घर में माता-पिता के झगड़े, गाली-गलौज, मारपीट, अपमानजनक भाषा और छोटी-छोटी बातों पर हिंसक प्रतिक्रिया देखने वाले बच्चों के मन पर इसका गहरा प्रभाव पड़ सकता है। बच्चा वही सीखता है, जो अपने आसपास बार-बार देखता है। यदि घर में समस्या का समाधान संवाद से नहीं बल्कि चीखने, धमकाने और हाथ उठाने से होता है तो उसके लिए हिंसा धीरे-धीरे व्यवहार का स्वीकार्य तरीका बन सकती है।

दूसरा बड़ा सवाल डिजिटल दुनिया का है। मोबाइल फोन और इंटरनेट ने बच्चों के सामने ज्ञान और मनोरंजन के असंख्य अवसर खोले हैं लेकिन इसी दुनिया में हिंसक वीडियो, मारधाड़ वाले खेल, अपमानजनक सामग्री और आक्रामक व्यवहार को महिमामंडित करने वाले दृश्य भी मौजूद हैं। समस्या तब गंभीर हो जाती है, जब बच्चा बिना किसी निगरानी के घंटों ऐसी सामग्री देखता है और उसे यह समझाने वाला कोई नहीं होता कि पर्दे पर दिखाई जाने वाली हिंसा वास्तविक जीवन में किसी के शरीर, मन और अस्तित्व को कितनी गहरी चोट पहुंचाती है। तीसरी चिंता बच्चों में संवेदनशीलता और सहानुभूति के विकास की है। आज हम बच्चों को प्रतियोगिता में आगे निकलना, जीतना और दूसरों से बेहतर प्रदर्शन करना तो सिखा रहे हैं लेकिन हार स्वीकार करना, दूसरों की भावनाओं का सम्मान करना, कमजोर की मदद करना और क्रोध पर नियंत्रण रखना कितना सिखा रहे हैं? क्या स्कूलों में नैतिक शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों तक सिमट गई है? क्या बच्चों को यह समझाया जा रहा है कि किसी को चोट पहुंचाना बहादुरी नहीं, कमजोरी है? किसी दूसरे की पीड़ा देखकर मन में करुणा पैदा होना ही मानवीय संवेदना का आधार है। यदि यही संवेदना विकसित नहीं होगी तो शिक्षा की बड़ी-बड़ी डिग्रियां भी सभ्य समाज की गारंटी नहीं बन सकतीं।

यहां स्कूलों की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। पंचकूला की घटना ने सीसीटीवी कैमरों की मौजूदगी और वास्तविक निगरानी के बीच के अंतर को उजागर किया है। कैमरे लगे होना सुरक्षा नहीं है, उनकी सतत निगरानी, समय पर हस्तक्षेप और जवाबदेही ही सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। सवाल है कि एक छह साल की बच्ची स्कूल परिसर में एक अन्य छात्र के साथ ऐसी स्थिति में कैसे पहुंच गई, जहां उस पर लगातार हमला होता रहा और किसी शिक्षक या कर्मचारी को समय रहते इसकी जानकारी नहीं मिली? यदि स्कूल में शिक्षकों की कमी थी, एक शिक्षक को कई कक्षाओं की जिम्मेदारी संभालनी पड़ रही थी अथवा ड्यूटी व्यवस्था में कोई खामी थी तो यह भी जांच का विषय है।

यह पहली घटना नहीं है, जब स्कूलों में बच्चों के बीच हिंसा ने पूरे देश को झकझोरा हो। वर्ष 2017 में गुरुग्राम के रेयान इंटरनेशनल स्कूल में सात वर्षीय प्रद्युम्न ठाकुर की हत्या, 2018 में दिल्ली के एक सरकारी स्कूल में चाकूबाजी, 2019 में तमिलनाडु के कोडईकनाल में क्रिकेट विवाद के बाद छात्र की हत्या, 2021 में छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में छात्र की चाकू मारकर हत्या, 2025 में अहमदाबाद में छात्र की हत्या और 2026 में सूरत में स्कूल परिसर में चाकूबाजी जैसी घटनाएं अलग-अलग समय पर सामने आ चुकी हैं। इन सभी मामलों की परिस्थितियां अलग हैं लेकिन एक बात समान है कि स्कूल, जिन्हें बच्चों के लिए सबसे सुरक्षित स्थान होना चाहिए, वहां भी हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं। अब समय आ गया है कि सरकार और शिक्षा विभाग स्कूलों की सुरक्षा को केवल औपचारिक निरीक्षण और कागजी दिशा-निर्देशों तक सीमित न रखें। प्रत्येक स्कूल में पर्याप्त शिक्षक, प्रशिक्षित काउंसलर, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए प्रशिक्षित सहयोगी कर्मचारी, संवेदनशील स्थानों पर सतत निगरानी और शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की व्यवस्था होनी चाहिए। प्रत्येक बच्चे की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों और प्रशासन की जवाबदेही तय होनी चाहिए। अभिभावकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। बच्चों के व्यवहार में अचानक आक्रामकता, दूसरों को चोट पहुंचाने की प्रवृत्ति, क्रोध पर नियंत्रण न रहना, पश्चाताप का अभाव, जानवरों अथवा कमजोर बच्चों के प्रति करूरता जैसे संकेतों को सामान्य शरारत समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। बच्चों को दंडित करने के बजाय उनकी भावनाओं को समझना, उन्हें अपनी बात कहने का अवसर देना और प्रेम के साथ स्पष्ट अनुशासन सिखाना जरूरी है। खेलकूद, रचनात्मक गतिविधियां, सामूहिक सहभागिता और सामाजिक सेवा जैसी गतिविधियां भी उनमें सहयोग, धैर्य और सहानुभूति विकसित कर सकती हैं। पंचकूला की घटना हमें एक कठोर सच्चाई से रूबरू कराती है कि बच्चों का भविष्य केवल अच्छे स्कूल, महंगी शिक्षा, आधुनिक तकनीक और बेहतर सुविधाओं से सुरक्षित नहीं हो सकता। उसके लिए अच्छे संस्कार, भावनात्मक सुरक्षा, मानवीय संवेदना और जिम्मेदार अभिभावक भी उतने ही आवश्यक हैं। जिस समाज में बच्चे दूसरों का दर्द महसूस करना भूलने लगें, वहां विकास के तमाम दावे खोखले साबित होने लगते हैं।

आज सबसे बड़ा सवाल यह नहीं कि पंचकूला में एक 8 वर्षीय बच्चे ने 6 साल की बच्ची पर हमला क्यों किया बल्कि यह है कि हम ऐसी नौबत आने से पहले क्या कर रहे थे और भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकने के लिए क्या करेंगे? जिस उम्र में बच्चों को अक्षर ज्ञान, दोस्ती, खेल और मानवीय रिश्तों का अर्थ समझना चाहिए, उस उम्र में यदि उनके हाथों में ईंट और पत्थर दिखाई देने लगें तो यह केवल एक परिवार या स्कूल की विफलता नहीं बल्कि हमारी सामूहिक सामाजिक चेतना की पराजय है। हमें तय करना होगा कि बच्चों को केवल प्रतियोगिता में जीतना सिखाना है या इंसानियत के साथ जीना भी क्योंकि बचपन यदि हिंसक हो गया तो भविष्य सभ्य कैसे होगा? और यदि स्कूलों में बच्चे सुरक्षित नहीं तो फिर उनके सुरक्षित भविष्य की गारंटी कौन देगा?

नतीजे तय करेंगे दुनिया की दिशा: मध्यावधि चुनाव जंग की दिशा तय कर सकता है, ट्रंप का शेष कार्यकाल

महेंद्र वेद

अमेरिका के लाखों मतदाताओं ने मध्यावधि चुनाव में अपने मताधिकार का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। इन चुनावों के नतीजे न केवल ट्रंप प्रशासन के बाकी दो वर्षों की राजनीतिक दिशा करने वाले हैं, बल्कि दुनिया को प्रभावित कर रहे दो युद्धों के भविष्य पर भी असर डाल सकते हैं। वैश्विक समुदायज्ञ अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षक इस पर नजर रख रहे हैं कि अगर ट्रंप कांग्रेस या प्रतिनिधि सभा या दोनों पर अपना नियंत्रण खो देते हैं, तो अमेरिका के बाहर इसके क्या आर्थिक और सैन्य प्रभाव पड़ सकते हैं।

विश्लेषकों का मानना है कि विपक्षी डेमोक्रेट्स, भले ही भारी जीत हासिल न कर सकें, लेकिन वे चुनाव में आगे रह सकते हैं। प्रतिनिधि सभा जीतने के मामले में उनका पलड़ा भारी है, पर सीनेट की कई कड़े मुकाबले वाली सीटों से यह तय हो सकता है कि कांग्रेस पर किसका नियंत्रण होगा। प्रतिनिधि सभा की सभी 435 सीटों और सीनेट की 35 सीटों के लिए मतदान हो रहे हैं। हालांकि, ट्रंप यूक्रेन के युद्ध पर कोई असर डालने में नाकाम रहे, लेकिन ईरान का युद्ध उनके प्रति लोगों के समर्थन को पलटने वाला सबसे बड़ा कारक बनकर उभरा है। चुनावों से पहले हुए सर्वे बताते हैं कि उनकी लोकप्रियता काफी घट गई है। ट्रंप की कूटनीति और बल प्रयोग पूरी तरह विफल रही हैं। उनकी विश्वसनीयता खत्म हो चुकी है। मतदान से कुछ घंटे पहले उन्होंने कहा कि ईरान के साथ युद्ध 'बहुत जल्द खत्म हो जाएगा'। उन्होंने चेतावनी दी कि या तो तेहरान कोई समझौता कर ले, वरना 'हम इसे खुद ही खत्म कर देंगे'। लेकिन, ईरान काफी उत्साहित है। उसने घोषणा की कि होर्मुज की खाड़ी में दो और तेल टैंकरों को 'बारूदी सुरंगों से निशाना' बनाया गया है। साथ ही, चेतावनी दी कि अमेरिका के साथ कोई भी नया युद्ध पिछले संघर्ष की तुलना में लंबा खिंच सकता है, और अमेरिकी राष्ट्रपति तय नहीं करेंगे कि यह युद्ध कितने समय तक चलेगा। जहां तक यूक्रेन का सवाल है, अमेरिका में डीजल की ऊंची कीमतों को काबू में करने के लिए ट्रंप द्वारा रूस से डीजल की खरीद ने पुतिन की स्थिति को मजबूत किया है। इसी तरह, भारत पर ज्यादा से ज्यादा डीजल रिफाइन करने का दबाव डालने से ट्रंप प्रशासन की उस आलोचना की पोल भी खुल गई है, जिसमें कहा गया था कि रूस से तेल खरीदकर भारत, पुतिन के यूक्रेन युद्ध में 'मदद' कर रहा है। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के पहले हिस्से में दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाएं डगमगा गई हैं और अमेरिका ने अपने दोस्त सहयोगी खो दिए हैं। अमेरिकी मतदाताओं की तरह, वे भी शायद मध्यावधि चुनावों के नतीजों का ही इंतजार कर रहे हैं। वेनेजुएला का तेल हथियाने के लिए वहां की सत्ता बदलने के लिए दबाव डालना चिंता का विषय बन गया है। इस्राइल में राजनीतिक गतिरोध भी ट्रंप के लिए एक निराशाजनक बात है।

हालांकि, पहले भी मध्यावधि चुनावों में राष्ट्रपति की पार्टी को अक्सर कांग्रेस की सीटें गंवानी पड़ती थीं। अगर ट्रंप चुनाव हार जाते हैं, तो उनका प्रशासन गतिरोध और कड़ी जांच के घेरे में आ जाएगा। यही नहीं, उन पर महाभियोग चलाने को लेकर एक लंबी विधायी लड़ाई छिड़ने का खतरा है। ट्रंप के विधायी एजेंडे पर असर पड़ेगा, जिससे टैक्स में कटौती और राहत की गुंजाइश सीमित हो जाएगी। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेतृत्व वाली कांग्रेस द्वारा पारित विधेयकों को रोकने के लिए ट्रंप संभवत: अपने राष्ट्रपति के वीटो अधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इससे सरकारी खर्च, अर्थव्यवस्था और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर गतिरोध पैदा हो सकता है। ट्रंप संभवत: आव्रजन, व्यापार और ऊर्जा के क्षेत्रों में अपनी प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने के लिए एकतरफा कार्यकारी आदेशों, नियामक कदमों और प्रशासनिक उपायों पर अधिक निर्भर रहेंगे। ट्रंप ने टैरिफ और व्यापार विवादों के मामले में अपने कार्यकारी अधिकारों का भरपूर इस्तेमाल किया है। भारत ने विपरीत परिस्थितियों में भी पूरी शालीनता के साथ इन झटकों को झेला है। चीन ने एक ताकतवर नेता की तरह खामोशी साधे रखी है। लेकिन, कनाडा और अन्य व्यापारिक साझेदारों के साथ टकराव बना हुआ है। अमेरिकी संसद में डेमोक्रेट्स का दबदबा होने के बावजूद ट्रंप ने उन व्यापक कार्यकारी शक्तियों का इस्तेमाल किया है, जो अमेरिकी राष्ट्रपति को हासिल हैं। चाहे वह चुनाव जीतें या हारें, यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। घरेलू विरोध, जांच-पड़ताल और विदेशी मामलों को लेकर कांग्रेस की तीखी पूछताछ से परेशान होकर, ट्रंप अपने पारंपरिक सहयोगियों के खिलाफ बयानबाजी और तेज कर सकते हैं। साथ ही, वे उनसे बोझ साझा करने या एकतरफा रियायतें देने की मांग भी कर सकते हैं। देश के भीतर कमजोर होती स्थिति उन्हें विदेश में जल्दी और चर्चित 'जीत' हासिल करने के लिए प्रेरित कर सकती है, ताकि खबरों का रुख बदला जा सके। देश में कमजोर होने पर वह अमेरिका की आर्थिक और सैन्य ताकत का इस्तेमाल उन संघर्षों को प्रभावित करने के लिए शायद न कर पाएं, जिनमें वह प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हैं। खाड़ी क्षेत्र के कई संघर्षों और रूस-यूक्रेन युद्ध में यह दौर पहले ही शुरू हो चुका है।

अगर ट्रंप चुनाव हार जाते हैं, तो क्या वह फिर से 'मामले को जनता के बीच ले जाने' की कोशिश करेंगे? अमेरिकी अध्ययन की विशेषज्ञ लॉरिक हेनेटॉन ने फ्रांसीसी दैनिक ले मोंडे में लिखा है- 'संभावना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति तीन नवंबर के मध्यावधि चुनावों को 'चुरा' नहीं पाएंगे। हालांकि, वह चुनाव की वैधता पर सवाल उठाने वाली बात को फिर से हवा देंगे, ताकि 2028 के राष्ट्रपति चुनाव को बदले की लड़ाई में बदला जा सके।' उनका निष्कर्ष है- 'ट्रंप के पास मध्यावधि चुनावों में बाधा डालने के कई तरीके हैं, लेकिन हार को जीत में बदलने के साधन बहुत कम हैं।'

जीवन को समझने की जल्दबाजी मत कीजिए: प्रकृति जटिलता और मनुष्य के मन की परतें अनगिनत

ज्योति भास्कर

युगों-युगों से मनुष्य एक ऐसे प्रश्न का उत्तर खोजता रहा है, जिसके पीछे उसने अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा व्यतीत कर दिया। वह प्रश्न है, आखिर इस जीवन का अर्थ क्या है? हमारे अस्तित्व का उद्देश्य क्या है? और क्या कोई ऐसी दिशा है, जिसे अपनाने से हमारा जीवन सार्थक बन सकता है?



जब से मनुष्य ने अपने आसपास की दुनिया को समझना शुरू किया, तब से उसने अपने जीवन को कोई न कोई उद्देश्य देने की कोशिश की है। धीरे-धीरे उसे यह एहसास हुआ कि यदि उसके विचारों, कर्मों और इच्छाओं को कोई दिशा मिल जाए, तो उसके भीतर छिपी असाधारण शक्तियां जाग सकती हैं। एक विचार उसे पर्वतों के पार पहुंचा सकता है और एक सपना पूरी सभ्यता की दिशा बदल सकता है। लेकिन, इसी शक्ति के भीतर एक भयावह संभावना भी छिपी हुई है। जीवन के अर्थ को समझने के लिए मनुष्य ने अलग-अलग युगों में अलग-अलग उत्तर खोजे हैं। किसी ने धर्म में मुक्ति देखी, किसी ने विज्ञान में सत्य तलाशा, तो किसी ने प्रेम, त्याग और सेवा को सबसे बड़ी उपलब्धि माना। इन तमाम विचारों के साथ ऐसे लोग भी पैदा हुए, जिन्हें अपने उत्तर पर इतना विश्वास था कि वे दूसरों के उत्तरों को स्वीकार करने के लिए तैयार ही नहीं थे।

चिंतन

इतिहास इस बात का साक्षी है कि जब किसी विचार को अंतिम सत्य मान लिया जाता है, तो उसके नाम पर कितनी भयावह घटनाएं घट सकती हैं। जिन विश्वासों ने लोगों को एकजुट करने का दावा किया, उन्हीं के कारण कई बार समाज बंटे, युद्ध हुए और असंख्य लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। विडंबना यह है कि मनुष्य की उपलब्धियों और उसकी सबसे बड़ी त्रासदियों, दोनों के पीछे उसकी विचार करने, विश्वास करने और किसी उद्देश्य के लिए एकजुट होने की क्षमता ही रही है। शायद इतिहास की घटनाओं से ही हमें मनुष्य की शक्तियों का वास्तविक विस्तार समझ में आता है। लेकिन, क्या इसका अर्थ यह है कि हमें जीवन के अर्थ की खोज ही छोड़ देनी चाहिए? शायद नहीं। जरूरत इस बात की है कि हम अपने विचारों और विश्वासों को अंतिम और निर्विवाद सत्य न मानें।

हमें यह समझने की कोशिश करनी चाहिए कि दूसरों के पास भी जीवन और अस्तित्व को देखने के अपने तर्क, अनुभव और दृष्टिकोण हो सकते हैं। जब हम प्राचीन ज्ञान के साथ-साथ आधुनिक विज्ञान, ब्रह्मांड की विशालता, प्रकृति की जटिलता और मनुष्य के मन की अनगिनत परतों को भी ध्यान में रखते हैं, तो एक ईमानदार स्वीकारोक्ति सामने आती है कि हम अभी बहुत कुछ नहीं जानते। तब हम अपने अस्तित्व के बारे में प्रश्न पूछ सकते हैं, नई संभावनाओं की कल्पना कर सकते हैं और प्रमाणों के सहारे अपनी समझ को बेहतर बना सकते हैं। और, शायद यहीं से एक नई शुरुआत होती है।

आजम खान की गिरफ्तारी: कानून का तकाजा या सियासी टकराव का नया अध्याय?

सौरभ वार्ष्णेय

जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद आजम खान को गाजियाबाद की विशेष पीएमएलए अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उन्हें डासना जेल में रखा जाएगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब उनसे पुलिस कस्टडी में पूछताछ के लिए रिमांड लेने की तैयारी कर रहा है। जांच एजेंसी का आरोप है कि जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण और उसके वित्तीय प्रबंधन में सरकारी धन के कथित दुरुपयोग तथा वित्तीय अनियमितताओं की आशंका है। आजम खान की गिरफ्तारी ने एक बार फिर देश की राजनीति में जांच एजेंसियों की भूमिका, राजनीतिक जवाबदेही और कानून के निष्पक्ष इस्तेमाल को लेकर बहस छेड़ दी है।

लोकतंत्र में कानून का शासन सर्वोपरि होता है। किसी व्यक्ति का राजनीतिक कद कितना भी बड़ा क्यों न हो, यदि उसके विरुद्ध वित्तीय अनियमितताओं या भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं तो जांच होनी चाहिए। सार्वजनिक जीवन में रहने वाले व्यक्तियों की जवाबदेही आम नागरिकों से कम नहीं, बल्कि अधिक होनी चाहिए। लेकिन इसके साथ ही यह भी उतना ही आवश्यक है कि जांच की प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और संविधान की मर्यादाओं के अनुरूप हो। किसी व्यक्ति को राजनीतिक पहचान के आधार पर न तो अपराधी माना जा सकता है और न ही राजनीतिक सहानुभूति के आधार पर आरोपों से मुक्त किया जा सकता है।

आजम खान उत्तर प्रदेश की राजनीति का एक चर्चित और प्रभावशाली चेहरा रहे हैं। रामपुर की राजनीति से राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बनाने वाले आजम खान समाजवादी पार्टी के प्रमुख नेताओं में शामिल रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और सांसद के रूप में उनकी राजनीतिक भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उनके विरुद्ध दर्ज विभिन्न मुकदमों और कानूनी कार्रवाइयों ने उनके राजनीतिक जीवन को लगातार प्रभावित किया है। अब जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की कार्रवाई ने उनके सामने एक नई कानूनी चुनौती खड़ी कर दी है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि आजम खान लगभग 11 महीने जेल में रहने के बाद शनिवार को रामपुर जेल से बाहर आए थे। लेकिन उनकी रिहाई की खुशी अधिक समय तक नहीं टिक सकी और प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें दूसरे मामले में हिरासत में ले लिया। रविवार को गाजियाबाद की विशेष अदालत ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अब ईडी उनसे जौहर यूनिवर्सिटी की स्थापना, उसके निर्माण में इस्तेमाल धन, फंडिंग के स्रोत और कथित मनी ट्रेल के संबंध में पूछताछ करना चाहती है। यह पूरा घटनाक्रम कई गंभीर सवाल खड़े करता है।

सबसे पहला सवाल जौहर यूनिवर्सिटी के वित्तीय प्रबंधन का है। किसी भी शैक्षणिक संस्थान की स्थापना और संचालन के लिए धन की आवश्यकता होती है। यदि किसी संस्थान को सरकारी सहायता, निजी दान या अन्य वित्तीय स्रोतों से धन मिला है तो उसका पूरा हिसाब-किताब सार्वजनिक और कानूनी मानकों के अनुरूप होना चाहिए। आखिर धन कहां से आया, किस उद्देश्य से प्राप्त हुआ और उसका उपयोग किन कार्यों में किया गया? इन सवालों का जवाब दस्तावेजों और वित्तीय साक्ष्यों के आधार पर सामने आना चाहिए। यदि सरकारी धन के दुरुपयोग या अवैध लेन-देन के प्रमाण मिलते हैं तो दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन केवल आरोपों के आधार पर किसी को दोषी ठहराना न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध होगा।

दूसरा महत्वपूर्ण प्रश्न जांच एजेंसियों की निष्पक्षता और उनकी कार्यप्रणाली से जुड़ा है। पिछले कुछ वर्षों में विपक्षी दलों के अनेक नेताओं पर केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर राजनीतिक विवाद सामने आते रहे हैं। विपक्ष अक्सर आरोप लगाता है कि जांच एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को दबाने के लिए किया जा रहा है, जबकि सरकार और जांच एजेंसियां इन कार्रवाइयों को कानून के तहत की गई जांच बताती हैं। ऐसे में जनता के मन में उठने वाले संदेहों को दूर करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। इसका सबसे प्रभावी तरीका यही है कि जांच एजेंसियां अपने प्रत्येक कदम को ठोस साक्ष्यों और कानूनी प्रक्रिया के आधार पर उचित ठहराएं।

आजम खान के मामले में भी समाजवादी पार्टी की ओर से राजनीतिक प्रतिशोध के आरोप लगाए जा सकते हैं, लेकिन इन आरोपों की सत्यता का फैसला अदालत और उपलब्ध साक्ष्य ही करेंगे। इसी तरह ईडी के आरोपों को भी अंतिम न्यायिक निष्कर्ष नहीं माना जा सकता। जांच और मुकदमे के बीच अंतर समझना जरूरी है। न्यायिक हिरासत में भेजे जाने का अर्थ दोष सिद्ध होना नहीं है। भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को निष्पक्ष सुनवाई और कानूनी बचाव का अधिकार देता है। आजम खान को भी यह अधिकार पूरी तरह मिलना चाहिए।

इस प्रकरण का एक व्यापक पक्ष शिक्षा और सार्वजनिक संस्थानों की विश्वसनीयता से भी जुड़ा है। जौहर यूनिवर्सिटी जैसे संस्थान केवल किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं होते, बल्कि उनसे हजारों विद्यार्थियों और कर्मचारियों का भविष्य जुड़ा होता है। यदि वित्तीय अनियमितताओं के कारण किसी विश्वविद्यालय की गतिविधियां प्रभावित होती हैं तो सबसे अधिक नुकसान विद्यार्थियों को उठाना पड़ता है। इसलिए जांच के दौरान यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि शिक्षा व्यवस्था और विद्यार्थियों के हित अनावश्यक रूप से प्रभावित न हों।

राजनीतिक दलों को भी इस मामले में संयम बरतने की जरूरत है। सत्ता पक्ष को जांच को अपनी राजनीतिक उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करने से बचना चाहिए और विपक्ष को भी हर कानूनी कार्रवाई को राजनीतिक साजिश बताकर खारिज नहीं करना चाहिए। लोकतंत्र में न तो जांच एजेंसियां किसी सरकार की निजी संस्था हैं और न ही राजनीतिक नेता कानून से ऊपर हैं। इसी तरह सरकार को भी यह अधिकार नहीं दिया जा सकता कि वह जांच के नाम पर किसी नागरिक के संवैधानिक अधिकारों की अनदेखी करे।

आजम खान का मामला केवल एक नेता की गिरफ्तारी या जेल भेजे जाने तक सीमित नहीं है। यह देश की न्याय

खैबर पख्तूनख्वा में पोलियो कर्मियों की सुरक्षा में तैनात दो पुलिसकर्मियों की हत्या, 4 स्वास्थ्यकर्मी अगवा



इस्लामाबाद

पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मंगलवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने पोलियो टीकाकरण टीम की सुरक्षा में तैनात पुलिस दल पर हमला कर दिया। इस हमले में दो पुलिसकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हो गया।

जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) रजा खान के अनुसार, पुलिस का एक दल याख डांड गांव की ओर जा रहा था ताकि वहां पोलियो ड्रॉप पिलाने वाली टीम को सुरक्षा दी जा सके। इसी दौरान मोहमंद जिले की पिंडियाली तहसील में अज्ञात हमलावरों ने पुलिस दल पर घात लगाकर अंधाधुंध गोलियां चला दीं।

घायल जवान और मृतकों के शवों को घलनाई के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है।

प्रांत में हुई एक अन्य घटना में, टांक जिले से अज्ञात हथियारबंद लोगों ने मंगलवार को चार पोलियो कार्यकर्ताओं का अपहरण कर लिया। स्थानीय पुलिस अधिकारी अब्दुल समद खान ने बताया कि बंदूकधारियों ने इन कार्यकर्ताओं को बंधक बनाया और किसी अज्ञात स्थान पर ले गए।

सुरक्षा बलों ने अगवा स्वास्थ्यकर्मियों को सुरक्षित छुड़ाने के लिए आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान शुरू किया है। फिलहाल किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, हालांकि पहले प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और उससे जुड़े गुट पोलियो टीमों को निशाना बनाते रहे हैं।

यह हमला 27 जिलों में 48 लाख से अधिक बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाने के चार दिवसीय अभियान के पहले दिन हुआ। इस अभियान के लिए 20772 टीमें तैनात की गई हैं, जिनकी सुरक्षा में लगभग 30000 सुरक्षाकर्मी लगे हुए हैं।

खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंडी ने दोनों घटनाओं की कड़ी निंदा की और मारे गए जवानों के प्रति दुख जताया। उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षित वापसी की अपील की।

1 नवंबर को ही खैबर जिले में पोलियो का एक नया मामला सामने आया था, जिससे इस साल देश में मामलों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है।

दक्षिण एशिया आतंकवाद पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार, 2020 से अब तक इस प्रांत में पोलियो टीमों पर कम से कम 47 हमले हो चुके हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, पाकिस्तान और अफगानिस्तान दुनिया के केवल ऐसे दो देश बचे हैं जहां पोलियो का संक्रमण अब भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है।

महाशक्तियों का अखाड़ा न बने पश्चिम एशिया, चिनफिंग ने दिया ट्रंप को संदेश

नई दिल्ली



ईरान पर अमेरिका और इजरायल के संभावित नए हमलों की चर्चाओं के बीच चीन ने पश्चिम एशिया में तनाव कम करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। रायटर के अनुसार, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने सोमवार को पहली आधिकारिक यात्रा पर चीन पहुंचे ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक अल-सैद से मुलाकात के बाद कहा कि पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र को बड़ी ताकतों की प्रतिद्वंद्विता का अखाड़ा नहीं बनना चाहिए।

उन्होंने क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने के लिए अरब देशों के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता में चीन गारंटर की भूमिका में आ रहा है। ऐसे में चिनफिंग का बयान ट्रंप के लिए बड़ा संदेश माना जा रहा है।

चीन के विदेश मंत्रालय के अनुसार, शांति की पहल को आगे बढ़ाने के लिए चीन के विशेष दूत झाई जून इसी महीने ईरान, ओमान और सऊदी अरब का दौरा भी करेंगे। बता दें कि वर्ष 1978 में चीन और ओमान के बीच राजनयिक संबंध स्थापित होने के बाद किसी ओमानी राष्ट्राध्यक्ष की यह पहली चीन यात्रा है।

चीन के विदेश मंत्रालय के अनुसार, शी ने कहा कि दुनिया बड़े बदलावों के दौर से गुजर रही है और क्षेत्रीय शांति बनाए रखने के लिए सभी पक्षों को मिलकर प्रयास करने होंगे। उन्होंने युद्ध रोकने और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों का समाधान निकालने में चीन की भूमिका निभाने की इच्छा भी जताई।

चीन और ओमान ने 20 बिंदुओं वाले संयुक्त बयान में होर्मुज स्ट्रेट से सामान्य और सुरक्षित आवाजाही बहाल करने की जरूरत पर सहमति जताई। दोनों देशों ने अमेरिका और ईरान से शांतिपूर्ण रास्ता अपनाने, संघर्ष खत्म करने के लिए जून में हुए समझौते पर लौटने और बातचीत फिर शुरू करने की अपील की। ईरान के उप सुरक्षा प्रमुख अली बाघेरी कानी ने भी चीन का दौरा किया। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने उनसे मुलाकात की और ईरान की संप्रभुता और सुरक्षा का समर्थन करते हुए सभी पक्षों से राजनीतिक समाधान तलाशने की अपील की।

ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने अमेरिका के साथ चल रहे संघर्ष को बातचीत से सुलझाने का आदेश दिया

तेहरान (वार्ता)। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका के साथ चल रहे संघर्ष को बातचीत से सुलझाने का आदेश दिया है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन ने सोमवार को यह जानकारी दी। श्री पेज़ेशकियन ने कहा, हम इस मुद्दे को बातचीत से सुलझाना चाहते हैं। इसके लिए सर्वोच्च नेता ने सरकार को इस मामले में ज़रूरी अधिकार भी दिए हैं।उल्लेखनीय है कि गत 28 फरवरी को अमेरिका और इज़रायल ने ईरान पर हमला करना शुरू कर दिया, जिसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की। युद्ध शांति के बावजूद यह अभी भी सुलझा नहीं है, और इसके फिर से शुरू होने का खतरा है। संघर्ष के बढ़ने से होर्मुज जलमार्ग से जहाजों का परिवहन लगभग रुक गया है, जो दुनिया भर में तेल, पेट्रोलियम उत्पाद और लिक्विफाइड नेचुरल गैस की आपूर्ति का एक अहम रास्ता है। इस वजह से, ज़्यादातर देशों में तेल की कीमतें बढ़ गई हैं।

सोमालिया तट के पास समुद्री लुटेरों से भारतीय नौसेना ने छुड़ाया जहाज, चालक दल सुरक्षित

नयी दिल्ली, (वार्ता)



भारतीय नौसेना ने सोमालिया के उत्तर-पूर्वी तट के पास समुद्री लुटेरों के कब्जे से मछली पकड़ने वाले जहाज अजिनी को सफलतापूर्वक छुड़ा लिया।नौसेना के प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि 48 घंटे से अधिक चले अभियान में जहाज पर सवार चालक दल के सभी 20 सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया। इस कार्रवाई में किसी के हताहत या घायल होने की खबर नहीं है।नौसेना के अनुसार, पिछले महीने की शुरुआत में हथियारबंद समुद्री लुटेरों ने जहाज का अपहरण कर लिया था। आशंका थी कि लुटेरे इसका इस्तेमाल दूसरे व्यापारिक जहाजों पर हमले के लिए कर सकते हैं।

सूचना मिलने पर भारतीय नौसेना ने एक युद्धपोत और समुद्री निगरानी विमान को अभियान में लगाया। लगातार निगरानी के बाद जहाज का पता लगाया गया और उसकी आवाजाही रोकने के लिए कदम उठाए गए। इसके बाद भारतीय वायुसेना के सी-17 विमान से मरीन कमांडो को सटीक तरीके से उतारा गया।नौसेना के कमांडो ने कार्रवाई कर जहाज को अपने नियंत्रण में लिया और समुद्री लुटेरों के खतरे को खत्म करते हुए सभी 20 लोगों को सुरक्षित छुड़ा लिया। नौसेना ने इस अभियान को अपनी तैयारी और तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल का उदाहरण बताया है।

डोभाल ने वियतनाम के नेताओं से सुरक्षा और खुफिया सहयोग पर की चर्चा

नयी दिल्ली,(वार्ता)



राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने भारत और वियतनाम के बीच सुरक्षा और खुफिया जानकारी साझा करने में सहयोग मजबूत करने पर वियतनाम के नेताओं के साथ चर्चा की है।

विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि श्री डोभाल सोमवार से वियतनाम की दो दिन की यात्रा पर हैं। उन्होंने वियतनाम के सुरक्षा मंत्री और कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के पोलित ब्यूरो सदस्य जनरल लुओंग टैम क्वांग से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने कानून व्यवस्था, साइबर सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा और आर्थिक सुरक्षा के क्षेत्रों में चल रहे सहयोग पर चर्चा की। साथ ही, इन क्षेत्रों में एक-दूसरे की क्षमता बढ़ाने पर सहमति जताई।

श्री डोभाल ने वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव और राष्ट्रपति तो लाम से भी मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से उन्हें शुभकामनाएं दीं। इसके अलावा श्री डोभाल ने वियतनाम के उपप्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री जनरल फान वान जियांग तथा विदेश मंत्री ले होई चुंग से भी मुलाकात की। दोनों नेता वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के पोलित ब्यूरो के सदस्य हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने हनोई के ऐतिहासिक क्वान सु पैगोडा का भी दौरा किया। यह वियतनाम के राष्ट्रीय बौद्ध संघ का मुख्यालय है।भारत और वियतनाम के बीच 2027 में राजनयिक संबंधों की स्थापना के 55 साल पूरे होंगे। दोनों देशों के बीच भारत-वियतनाम उन्नत व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत हुए सहयोग की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

मुरासु से प्रभावित आंध्र को केंद्र की हरसंभव मदद का भरोसा दिया शाह ने

नयी दिल्ली, (वार्ता)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को चक्रवाती तूफान मुरासु से प्रभावित आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से फोन पर बात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को आश्वस्त किया कि केंद्र सरकार तूफान प्रभावित लोगों की मदद के लिए हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएगी।श्री साहनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और राज्य आपदा मोचक बल की टीमें पहले से ही प्रभावित इलाकों में राहत कार्यों में जुटी हैं। गृह मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार आंध्र प्रदेश के लोगों के साथ खड़ी है और किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।



नेपाल के एवरेस्ट क्षेत्र में दो हेलीकॉप्टरों की हवा में भिड़ंत: एक भारतीय की मौत

काठमांडू, (वार्ता)

नेपाल के एवरेस्ट क्षेत्र में मंगलवार सुबह लैंडिंग के प्रयास के दौरान दो हेलीकॉप्टरों के बीच हुई भीषण टक्कर में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई, जबकि भारतीय मूल के एक न्यूजीलैण्ड नागरिक सहित हेलीकॉप्टर के पायलट घायल हो गए।काठमांडू पोस्ट के अनुसार नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने कहा है कि इस हादसे में मारे गए भारतीय नागरिक की पहचान वसंत कुमार बालारामुडु (47 वर्ष, निवासी चेन्नई) के रूप में हुई है। वह फिशटेल एयर के हेलीकॉप्टर में सवार थे। हादसे में घायल हुए न्यूजीलैंड के नागरिक शैलेश कृष्णा पटेल और पायलटों को तत्काल बचाया गया और इलाज के लिए काठमांडू के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह दुर्घटना मंगलवार सुबह करीब सवा आठ बजे सोलुखुम्बु जिले में पेरिचे इलाके में एक हेलीपैड पर हुई। पेरिचे पर्वतारोहियों और ट्रेकर्स के लिए एक प्रमुख पड़ाव माना जाता है।प्राधिकरण के बयान के अनुसार एयर डायनेस्टी का एएस350 हेलीकॉप्टर लुकला हवाई अड्डे से कार्गो उड़ान पर सोलुखुम्बु के हेलीपैड पर उतर रहा था। वहीं पर फिशटेल एयर का एएस350 हेलीकॉप्टर गोराकशेप से दो विदेशी यात्रियों को लेकर आ रहा था।प्रत्यक्षदर्शियों और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के अनुसार, एयर डायनेस्टी का हेलीकॉप्टर तेज गति से नीचे उतर रहा था, तभी विपरीत दिशा से उतरने का प्रयास कर रहे फिशटेल एयर के हेलीकॉप्टर से उसकी टक्कर हो गई। ज़मीन से महज़ 2 से 3 मीटर की ऊँचाई पर फिशटेल एयर के रोटर ब्लेड एयर डायनेस्टी हेलीकॉप्टर की खिड़कियों से टकरा गए। प्राधिकरण के महानिदेशक मुकेश डंगोल के अनुसार प्राथमिक जांच से पता चला है कि यह हादसा दोनों पायलटों के बीच आपसी संचार की कमी के कारण हुआ। चूंकि यह क्षेत्र लुकला हवाई अड्डे के एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) टॉवर के दायरे से बाहर है, इसलिए यहां पायलटों को आपस में ही रेडियो संपर्क साधना पड़ता है।

पोलैंड में राजनीतिक संकट से एकजुट हुए दक्षिणपंथी दल, टस्क सरकार के खिलाफ लामबंद होने की खबरें

वारसॉ,(वार्ता)। पोलैंड में राजनीतिक संकट ने प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क की सरकार के विरोध में देश की दक्षिणपंथी ताकतों को एकजुट करने में मदद की है। पोलिटिको ने यह जानकारी दी। पोलिटिको के अनुसार इस सप्ताहांत शुरू हुए राजनीतिक संकट ने अगले साल होने वाले चुनावों से पहले उदारवादी और यूरोपीय समर्थक प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के खिलाफ पोलैंड के बंटे हुए दक्षिणपंथी राष्ट्रवादी दलों को एकजुट करने में मदद की है।रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति करोल नवरोत्स्की ने देश के विभाजित दक्षिणपंथी गुटों को एक साथ लाने के लिए इस स्थिति का इस्तेमाल किया है। इसका संकेत तब मिला, जब उन्होंने पोलैंड के दक्षिणपंथी दलों के नेताओं को बातचीत के लिए बुलाया। पोलैंड के संवैधानिक न्यायालय को लेकर राजनीतिक संकट उस समय और गहरा गया, जब प्रधानमंत्री टस्क के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार ने न्यायालय के अध्यक्ष बोगदान स्विएचकोव्स्की और उपाध्यक्ष बार्तलोमिएज सोहान्स्की को निलंबित करने की कोशिश की।

टर्बुलेंस और बर्फ... फ्लोरिडा प्लेन क्रैश से 10 मिनट पहले को-पायलट ने ब्वॉयफ्रेंड को भेजा था आखिरी मैसेज



वाशिंगटन। फ्लोरिडा लियरजेट विमान हादसे में को-पायलट नथालिया गादेल्हा फिल्गुएरास समेत 9 लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे के बाद नथालिया की रेडियो कॉल रिकॉर्डिंग भी सामने आई। इस हादसे से चंद मिनट पहले को-पायलट नथालिया एयर ट्रैफिक कंट्रोल के साथ ही अपने परिजनों के साथ भी संपर्क में थीं। नथालिया ने हादसे से ठीक 10 मिनट पहले अपने ब्वॉयफ्रेंड को मैसेज भी किया था। नथालिया के सौतेले पिता थियागो कॉर्टेलेटी ने न्यूयॉर्क पोस्ट को बताया कि उनकी बेटी ने दोपहर करीब 12:40 बजे अपने ब्वॉयफ्रेंड को मैसेज भेजा था। वहीं फ्लोरिडा में प्लेन क्रैश करीब 12:50 बजे हुआ। नथालिया के बॉयफ्रेंड भी एक पायलट हैं। नथालिया के पिता थियागो कॉर्टेलेटी ने उस मैसेज को याद करते हुए बताया, उसने बस इतना कहा था, टर्बुलेंस है, बर्फ जम रही है। रविवार की उड़ान में उनके साथ मौजूद को-पायलट की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि विमान के आखिरी पलों की ऑडियो रिकॉर्डिंग में एक व्यक्ति को प्रार्थना (लॉर्ड्स प्रेयर) पढ़ते हुए सुना जा सकता है, जबकि उसी समय नथालिया फिल्गुएरास चीख रही थीं।लीयरजेट 60 विमान रविवार सुबह ऑस्टिन, टेक्सास से बहामास के लिए रवाना हुआ था, लेकिन पाम बीच काउंटी के एक रिहायशी इलाके में क्रैश हो गया। विमान में सवार सभी 9 लोगों की मौत हो गई। इस प्लेन की को-पायलट नथालिया महज 20 साल की थीं, लेकिन उनके पास इस छोटी सी उम्र में ही 1,300 घंटे से ज्यादा की उड़ान का अनुभव था। नथालिया ने अक्टूबर 2023 में 17 साल की उम्र में अपना प्राइवेट पायलट लाइसेंस हासिल कर लिया था।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

मिली के चार साल पूरे, जाह्नवी कपूर के चुनौतीपूर्ण अभिनय की फिर हुई चर्चा



अभिनेत्री जाह्नवी कपूर की फिल्म मिली के चार साल पूरे हो गए हैं। यह फिल्म उनके अभिनय करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण और यादगार फिल्मों में से एक मानी जाती है। सर्वाइवल थ्रिलर आधारित इस फिल्म में जाह्नवी ने एक ऐसी युवती की भूमिका निभाई थी, जो अपने ही कार्यस्थल के फ्रीजर में फंस जाती है और कड़ाके की ठंड के बीच जिंदगी बचाने के लिए संघर्ष करती है। फिल्म में जाह्नवी के अभिनय की खासियत यह रही कि उन्होंने सीमित जगह और कम संवादों के बावजूद अपने हाव-भाव और बॉडी लैंग्वेज के जरिए डर, बेबसी, असुरक्षा और उम्मीद जैसी भावनाओं को प्रभावशाली ढंग से पर्दे पर उतारा। लगभग पूरी फिल्म में अपने किरदार को अकेले संभालना उनके लिए अभिनय की बड़ी चुनौती थी। मिली सिर्फ एक सर्वाइवल ड्रामा नहीं थी, बल्कि इसमें पारिवारिक रिश्तों और भावनात्मक जुड़ाव को भी प्रमुखता दी गई थी। जाह्नवी ने एक ऐसी बेटी का किरदार निभाया, जिसके सपने हैं और जिसकी सुरक्षित वापसी का परिवार बेसब्री से इंतजार कर रहा है। इस भावनात्मक पहलू ने फिल्म की कहानी को और प्रभावशाली बनाया। चार साल बाद भी मिली जाह्नवी कपूर के अभिनय सफर का महत्वपूर्ण पड़ाव बनी हुई है। इस फिल्म ने साबित किया कि जाह्नवी पारंपरिक भूमिकाओं से आगे बढ़कर चुनौतीपूर्ण और प्रयोगधर्मी किरदार निभाने का साहस रखती हैं। फिल्म में उनके अभिनय और समर्पण ने उन्हें एक अलग पहचान दिलाई।



तमिल सिनेमा में डेब्यू के लिए सृष्टि ने खुद सीखी तमिल भाषा, जॉन डो के ट्रेलर में शानदार अभिनय ने खींचा ध्यान

अभिनेत्री सृष्टि तमिल सिनेमा में फिल्म जॉन डो के जरिए कदम रखने जा रही हैं। अर्जुन दास अभिनीत इस फिल्म के ट्रेलर में सृष्टि की झलक और उनकी शानदार डायलॉग डिलीवरी ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया है। खास बात यह है कि अपनी पहली तमिल फिल्म के लिए सृष्टि ने खुद तमिल भाषा सीखी है। मधुमिता के निर्देशन में बनी इस साइकोलॉजिकल थ्रिलर में अर्जुन दास और संचना नटराजन भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। सृष्टि के लिए जॉन डो केवल डेब्यू फिल्म नहीं, बल्कि खुद को एक अभिनेत्री के रूप में नई चुनौतियों के लिए तैयार करने का अनुभव रहा है। अपने किरदार को वास्तविक और प्रभावशाली बनाने के लिए उन्होंने तमिल भाषा सीखने में काफी मेहनत की। उन्होंने भाषा के सही उच्चारण, बोलने के अंदाज और उसकी बारीकियों को समझने पर विशेष ध्यान दिया। सृष्टि ने बताया कि वह अपने किरदार के साथ पूरी ईमानदारी बरतना चाहती थीं। फिल्म में वह दर्शना की भूमिका निभा रही हैं, जिससे वह भावनात्मक रूप से जुड़ाव महसूस करती हैं। इस किरदार को समझने के लिए उन्होंने अपने जीवन के अनुभवों से भी प्रेरणा ली। अपने डेब्यू के अनुभव के बारे में सृष्टि ने कहा कि जॉन डो उनके लिए बेहद खास फिल्म है। तमिल सीखना इस सफर का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा और वह भाषा तथा किरदार दोनों के साथ पूरा न्याय करना चाहती थीं।

ऋचा की सीरीज मुसाफिरी का टाइटल ट्रैक स्नेहा खानवलकर ने किया तैयार, अपनी आवाज में भी दी प्रस्तुति



अभिनेत्री और निर्माता ऋचा चड्ढा की आगामी नॉन-फिक्शन सीरीज मुसाफिरी के टाइटल ट्रैक के लिए मशहूर संगीतकार स्नेहा खानवलकर के साथ साझेदारी की गई है। स्नेहा ने इस गीत को संगीतबद्ध करने के साथ अपनी आवाज भी दी है। भारत की विविध संस्कृतियों, परंपराओं और अनकही कहानियों को सामने लाने वाली इस सीरीज का टाइटल ट्रैक देश की खूबसूरती और अलग-अलग स्थानों को जानने की उत्सुकता को संगीत के माध्यम से व्यक्त करता है। ग्स ऑफ वासेपुर के संगीत और द साउंड ट्रिपिन जैसे अनूठे म्यूजिक शो के लिए चर्चित स्नेहा खानवलकर ने इस गीत में सफर, जिज्ञासा और नई जगहों की खोज के भावों को खूबसूरती से पिरोया है। यह गीत केवल पर्यटन स्थलों तक सीमित न रहकर भारत की विविधता और अनसुनी कहानियों से रूबरू कराता है।

ऋचा चड्ढा ने कहा कि स्नेहा उनकी अच्छी दोस्त हैं और उनके पास भारत की हजारों कहानियों को संगीत में ढालने की अनूठी क्षमता है। उन्हें इस गीत की धुन बेहद पसंद है, जिसमें जिज्ञासा, शरारत और कहीं-कहीं लोरी जैसी मिठास भी है। ऋचा ने बताया कि उनकी पहली फिल्म %ओए लकी! लकी ओए! स्नेहा की भी पहली फिल्म थी। बतौर निर्माता उनकी पहली फिल्म गर्ल्स विल बी गर्ल्स% में भी स्नेहा का एक गीत था और अब उनकी पहली सीरीज में भी वह साथ हैं। ऋचा ने स्नेहा को अपना लकी चार्म बताया। स्नेहा खानवलकर ने कहा कि ऋचा की अपनी अलग और मजबूत सोच है। उन्होंने पत्रकारिता की पढ़ाई और अपनी समझ का इस्तेमाल मुसाफिरी जैसे रोचक कार्यक्रम में किया है।



मैसा का पहला गाना ओ मैसा रे रिलीज, रश्मिका मंदाना के तांडव अवतार ने मचाया धमाल

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की आगामी फिल्म मैसा का पहला गाना ओ मैसा रे रिलीज हो गया है। गाने में रश्मिका अपने निडर, आक्रामक और दमदार तांडव अवतार में नजर आ रही हैं। उनकी जबरदस्त ऊर्जा, प्रभावशाली भाव-भंगिमाओं और शानदार नृत्य संयोजन ने दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। फिल्म के टीजर को देशभर में शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। अपनी रॉ एनर्जी, भव्य दृश्यांकन और रोमांचक माहौल के कारण फिल्म ने दर्शकों और समीक्षकों का ध्यान आकर्षित किया है। अब पहले गाने की रिलीज के साथ फिल्म को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। ओ मैसा रे में रश्मिका का एक्शन से भरपूर अंदाज और तांडव शैली का प्रदर्शन देखने को मिलता है। दमदार बीट्स और आदिवासी संगीत के अनूठे संगम से तैयार यह गीत फिल्म की कहानी की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और भावनात्मक पक्ष को भी सामने लाता है। जेक्स बिजॉय ने इस गीत को संगीतबद्ध किया है। गीत में पारंपरिक आदिवासी संगीत और आधुनिक धुनों का प्रभावशाली तालमेल देखने को मिलता है।

सिवनी में यूआईडीएआई आधार सेवा केंद्र का शुभारंभ

जिले के नागरिकों को आधार संबंधी सेवाएं सुगमता से उपलब्ध कराने तथा आधार से जुड़ी समस्याओं के निराकरण के लिए सिवनी के भैरोगंज स्थित नवीन यूआईडीएआई आधार सेवा केंद्र का सोमवार को शुभारंभ किया गया।



सिवनी। स्वतंत्र मत। विधायक दिनेश राय, कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार एवं भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई), राज्य कार्यालय भोपाल के निदेशक सुमित मिश्रा ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर केंद्र का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर अतिथियों ने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार ने स्वयं भी अपना बायोमेट्रिक अपडेट कराया।

सप्ताह के सातों दिन मिलेंगी आधार सेवाएं

नवीन आधार सेवा केंद्र में नागरिकों को आधार नामांकन, पता, मोबाइल नंबर एवं अन्य जनसांख्यिकीय विवरणों में संशोधन तथा बायोमेट्रिक अपडेट सहित विभिन्न आधार सेवाएं उपलब्ध होंगी। केंद्र में आधुनिक उपकरण, व्यवस्थित बैठक व्यवस्था एवं नागरिकों की सहायता के लिए समर्पित संचालन प्रबंधक की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। नागरिक अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन अपॉइंटमेंट भी बुक कर सकेंगे। केंद्र सप्ताह के सातों दिन संचालित रहेगा।

बच्चों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट अवश्य कराएं-कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार ने जिले के नागरिकों से अपील की कि बच्चों की आयु 5 वर्ष एवं 15 वर्ष पूर्ण होने पर उनका अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट अवश्य कराएं, ताकि भविष्य में आधार आधारित सेवाओं का लाभ लेने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने बताया कि 5 से 17 वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए यह सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध है। आधार संबंधी समस्याओं के निराकरण में भी मिलेगी सहायता यूआईडीएआई, राज्य कार्यालय भोपाल के निदेशक सुमित मिश्रा ने बताया कि अब जिले के नागरिकों को आधार संबंधी विशेष कार्यों एवं समस्याओं के समाधान के लिए भोपाल अथवा दिल्ली जाने की आवश्यकता नहीं होगी। आधार सेवा केंद्र केवल नामांकन एवं अपडेट तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इन्हें नागरिकों के लिए समर्पित आधार सहायता एवं सुविधा केंद्र के रूप में भी विकसित किया गया है। यहां नागरिक आधार से संबंधित शिकायतों, कठिनाइयों एवं अन्य समस्याओं के निराकरण के लिए सीधे संपर्क कर मार्गदर्शन एवं सहायता प्राप्त कर सकेंगे।

यहां संचालित है आधार सेवा केंद्र

सिवनी आधार सेवा केंद्र अनंतम बिल्डिंग, प्रथम तल, सिंधी कॉलोनी, सोमवारी चौक रोड, भैरोगंज, सिवनी (मध्यप्रदेश-480661) में संचालित किया गया है। जिले के नागरिकों से अपील है कि वे आधार संबंधी सेवाओं का लाभ लेने के लिए केंद्र पहुंचकर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपने कार्य पूर्ण कराएं।

संगठन की शक्ति कार्यकर्ताओं के समर्पण और आपसी सम्मान में निहित: महेंद्र सिंह यादव

अपेक्स बैंक चेयरमैन ने भाजपा जिला कार्यालय में पदाधिकारियों से किया संवाद, कुशाभाऊ ठाकरे के संगठन निर्माण के संघर्ष और सहकारिता की भावना पर रखे विचार



सिवनी। स्वतंत्र मत। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक) के चेयरमैन श्री महेंद्र सिंह यादव सोमवार को जिले के प्रवास पर पहुंचे। वे बलराम महोत्सव कार्यक्रम में सहभागिता के पश्चात भाजपा जिला कार्यालय पहुंचे, जहां भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन एवं पार्टी पदाधिकारियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर श्री यादव ने जनसंघ से भारतीय जनता पार्टी तक की संगठनात्मक यात्रा, विचारधारा के विस्तार और कार्यकर्ताओं के समर्पण पर अपने विचार रखे। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी एवं लालकृष्ण आडवाणी के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा का वर्तमान स्वरूप वर्षों के संघर्ष, सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता और कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने स्वर्गीय कुशाभाऊ ठाकरे के संगठन निर्माण के संघर्ष और सादगी से जुड़े प्रसंग साझा करते हुए बताया कि सीमित संसाधनों के बावजूद पुराने कार्यकर्ताओं ने गांव-गांव और क्षेत्र-क्षेत्र में संगठन को खड़ा किया। आज तकनीक और डिजिटल सदस्यता अभियान ने संगठन के विस्तार को नई गति दी है, लेकिन संगठन की असली ताकत आज भी समर्पित कार्यकर्ता ही हैं। श्री यादव ने कहा कि कार्यकर्ता की पहचान किसी पद या व्यक्ति से नहीं, बल्कि संगठन की विचारधारा से होती है। व्यक्तिगत अपेक्षाओं से ऊपर उठकर संगठन को सर्वोपरि रखना और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान करना भाजपा के संगठनात्मक संस्कार हैं। उन्होंने सहकारिता की भावना पर जोर देते हुए कहा कि हमें हर वर्ग की चिंता करनी चाहिए और विकास में हम किस प्रकार सहयोगी बन सकते हैं, यही भावना हमें ऊंचाइयों तक पहुंचाती है। हर व्यक्ति प्रत्येक कार्य नहीं कर सकता, लेकिन हर व्यक्ति का अपना योगदान होता है। सभी के सामूहिक प्रयासों से ही व्यवस्था मजबूत होती है। यही सहकारिता का मूल भाव है। उन्होंने सभी के प्रति समान सम्मान की भावना को आवश्यक बताया। कार्यक्रम का संचालन किसान मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी ओमप्रकाश तिवारी ने कियाभाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन ने श्री यादव के सिवनी प्रवास एवं मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। इसके पश्चात श्री यादव ने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के निवास पर पहुंचकर सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर पूर्व विधायक नरेश दिवाकर, पूर्व जिला अध्यक्ष वेदसिंह ठाकुर, आलोक दुबे, प्रेम तिवारी, नगरपालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया, किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री गोपाल पटेल एवं कसान सिंह, जिला उपाध्यक्ष राजेश पवार एवं श्रीमती कल्पना मर्सकोले, प्रदेश उपाध्यक्ष संदीप रघुवंशी, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रदीप राय सहित भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शौर्य स्थल पर राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

मातृभूमि की रक्षा में सैनिकों का सर्वोच्च बलिदान सदैव राष्ट्र के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा: राज्यपाल



सिवनी। स्वतंत्र मत। राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने शनिवार को चीड़ बाग स्थित शौर्य स्थल पहुंचकर देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीदों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शहीदों को नमन करते हुए उनके त्याग, शौर्य और बलिदान का स्मरण किया।

इस अवसर पर राज्यपाल डॉ. बिसेन ने कहा कि मातृभूमि की रक्षा के लिए हमारे वीर सैनिकों का अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उनका सर्वोच्च बलिदान राष्ट्र के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित रहेगा।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड वीरभूमि है, जहां लगभग हर दूसरे घर से कोई न कोई देश की सशस्त्र सेनाओं में सेवाएं दे रहा है। प्रदेश की मिट्टी में देशभक्ति और राष्ट्रसेवा का भाव रचा-बसा है। हमें अपने वीर सैनिकों, शहीदों और उनके परिवारों पर गर्व है।

कराटे बेल्ट परीक्षा में गुरुकुल के विद्यार्थियों ने लहराया सफलता का परचम, बढ़ाया बरघाट का गौरव



सिवनी। स्वतंत्र मत। शिक्षा, अनुशासन और नैतिक मूल्यों के साथ-साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव समर्पित बरघाट के अग्रणी शिक्षण संस्थान गुरुकुल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया है। हाल ही में सिवनी में आयोजित प्रतिष्ठित कराटे बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए बेल्ट परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की है और विद्यालय सहित पूरे बरघाट क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है।

कुशल मार्गदर्शन और प्रोत्साहन

विद्यार्थियों की इस शानदार सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत के साथ-साथ कराटे कोच सुश्री सीता मसराम का विशेष और कुशल मार्गदर्शन रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों के अनुशासन, निरंतर अभ्यास और खेल भावना की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विशेष हर्ष व्यक्त करते हुए प्रबंध निदेशकनरेश सिंह राजपूत ने सभी सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और मार्गदर्शकों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने अपने संदेश में विस्तार से कहा कि आज के दौर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ शारीरिक एवं मानसिक सुदृढ़ता, आत्मरक्षा और अनुशासन अत्यंत आवश्यक हैं। हमारे विद्यार्थियों ने कराटे जैसी अनुशासित कला में जिस लगन, एकाग्रता और मेहनत का परिचय दिया है, वह अत्यंत सराहनीय है। यह सफलता केवल एक बेल्ट प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनके भीतर छिपे अदम्य आत्मविश्वास, संघर्ष क्षमता और निरंतर आगे बढ़ने की इच्छाशक्ति का प्रतीक है। मैं चाहता हूँ कि हमारे सभी विद्यार्थी इसी प्रकार खेल और शिक्षा दोनों क्षेत्रों में अपनी ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करते रहें, हर चुनौती का सामना डटकर करें और अपने परिवार, विद्यालय के साथ-साथ बरघाट क्षेत्र का नाम पूरे प्रदेश और देश में रोशन करें। गुरुकुल परिवार अपने बच्चों के हर सपने को साकार करने और उन्हें एक सशक्त नागरिक बनाने के लिए सदैव तत्पर है।

विद्यालय प्रभारी प्राचार्य श्री नितेश गौतम प्रभारी प्राचार्य श्री नितेश गौतम ने विद्यार्थियों की पीठ थपथपाते हुए कहा कि सफलता का मूल मंत्र परिश्रम है। निरंतर अभ्यास, लगन और अनुशासन से जीवन में प्रत्येक लक्ष्य को आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। हमारे विद्यार्थियों ने यह साबित कर दिखाया है कि सही मार्गदर्शन और दृढ़ संकल्प से कठिन से कठिन मुकाम भी हासिल किए जा सकते हैं।

गुरुकुल परिवार के समस्त स्टॉफ, शिक्षकों और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने सभी विजेता विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए ढेरों शुभकामनाएं दी हैं।

भाजयुमो के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष योगेश शिवहरे एवं जिला महामंत्री अंकित सिंह ठाकुर का 4 नवंबर को होगा भव्य स्वागत-सम्मान

सिवनी।



भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला सिवनी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष योगेश शिवहरे एवं जिला महामंत्री अंकित सिंह ठाकुर के स्वागत एवं सम्मान में 4 नवंबर 2026, बुधवार को भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेतृत्व, जिला संगठन के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की गरिमामय उपस्थिति में नवनियुक्त पदाधिकारियों का अभिनंदन किया जाएगा। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष एवं जिला महामंत्री के स्वागत को लेकर युवा मोर्चा सहित भाजपा संगठन के कार्यकर्ताओं में उत्साह है। स्वागत कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10 बजे धूमा से होगा। यहां स्वर्ण श्रीराम मंदिर बंजारी जी के दर्शन के पश्चात धूमा मंडल द्वारा स्वागत किया जाएगा। इसके बाद लखनादौन, बंजारी, छपारा, बंडोल एवं राहीवाड़ा सहित विभिन्न स्थानों पर मंडलों एवं मोर्चा पदाधिकारियों द्वारा स्वागत-अभिनंदन किया जाएगा। दोपहर लगभग 12 बजे स्वागत यात्रा सिवनी नगर पहुंचेगी। नगर के विभिन्न प्रमुख स्थानों एवं चौराहों पर भाजपा के मंडलों, मोर्चों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारियों का आत्मीय स्वागत किया जाएगा।

जिला भाजपा कार्यालय में दोपहर 2 बजे मुख्य स्वागत एवं सम्मान समारोह

स्वागत कार्यक्रम का मुख्य आयोजन दोपहर 2 बजे जिला भाजपा कार्यालय सिवनी में होगा। यहां भाजपा के वरिष्ठ नेतृत्व, पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, जिला एवं मंडल पदाधिकारी तथा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहकर नवनियुक्त जिलाध्यक्ष श्री योगेश शिवहरे एवं जिला महामंत्री श्री अंकित सिंह ठाकुर का स्वागत एवं सम्मान करेंगे। इस अवसर पर संगठन के वरिष्ठ मार्गदर्शन में युवा मोर्चा की आगामी संगठनात्मक गतिविधियों, युवाओं की सहभागिता एवं संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की अपेक्षाओं के साथ नए दायित्वों के निर्वहन हेतु शुभकामनाएं दी जाएंगी। भाजपा एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा के समस्त पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं एवं युवा साथियों से स्वागत यात्रा तथा जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित मुख्य समारोह में गरिमामय उपस्थिति प्रदान करने की अपील की गई है।

मॉयल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह सफलतापूर्वक संपन्न



बालाघाट(स्वतंत्र मत)। भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी मॉयल लिमिटेड के बालाघाट एवं उकवा खान में केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। इस वर्ष सप्ताह की थीम सत्यनिष्ठा से समृद्धि रही। सप्ताह के दौरान अधिकारियों, कर्मचारियों, कामगारों, विद्यार्थियों, विक्रेताओं, ठेकेदारों एवं ग्रामीणों को भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूक करते हुए ईमानदारी, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के महत्व से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम के दौरान बालाघाट एवं उकवा खान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने कार्यों में ईमानदारी, जवाबदेही एवं पारदर्शिता अपनाते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करने की शपथ ली। कार्यक्रम का आयोजन बी.डी. गजघाटे, मुख्य सतर्कता अधिकारी एवं गौरव कुमार बैसखियार, उप-मुख्य सतर्कता अधिकारी के दिशानिर्देशन में किया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत बालाघाट एवं उकवा खान के कर्मचारियों के लिए भ्रष्टाचार विरोधी नारा एवं कविता प्रतियोगिता आयोजित की गई। वहीं डीएवी मॉयल पब्लिक स्कूल उकवा तथा रविंद्र नाथ टैगोर विद्यालय भरवेली के छात्र-छात्राओं के लिए निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित कर विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालयों के प्राचार्य श्री मनीष सिंह एवं श्रीमती अल्का डे उपस्थित रहीं।सप्ताह के दौरान उकवा एवं बालाघाट खान में विक्रेताओं तथा ठेकेदारों के लिए एक दिवसीय सतर्कता जागरूकता संगोष्ठी आयोजित की गई।

वारासिवनी में नहर से मिला इंडियन गौर का शव, वन विभाग ने किया रेस्क्यू

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिले के वारासिवनी वन परिक्षेत्र अंतर्गत रेलवे क्रॉसिंग के पास नहर में मंगलवार को एक इंडियन गौर का शव बरामद किया गया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए गौर के शव को नहर से बाहर निकाला। प्रथम दृष्टया आशंका जताई जा रही है कि यह शव 18 अक्टूबर को इसी क्षेत्र में रेस्क्यू किए गए दो नर इंडियन गौर के शवों के साथ बहकर आया होगा। जानकारी के अनुसार, 3 नवंबर को सुबह लगभग 11 बजे वनमंडलाधिकारी दक्षिण सामान्य वनमंडल बालाघाट को सूचना मिली कि वारासिवनी वन परिक्षेत्र अंतर्गत रेलवे क्रॉसिंग नहर के पास पानी में एक इंडियन गौर का शव दिखाई दे रहा है। सूचना मिलने पर वनमंडलाधिकारी दक्षिण सामान्य वनमंडल बालाघाट, उपवनमंडलाधिकारी कटंगी सामान्य तथा वन परिक्षेत्र अधिकारी वारासिवनी की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान चलाकर शव को बाहर निकाला। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, रेलवे पटरी के नीचे नहर में पानी का स्तर कम होने के कारण गौर का शव दिखाई दिया था।

कोर्ट के आदेश को ठेंगा, पुलिस के सामने डंडे लेकर पहुंचीं महिलाएं

30 एकड़ में लगी धान फसल को काटने पर खूनी संघर्ष की आशंका कलेक्टर से लगाई गुहार





बालाघाट(स्वतंत्र मत)। न्यायालय द्वारा जमीन के आधिपत्य को लेकर पारित स्थगन आदेश के बावजूद विवादित भूमि पर हस्तक्षेप और मारपीट की कोशिश किए जाने का गंभीर मामला सामने आया हैं। मामला लामता तहसील के ग्राम पांडेवाड़ा स्थित करीब 41.13 एकड़ कृषि भूमि से जुड़ा हैं। इस मामले में न्यायालय के आदेश का पालन नहीं होने, पुलिस की मौजूदगी में लाठी-डंडे और कुल्हाड़ी लेकर हमला करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए आवेदक सत्यानंद द्विवेदी, सुनील असाटी ने जिला कलेक्टर से हस्तक्षेप की मांग की हैं।

जानकारी अनुसार, सत्यानंद द्विवेदी जो संबंधित व्यवहार वाद में वादी पक्ष स्व. घनश्यामदास असाटी के संतान श्रीमती बसंतीबाई, सुनिल, रजनीश, प्रीति असाटी, अनमोल असाटी, मानसी असाटी की ओर से अधिकृत मुख्तार बताए गए हैं, ने 3 नवंबर 2026 को कलेक्टर बालाघाट के नाम शिकायत प्रस्तुत की हैं। जिसमें रतिराम सिरसाम, शंकरलाल सिरसाम, टेकचंद सिरसाम, लेखचंद सिरसाम, तिलकचंद मडावी, तीजूलाल इडपांचे, श्रीमती रामोबाई मड़ावी, मनीराम टेकाम, रेवनीबाई, धनवताबाई इड़पांचे और आंनद असाटी लामता निवासी के विरूद्ध शिकायत साथ ही तहसीलदार लामता और थाना प्रभारी लामता की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए न्यायालय के स्थगन आदेश का कड़ाई से पालन कराने तथा विवादित भूमि पर फसल कटाई के दौरान पर्याप्त पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की गई हैं।

स्थगन आदेश के बाद धान कटाई कर रहें ग्रामीण...शिकायत के अनुसार, पंचम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड, बालाघाट के न्यायालय में व्यवहार वाद क्रमांक 1393/2026 विचाराधीन हैं। इस प्रकरण में न्यायालय द्वारा 8 सितंबर 2026 को स्थगन आदेश पारित किया गया था। ग्राम पांडेवाड़ा स्थित विवादित भूमि, जिसका रकबा शिकायत में 41.13 एकड़ बताया गया है, पर वादी पक्ष के आधिपत्य में हस्तक्षेप करने अथवा करवाने से प्रतिबंधित किया गया हैं। न्यायालय द्वारा वादी पक्ष के आधिपत्य को मान्यता देते हुए स्थगन आदेश पारित किया गया हैं। ऐसे में संबंधित भूमि पर बोई गई धान की फसल की देखरेख और कटाई कराने का अधिकार वादी पक्ष को हैं। वर्तमान में धान की फसल पककर तैयार हो चुकी है और कटाई के समय अब ग्रामीण महिलाए सामने आकर धान कटाई कर रहीं हैं और इसी वजह से विवाद और अधिक गंभीर हो गया है।

पुलिस पर गंभीर आरोप...

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि ग्रामीण महिलाओं के द्वारा पुलिस की मौजूदगी में ही उसके और मजदूरों के साथ मारपीट करने का प्रयास किया। इस दौरान गाली-गलौज करते हुए फसल काटने के लिए दोबारा आने पर जान से खत्म करने की धमकी भी दी गई। शिकायत में कहा गया हैं कि आरोपियों ने न्यायालय और पुलिस के आदेशों को नहीं मानने की बात कहते हुए खुलेआम चुनौती दी।

बालाघाट में बैठे व्यक्ति पर उकसाने का आरोप...

सुनिल असाटी ने 11 आनंद असाटी निवासी बालाघाट पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि संबंधित व्यक्ति बालाघाट में बैठकर अन्य भोलेभाले आदिवासियों को लगातार उकसा रहा हैं और लाठी-डंडों तथा हथियारों के बल पर फसल कटाई रोकने के लिए कह रहा हैं। साथ ही कथित तौर पर उन्हें आश्वस्त किया जा रहा है कि कोर्ट-कचहरी और पुलिस की व्यवस्था वह संभाल लेगा। उन्होने यह भी कहा कि इसी उकसावे के चलते अन्य आदिवासी आक्रामक रुख अपना रहे हैं और न्यायालय के आदेश के बावजूद विवादित भूमि पर हस्तक्षेप कर रहे हैं। बताया जा रहा हैं कि यह दोनों पक्षों के बीच पहले से ही लम्बे समय से विवाद चल रहा हैं।

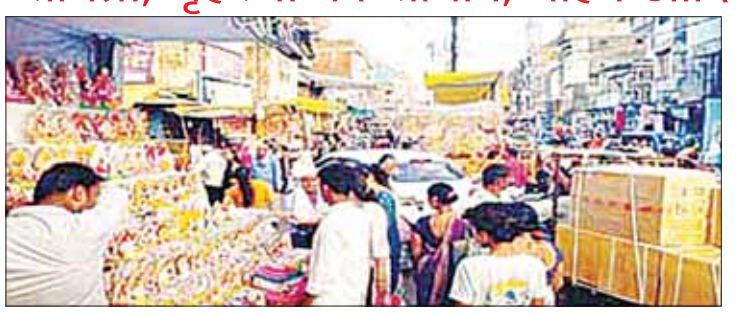
कलेक्टर से तीन प्रमुख मांगें...

सत्यानंद द्विवेदी एवं सुनील असाटी ने कलेक्टर से मांग की है कि तहसीलदार लामता और थाना प्रभारी लामता को न्यायालय द्वारा 8 सितंबर को पारित स्थगन आदेश का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए जाएं। पुलिस की मौजूदगी में कथित तौर पर हथियार लेकर हमला करने, जान से मारने की धमकी देने और न्यायालयीन आदेश का उल्लंघन करने के आरोपों की जांच कर संबंधित लोगों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। इसके अलावा ग्राम पांडेवाड़ा स्थित विवादित 41.13 एकड़ भूमि पर वादी पक्ष को अपनी पकी हुई धान की फसल शांतिपूर्वक कटवाने के लिए पर्याप्त राजस्व अमला और सशस्त्र पुलिस बल की सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग भी की गई है।

धनतेरस की तैयारी में सजे बाजार

बर्तन, कपड़ा, सजावट की सामग्री, पूजन सामग्री, गृहस्थी का सामान, वाहन आदि की हो रही खरीदी





कटनी (स्वतंत्रमत)

धनतेरस और दीपावली के आने से पहले शहर का बाजार रौनक से भर गया है। व्यापारियों ने ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए दुकानों को रंग-बिरंगी रोशनी और सजावटी सामग्रियों से दुल्हन की तरह सजा दिया है। इस बार बाजार में करोड़ों रुपए के कारोबार का अनुमान है, क्योंकि लोगों ने पहले से ही पर्व की खरीदारी शुरू कर दी है। शहर में मुख्य मार्ग, स्टेशन रोड, सुभाष चौक, कपड़ा बाजार, झंडा बाजार, गल्ला बाजार, जवाहर चौक, शेर चौक मार्ग, घंटाघर क्षेत्र, कारगिल चौक, गोलबाजार, नई बस्ती, विश्वकर्मा पार्क, माधवनगर आदि क्षेत्र में बाजार सजा है। हर प्रकार के सामान की दुकानों ने विशेष तैयारी की है, जिससे ग्राहक अपनी ज़रूरत के अनुसार हर वस्तु एक ही जगह पर पा सकें। बर्तन, कपड़े, सजावटी सामान, होम एप्लायंसेस, मोबाइल और एसेसरीज, इलेट्रॉनिक आइटस, ऑटोमोबाइल, और अन्य घरेलू सामग्रियों की दुकाने खरीददारों के लिए तैयार हैं। धनतेरस और दीपावली की पारंपरिक खरीदी जैसे सोना-चांदी, जेवरात, अन्य महंगे वस्त्रों पर भी विशेष ऑफर्स और छूट दी जा रही है। इस दौरान सराफा बाजार में भी खूब रौनक देखने को मिल रही है।

पूजन सामग्री की है बहार

धनतेरस और दीपावली के त्यौहार को देखते हुए, पूजन सामग्री की दुकानों पर भी विशेष भीड़ देखने को मिल रही है। लोग दीपक, पूजा थाल, गहने, और लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों जैसी पूजन सामग्रियों की खरीदारी में जुटे हुए हैं। इस दौरान दीपावली की पूजा के लिए आवश्यक सामग्रियों पर विशेष छूट भी उपलब्ध है।

बच्चों और युवाओं में खरीदारी का क्रेज

बाजार में बच्चों और युवाओं में भी खरीदारी का काफी उत्साह है। पटाखों, फुलझड़ियों, रंग-बिरंगी रॉकेट, विभिन्न प्रकार के पटाखों की दुकानों पर भीड़ लगी हुई है। पटाखों की दुकानें इमलिया, एलआइसी ऑफिस के पास सजी हैं। बच्चों की पसंद को ध्यान में रखते हुए कई तरह के नए प्रकार के पटाखों का स्टॉक बाजार में उपलध कराया गया है। युवाओं के लिए मोबाइल, गैजेट्स और फैशन एसेसरीज जैसे उत्पादों पर विशेष छूट और ऑफर्स दिए जा रहे हैं। साथ ही, नए डिजाइन के कपड़ों और जूतों पर भी अच्छी-खासी छूट है, जो युवाओं को आकर्षित कर रही है।

सराफा कारोबार में बढ़ी चमक

धनतेरस और दीपावली पर सोने-चांदी और गहनों की खरीद का विशेष महत्व होता है। इस बार सराफा बाजार में भी गहनों की मांग में वृद्धि देखी जा रही है। सोने-चांदी के आभूषणों पर विशेष ऑफर्स दिए जा रहे हैं और गहनों के नए-नए डिजाइनों ने ग्राहकों को खूब लुभाया है। जेम्स एंड ज्वैलर्स ने ग्राहकों के लिए विशेष पैकेज और किस्तों पर भुगतान की सुविधा भी प्रदान की है, जिससे ग्राहकों की संख्या में इजाफा हो रहा है।त्योहार के इस माहौल में हर प्रकार की दुकान पर ग्राहकों का तांता लगा हुआ है। धनतेरस और दीपावली के इस पावन अवसर पर न सिर्फ कटनी बल्कि आसपास के क्षेत्रों से भी लोग बड़ी संख्या में बाजार में खरीदारी के लिए आ रहे हैं।

थाना माधवनगर पुलिस की जुआरियों के विरूद्ध कार्यवाही



कटनी (स्वतंत्रमत)। थाना माधवनगर पुलिस ने जुआ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 9 जुआरियों को पकड़ा है । इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने ताश के 52 पत्ते और 7400 रुपये नकदी जब्त की है। यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, कमल मौर्य अति. पुलिस अधीक्षक, अनिमेश द्विवेदी सीएसपी कटनी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी माधवनगर निरीक्षक शैलेन्द्र सिंह यादव के नेतृत्व में की गई है। घटना विवरण- दिनांक 2 नवम्बर को थाना माधवनगर पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि हास्पिटल लाईन में कुछ लोग फड़ जमाकर ताश के पत्तों पर पैसे लगाकर जुआ खेल रहे हैं। इस सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक शैलेन्द्र सिंह यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान दो मामलो में 9 जुआरियो को पकड़ा है जिसमें पहले प्रकरण में 1. अमन चंदवानी पिता शंकरलाल उम्र 24 साल निवासी खैबर लाईन पोस्ट आफिस माधवनगर 2. आकाश मोटवनी पिता प्रताप राय उम्र 27 साल निवासी हास्पिटल लाईन थाना माधवनगर 3. रोहित उर्फ मोन्टी आहुजा पिता राजकुमार उम्र 32 साल नि. शांतिनगर कुन्दनदास 4. मोहित कुमार जामवानी पिता चंदू जामनानी उम्र 23 साल निवासी कैरन लाईन माधवनगर 5. गौतम नागवानी पिता राजेश नागवानी उम्र 24 साल शामिल है।

अंतर कक्षा महाविद्यालयीन युवा उत्सव 2026-27 का आयोजन



कटनी (स्वतंत्रमत)। शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी में अंतर कक्षा महाविद्यालयीन युवा उत्सव 2026-27 के अंतर्गत दिनांक 3, 4 एवं 5 नवंबर 2026 को विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। युवा उत्सव के अंतर्गत क्रमश: रूपांकन, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विधाओं की प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएंगी। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा, साहित्यिक अभिरुचि, कलात्मक कौशल एवं सांस्कृतिक क्षमताओं को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक बेहतर मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात द्वारा माँ सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा उत्सव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनके माध्यम से छात्राओं में आत्मविश्वास, रचनात्मकता, कल्पनाशीलता एवं प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। युवा उत्सव के प्रथम दिवस रूपांकन विधा के अंतर्गत विभिन्न कलात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें क्ले मॉडलिंग, पोस्टर प्रतियोगिता, कार्टूनिंग, कोलाज, स्पॉट पेंटिंग एवं रंगोली प्रतियोगिताएँ प्रमुख रहीं। इन प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने अत्यंत उत्साह एवं उमंग के साथ सहभागिता की। छात्राओं ने अपनी कलात्मक अभिरुचि, कल्पनाशीलता एवं सृजनात्मक सोच का सुंदर प्रदर्शन करते हुए आकर्षक एवं संदेशपरक कलाकृतियों का निर्माण किया। क्ले मॉडलिंग में छात्राओं ने मिट्टी के माध्यम से विभिन्न आकृतियों एवं कलात्मक संरचनाओं को साकार किया। पोस्टर प्रतियोगिता में सामाजिकए शैक्षणिक एवं समसामयिक विषयों पर रचनात्मक संदेश प्रस्तुत किए गए। कार्टूनिंग में हास्य एवं व्यंग्य के माध्यम से महत्वपूर्ण विषयों को दर्शाया गया, वहीं कोलाज एवं स्पॉट पेंटिंग में छात्राओं ने रंगों और चित्रों के माध्यम से अपनी कला प्रतिभा का परिचय दिया।

अर्धवार्षिक परीक्षा की पैरेंट्स-टीचर मीटिंग संपन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)

माधव नगर सनशाइन एकेडमी में अर्धवार्षिक परीक्षा धन्यवाद पैरेंट्स-टीचर मीटिंग(पीटीएम) का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर स्कूल परिसर में सुबह से ही भारी उत्साह का माहौल देखा गया। सभी बच्चों ने बेहद उत्साहित होकर अपने माता-पिता के साथ स्कूल पहुंचकर अपनी अर्धवार्षिक परीक्षा के परीक्षा परिणाम (रिजल्ट) की जानकारी ली। शिक्षकों से अपनी प्रोग्रेस रिपोर्ट और मार्कशीट लेते समय बच्चों के चेहरों पर खुशी साफझलक रही थी। इस पल को यादगार बनाने के लिए टीचर्स ने भी बच्चों के साथ जमकर सेल्फीज लीं। इस दौरान स्कूल की वरिष्ठ अतिथि जूही जैन की गरिमामयी उपस्थिति विशेष रूप से बनी रही।

यह सिर्फ प्रोग्रेस रिपोर्ट नहीं, भविष्य का रोडमैप है

पीटीएम केवल प्रोग्रेस रिपोर्ट लेने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह शिक्षकों के साथ



मिलकर बच्चे के उज्ज्वल भविष्य की योजना बनाने का एक बेहतरीन अवसर है। बैठक के दौरान जागरूक अभिभावकों ने शिक्षकों से अपने बच्चों के सर्वांगीण विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण सवाल पूछे- शैक्षणिक स्थिति: बच्चा किस विषय में सबसे होशियार है और किस विषय में उसे अतिरिक्त मदद की ज़रूरत है? कक्षा में व्यवहार: क्या बच्चा क्लास में पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करता है और अपने सहपाठियों के साथ घुलता-मिलता है। एक्टिविटीज में रुचि: क्या वह सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है- ग्रोथ और प्रोग्रेस: पिछले टेस्ट के मुकाबले बच्चे के प्रदर्शन में क्या और कितना सुधार हुआ है- मानसिक सहजता: क्या बच्चा स्कूल के माहौल में खुश और सहज महसूस कर रहा है- शिक्षकों ने सभी अभिभावकों के प्रश्नों के उत्तर अत्यंत सरल और आत्मीय तरीके से दिए। समस्त शिक्षक वर्ग ने सभी सफल छात्रों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया।

स्कूल और पेरेंट्स के बीच मजबूत सेतु है यह बैठक

ऐसा कहा जाता है कि माता-पिता के बाद शिक्षक ही बच्चे के बारे में सबसे ज्यादा जानते हैं। घर के अलावा बच्चे अपना सबसे ज्यादा समय स्कूल में बिताते हैं, जहां टीचर ही उनके गार्जियन का रोल निभाते हैं। पीटीएम के माध्यम से पेरेंट्स अपने बच्चों की प्रतिभाओं, क्षमताओं, कमजोरियों और उनके लर्निंग स्टाइल को बेहतर तरीके से पहचान पाते हैं। खासतौर पर जिन बच्चों ने अभी-अभी स्कूल जाना शुरू किया है, उनके पेरेंट्स के लिए यह मीटिंग उनके विकास की सही दिशा तय करने में मददगार साबित होती है। अर्धवार्षिक परीक्षाद्ध परिणाम के इस उत्साह के बीच, स्कूल प्रबंधन ने आगामी वार्षिक परीक्षा को लेकर भी जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अभिभावकों से अनुरोध किया गया है कि वे अभी से बच्चों को वार्षिक परीक्षा के लिए मानसिक रूप से तैयार करें। पीटीएम में मिली फीडबैक के आधार पर बच्चे की कमजोरियों को दूर करने के लिए घर पर एक बेहतर स्टडी रूटीन बनाएं, ताकि आगामी परीक्ष में भी बच्चे उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें।

श्री अग्रसेन जयन्ती महोत्सव-2026 के समापन समारोह में रामायण पाठ

कटनी (स्वतंत्रमत)। अग्रवाल नंवयुवक मण्डल कटनी, अग्रवाल महिला मण्डल कटनी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित श्री श्री 1008 महाराजा श्री अग्रसेन जी महाराज की जयन्ती महोत्सव के अन्तर्गत अष्टम दिवस शरद पूर्णिमा में रामायण पाठ, भजन आरती, गरबा नृत्य एवं सांत्वना पुरुस्कार से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ममता अग्रवाल अध्यक्षता महिला मंडल की पूर्व अध्यक्ष रीता अग्रवाल, अग्रवाल महिला मण्डल की निमिषा अग्रवाल, अलका अग्रवाल, नीति अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल, पायल अग्रवाल ने पूजा अर्चना कर दीप प्रज्जवलन कर श्री अग्रसेन जी की आरती की। तत्पश्चात् श्री अग्रवाल महिला रामायण



मण्डल द्वारा रामायण पाठ, भजन प्रस्तुत किया एवं सभी प्रतियोगिता के सभी प्रतियोगियों को एवं प्रदर्शनकर्ता को भी सांत्वना पुरूस्कार का वितरण किया गया । सांत्वना पुरुस्कार शिवप्रसाद, यशकान्त अग्रवाल, उमा रतन अग्रवाल, ममता अनंतराम अग्रवाल, राजकुमार रोहित अग्रवाल, रोहिताश अग्रवाल द्वारा प्रदान किये गये। विशेष सम्मान अग्रवाल समाज के अध्यक्ष पवन मित्तल, मित्तल परिवार द्वारा प्रदान किये गये । छात्र-छात्राओं का सम्मान स्व. प्रकाशचन्द अग्रवाल की स्मृति में आदित्यप्रकाश, हर्षवर्धन अग्रवाल द्वारा प्रदान किये गये। इसी कड़ी में शिवाजी अखाड़ा के उस्ताज खलीफा का सम्मान स्मृति चिन्ह से किया गया एवं सभी अस्त्र शस्त्र एवं शक्ति प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं का सम्मान शील्ड से किया गया । तत्पश्चात् गरबा नृत्य गणेश वन्दना, देवीजी गीत से प्रारंभ हुआ । गरबा नृत्य दो वर्ग में प्रथम वर्ग में छात्राओं ने भाग लिया एवं द्वितीय वर्ग में महिलाओं ने भाग लिया ।

बिना स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम के धान कटाई करने पर हार्वेस्टर मालिक और चालक के विरुद्ध कार्यवाही

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य के निर्देशन तथा एसडीओपी स्लीमनाबाद आकांक्षा चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में थाना उमरियापान पुलिस द्वारा आदेशों के उल्लंघन पर सख्त कार्यवाही की गई है। विदित हो कि जिला कलेक्टर कटनी द्वारा जारी आदेश के तहत हार्वेस्टर वाहन से बिना स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम के धान की कटाई करना पूर्णत: प्रतिबंधित किया गया है। इसी परिपालन में दिनांक 1 नवम्बर को थाना उमरियापान क्षेत्रांतर्गत हार्वेस्टर क्रमांक एमपी 04डब्ल्यूए 8442 को बिना स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम के धान की फसल की कटाई



करते हुए पाया गया। मौके पर हार्वेस्टर चालक शेख हलीम उम्र 36 साल, निवासी ग्राम अल्ली, थाना व जिला रायसेन से पूछताछ की गई, जिसने बताया कि वह यह कटाई वाहन के स्वामी जितेन्द्र कुमार निवासी तलाब मोहल्ला, थाना व जिला रायसेन के कहने पर कर रहा था। चूंकि यह कृत्य प्रथम दृष्टया कलेक्टर महोदय के आदेश क्रमांक/ कृषि/ फ.अव.प्र./ 2025-2026 /5125/कटनी (दिनांक 09.03.2026) का स्पष्ट उल्लंघन पाया गयाए अत: थाना उमरियापान पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए अपराध क्रमांक 340/2026, धारा 223 बीएनएस (बीएनएस) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी उप निरीक्षक महेन्द्र जायसवाल, स.उनि. कोदूलाल दाहिया, प्र.आर. 757 आशीष मेहरा, प्र.आर. 492 अजय तिवारी, आर. 492 नीलेश पटेल और आर. 264 मोहन मुवेल की विशेष भूमिका रही।

7 माह पूर्व बाबा घाट रेलवे केबिन के सामने से चोरी गई मोटरसाइकिल बरामद

शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, रंग रूप बदलकर चला रहा था चोरी का वाहन

कटनी (स्वतंत्रमत)

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा द्वारा क्षेत्र में घटित हो रही वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा चोरी गए वाहनों की बरामदगी एवं आरोपियों की धरपकड़ किए जाने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी तारतम्य में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा करीब 7 माह पूर्व बाबा घाट रेलवे केबिन के सामने से चोरी गई रेलवे कर्मचारी की सुपर स्प्लेंडर मोटर साइकिल बरामद करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई है। पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल अपने कब्जे में रखकर उसकी पहचान छिपाते हुए उपयोग कर रहे शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। थाना क्षेत्र में लगातार हो रही वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने एवं चोरी गए वाहनों की पतासाजी हेतु मुखबिर तंत्र सक्रिय कर संदिग्ध व्यक्तियों पर सतत निगरानी रखी जा रही थी। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि गायत्री नगर कटनी निवासी शिवम कोरी नाम का युवक कई दिनों से एक मोटरसाइकिल अपने कब्जे में रखकर चला रहा है, जिसकी पहचान छिपाने के उद्देश्य से उसने वाहन की नंबर प्लेट एवं कंपनी के स्टीकर हटा दिए हैं। मुखबिर की सूचना पर दिनांक 2 नवम्बर को मुड़वारा रेलवे स्टेशन के पास घेराबंदी कर संदेही को बिना नंबर की सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल सहित पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम शिवम कोरी पिता रविशंकर कोरी उम्र 23 वर्ष निवासी गायत्री नगर, गुमान सिंह गली, कटनी बताया। मोटरसाइकिल के संबंध में पूछताछ करने पर पहले उसने वाहन स्वयं का





होना बताया तथा दस्तावेज घर पर रखे होने की बात कहकर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया। पुलिस द्वारा वाहन के इंजन एवं चेचिस नंबर के माध्यम से जांच करने पर मोटरसाइकिल मोहन लाल रैदास के नाम पर पंजीकृत होना पाया गया। संदेही से सघन पूछताछ करने पर उसने उक्त मोटरसाइकिल बाबा घाट स्थित रेलवे केबिन के पास से चोरी करना स्वीकार किया। उल्लेखनीय है कि उक्त मोटरसाइकिल चोरी होने के संबंध में फरियादी मोहन लाल रैदास पिता वीरन दास रैदास उम्र 33 वर्ष निवासी रेलवे मल्टी क्वार्टर नं. 353-ई, जैन कॉलोनी के पास, एनकेजे, जिला कटनी की रिपोर्ट पर दिनांक 09.03.2026 को थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 245/26 धारा 303(2) बीएनएस के तहत अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। पुलिस द्वारा आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी गई सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 54 एमडी 9432, कीमती करीब 50,000 रुपये बरामद की गई है। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राखी पाण्डेय ने बताया कि करीब 7 माह पूर्व बाबा घाट रेलवे केबिन के सामने से चोरी गई मोटरसाइकिल को बरामद करने में कोतवाली पुलिस को सफलता मिली है। गिरफ्तार आरोपी ने मोटरसाइकिल चोरी करने के बाद उसकी पहचान छिपाने के लिए नंबर प्लेट, कंपनी के स्टीकर एवं मडगार्ड निकालकर अलग कर दिए थे, जिससे कोई वाहन की पहचान न कर सके। आरोपी चोरी की मोटरसाइकिल को अपने पास रखकर लगातार उपयोग कर रहा था। आरोपी से अन्य वाहन चोरी की घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है।

जनसुनवाई: जनहित के विषयों पर महापौर प्रीति सूरी ने नागरिकों से किया सीधा संवाद

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर के नागरिकों की समस्याओं को सुनना, उनकी अपेक्षाओं को समझना और प्रत्येक आवेदन के समाधान की दिशा में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना नगर निगम की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी उद्देश्य से मंगलवार को नगर निगम कार्यालय में आयोजित महापौर जनसुनवाई में महापौर प्रीति संजीव सूरी ने शहर के विभिन्न वार्डों से पहुंचे नागरिकों से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी समस्याओं एवं मांगों को विस्तारपूर्वक सुना। जनसुनवाई के दौरान महापौर ने प्रत्येक आवेदक की बात को गंभीरता से समझा और संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ प्रकरणों पर चर्चा कर उनके निराकरण की दिशा में आवश्यक निर्देश दिए। जनसुनवाई में शहर के अलग-अलग क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने पेयजल आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट, अतिक्रमण, आवास योजना सहित नागरिक सुविधाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर आवेदन प्रस्तुत किए। महापौर ने नागरिकों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं की वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित



अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त प्रत्येक आवेदनों का परीक्षण कर नियमानुसार उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिन मामलों में तत्काल निर्णय एवं कार्रवाई संभव थी, उनमें मौके पर ही अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। महापौर ने अधिकारियों से कहा कि नगर निगम से संबंधित कार्यों एवं नागरिक समस्याओं के निराकरण में संवेदनशीलता और तत्परता का विशेष ध्यान रखा जाए। नागरिक अपनी समस्या के समाधान की उम्मीद लेकर नगर निगम पहुंचते हैं, इसलिए उनकी बात को पूरी गंभीरता से सुनना और उन्हें उचित मार्गदर्शन देना अधिकारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी नागरिक को नगर निगम से संबंधित कार्य के लिए बार-बार कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें। प्रत्येक आवेदन पर संबंधित विभाग समय-सीमा निर्धारित कर कार्रवाई करे तथा प्रकरण के निराकरण की प्रगति पर भी ध्यान रखे। महापौर ने कहा कि शहर का विकास केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं का बेहतर लाभ मिलना और उनकी समस्याओं का संतोषजनक समाधान होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जनसुनवाई नागरिकों और नगर निगम के बीच सीधे संवाद का प्रभावी माध्यम है।

भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने कड़ी चुनौतियां

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला वनडे मैच आज

ऑकलैंड (वार्ता)

बुधवार को ईडन पार्क में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले पहले वनडे मैच में, भारत के अनुभवहीन तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने केवल नई गेंद से गेंदबाजी करने के अलावा भी कई अन्य चुनौतियां होंगी। जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा के उपलब्ध न होने के कारण, शुरुआती विकेट दिलाने और साथ ही बीच के ओवरों और डेथ ओवरों में रनों की गति पर लगाम लगाने की जिम्मेदारी अब बाकी तेज गेंदबाजों पर होगी। न्यूजीलैंड में किसी भी विदेशी गेंदबाजी आक्रमण के लिए, शुरुआती कुछ ओवर एक बड़ी परीक्षा की तरह हो सकते हैं। वहां की परिस्थितियां गेंद को मूवमेंट दे सकती हैं, हवा स्विंग में मदद कर सकती है, और मेजबान टीम के बल्लेबाज अपने मैदानों के आकार का बखूबी फायदा उठाना जानते हैं। भारत के लिए चुनौती यह होगी कि वे शुरुआती मदद का पूरा फायदा उठाएं, ताकि न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को क्रीज पर जमने का मौका न मिले।

मोहम्मद सिराज का अनुभव काम आएगा

मोहम्मद सिराज का अनुभव यहां बहुत काम आएगा, जबकि अर्शदीप सिंह से उम्मीद होगी कि वे अपने बाएं हाथ के एंगल और नई गेंद को स्विंग कराने की अपनी क्षमता का सही इस्तेमाल करें। हालांकि, बड़ा सवाल यह है कि जब शुरुआती मूवमेंट खत्म हो जाएगा, तब क्या बाकी गेंदबाज दबाव बनाए रख पाएंगे? बुमराह की गैरमौजूदगी इसलिए भी अहम है क्योंकि वे न केवल विकेट चटकाते हैं, बल्कि गेंदबाजी पर बेहतरीन नियंत्रण भी रखते हैं। अहम मौकों पर किफायती गेंदबाजी करने वाला गेंदबाज कप्तान को काफी लचीलापन देता है। उनके बिना, पारी के तीनों चरणों में भारत के गेंदबाजी संसाधनों की कड़ी परीक्षा होगी।



कुलदीप और अक्षर की भूमिका भी अहम होगी

प्रसिद्ध कृष्णा के उपलब्ध न होने से भारत के पास तेज गेंदबाजी के विकल्प और भी कम हो गए हैं, जिससे मौजूद गेंदबाजों का प्रदर्शन और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। बीच के ओवरों में न्यूजीलैंड को हावी होने से रोकने में कुलदीप यादव और अक्षर पटेल की भूमिका भी अहम होगी। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड की टीम भी पूरी तरह से सेट बल्लेबाजी क्रम के साथ मैदान पर नहीं उतर रही है। मेजबान टीम कई खिलाड़ियों की चोटों से जूझ रही है; रचिन रवींद्र और मार्क चैपमैन वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। वहीं, ओपनर डेवोन कॉनवे भी बुधवार के मैच से बाहर हो गए हैं, क्योंकि ट्रेनिंग के दौरान तेज गेंदबाज मैट हेनरी से टकराने के बाद उन्हें कनकशन (सिर में चोट) हो गया है। कॉनवे का न होना मेजबान टीम के लिए काफी मुश्किल पैदा करने वाला है, क्योंकि नई गेंद का सामना करने और पारी को संवारने की उनकी क्षमता टॉप ऑर्डर को मजबूती देती है। रवींद्र के न होने से टीम एक ऐसे बहुमुखी बाएं हाथ के बल्लेबाज से वंचित हो गई है जो गेंदबाजी में भी योगदान दे सकता है, जबकि चैपमैन के चोटिल होने से मिडिल ऑर्डर में एक और आक्रामक विकल्प कम हो गया है।

हेनरी निकोल्स और टिम सीफर्ट को टीम में शामिल किया गया है, लेकिन स्थापित खिलाड़ियों की जगह लेना सिर्फ किसी दूसरे खिलाड़ी को उसी बैटिंग पोजीशन पर उतारने भर की बात नहीं होती।

रोहित और विराट की वापसी से भारत का आत्मविश्वास बढ़ेगा

दूसरी ओर, रोहित शर्मा और विराट कोहली की वनडे फॉर्मेट में वापसी से भारत का आत्मविश्वास बढ़ेगा, और शुभमन गिल टीम की कमान संभालेंगे। इन दो सीनियर बल्लेबाजों की मौजूदगी टीम को अनुभव और संयम देती है, खासकर ऐसी परिस्थितियों में जहां शुरुआती ओवरों में तुरंत आक्रामक होने के बजाय धैर्य रखने की जरूरत होती है। रोहित मूव होती गेंद के खिलाफ अपने अनुभव का इस्तेमाल करना चाहेंगे, जबकि कोहली की स्ट्राइक रोटेट करने और खराब गेंदों पर रन बटोरने की क्षमता पारी को आगे बढ़ाने में अहम साबित हो सकती है। गिल पर टीम की कप्तानी करने और सही समय पर गेंदबाजी में बदलाव करने की अतिरिक्त जिम्मेदारी होगी। भारत ने इससे पहले की टी20 सीरीज 3-2 से जीती थी, लेकिन वनडे फॉर्मेट एक अलग तरह की चुनौती पेश करता है। लंबे फॉर्मेट वाले इस खेल में अनुशासन, धैर्य और 50 ओवरों तक दबाव झेलने की क्षमता की जरूरत होती है।

तेज गेंदबाजों की गहराई को परखने का मौका

भारत के लिए, पहला मुकाबला अपने तेज गेंदबाजों की गहराई को परखने का मौका होगा। वहीं न्यूजीलैंड के लिए, चुनौती चोटों की समस्या से उबरने और अपनी जानी-पहचानी परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाने की होगी। ईडन पार्क में, जहां बाउंड्री और मैदान का आकार बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए खेल को दिलचस्प बना सकता है, वहां जीत-हार का फैसला इस बात से हो सकता है कि कौन सी टीम इन परिस्थितियों के साथ जल्दी तालमेल बिठा पाती है।

पहला वनडे बुधवार को भारतीय समयानुसार सुबह 7.30 बजे शुरू होगा।



सिंधु और मीराबाई समेत 10 खिलाड़ी आईओए एथलीट्स कमीशन के लिए निर्विरोध चुने गए

नयी दिल्ली (वार्ता)। ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और मीराबाई चानू उन 10 खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्हें मंगलवार को भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के एथलीट्स कमीशन के लिए निर्विरोध चुना गया। सोमवार देर रात पूर्व ट्रैक एंड फील्ड एथलीट सुधा सिंह के अपनी उम्मीदवारी वापस लेने के बाद, चुनाव निर्विरोध हो गया। अब 10 पदों के लिए केवल 10 उम्मीदवार ही बचे थे। रिटर्निंग ऑफिसर संजय के. श्रीवास्तव ने मंगलवार को आधिकारिक तौर पर इन 10 सदस्यों के चुने जाने की घोषणा की। इस कमीशन में पांच पुरुष और पांच महिलाएं शामिल हैं। शटलर किदांबी श्रीकांत ने भी सोमवार को चुनाव से अपना नाम वापस ले लिया था। नवनिर्वाचित सदस्य अब एक अध्यक्ष और उपाध्यक्षों का चुनाव करेंगे, जिसमें इन दो पदों के लिए एक पुरुष और एक महिला को चुना जाएगा। अध्यक्ष और उपाध्यक्ष आईओए कार्यकारी परिषद (एग्जीक्यूटिव काउंसिल) के सदस्य बनेंगे। कमीशन के दो अन्य सदस्यों (एक पुरुष और एक महिला) को वोट देने के अधिकार के साथ आईओए जनरल बॉडी में नामित किया जाएगा। वे 5 दिसंबर को होने वाले आईओए कार्यकारी परिषद के चुनावों में एथलीट्स कमीशन का प्रतिनिधित्व करेंगे। कमीशन के नेतृत्व और आईओए जनरल बॉडी के लिए दो प्रतिनिधियों को चुनने के लिए चुनाव बाद में अलग से आयोजित किए जाएंगे। एथलीट्स कमीशन के 10 सदस्य हैं- पीवी सिंधु, मीराबाई चानू, हरमनप्रीत सिंह, सलीमा टेटे, स्वप्निल कुसाले, भवानी देवी, तजिंदरपाल सिंह तूर, बोम्बायला देवी, साजन प्रकाश और मंजीत सिंह।

मोहाली में आज भारत-दक्षिण कोरिया और जापान-मलेशिया के बीच सेमीफाइनल

चीन और बांग्लादेश पांचवें स्थान के लिए भिड़ेंगे

मोहाली (वार्ता)

पंजाब के जालंधर में लीग मुकाबले संपन्न होने के बाद हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के नॉकआउट चरण के मुकाबलों के लिए मोहाली तैयार है। बुधवार को यहां दो सेमीफाइनल और पांचवें स्थान के लिए एक मुकाबला खेला जाएगा। ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर हॉकी स्टेडियम में पहली बार कोई अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैच आयोजित होगा। प्रतियोगिता के लीग चरण में भारत ने अपने सभी पांच मुकाबले जीतकर पहला स्थान हासिल किया। जापान दूसरे, मलेशिया तीसरे, दक्षिण कोरिया चौथे, चीन पांचवें और बांग्लादेश छठे स्थान पर रहा। चार नवंबर को दोपहर दो बजे पांचवें स्थान के लिए चीन और बंगलादेश आमने-सामने होंगे। पहला सेमीफाइनल शाम 4.30 बजे जापान और मलेशिया के बीच खेला जाएगा, जबकि दूसरे



सेमीफाइनल में शाम सात बजे भारत का मुकाबला दक्षिण कोरिया से होगा। दोनों सेमीफाइनल के विजेता पांच नवंबर को होने वाले फाइनल में भिड़ेंगे, जबकि पराजित टीमों के बीच कांस्य पदक का मुकाबला होगा। प्रतियोगिता में भारत अब तक अजेय रहा है और उसने पांचों मैच जीते हैं। जापान ने तीन मुकाबले जीते और एक ड्रॉ खेला, जबकि मलेशिया ने तीन तथा दक्षिण कोरिया ने दो मैच जीते हैं। भारत ने अब तक सर्वाधिक 34 गोल किए हैं। मलेशिया ने 17, दक्षिण कोरिया और चीन ने 10-10, जापान ने नौ तथा बांग्लादेश ने दो गोल किए हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह नौ गोल के साथ टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर हैं। मलेशिया के अबू कमाल अजरी पांच गोल के साथ दूसरे स्थान पर हैं। भारत के दिलप्रीत सिंह और सुखजीत सिंह तथा चीन के बेनहाई चेन ने चार-चार गोल किए हैं। टूर्नामेंट के अब तक आठ संस्करण आयोजित हो चुके हैं। भारत छह बार फाइनल में पहुंचा है और पांच बार खिताब जीत चुका है, जिसमें एक संयुक्त खिताब भी शामिल है। दक्षिण कोरिया ने एक बार खिताब जीता है। जापान दो बार और मलेशिया एक बार उपविजेता रहा है। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का आगाज 27 अक्टूबर को जालंधर के ओलंपियन सुरजीत हॉकी स्टेडियम में हुआ था। प्रतियोगिता का फाइनल पांच नवंबर को मोहाली के ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा।

ज़्वेरेव को पेरिस में वर्ल्ड नंबर 1 की ट्रॉफी मिली

पेरिस (वार्ता)। सोमवार को, 29 वर्षीय ज़्वेरेव एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 पर पहुंचने वाले 30वें खिलाड़ी बन गए। ऐसा करने वाले वे केवल दूसरे जर्मन खिलाड़ी हैं। फ्रांसीसी एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट के कोर्ट सेंट्रल पर ज़्वेरेव की इस उपलब्धि का जश्न मनाया गया। कोर्ट पर एटीपी चेयरमैन एंड्रिया गौडेंज़ी और टूर्नामेंट डायरेक्टर सेड्रिक पियोलिन की मौजूदगी में, ज़्वेरेव ने नंबर 1 की ट्रॉफी उठाई। ज़्वेरेव ने कहा, पेरिस में इसका जश्न मनाना बेहद खास है, क्योंकि कुछ महीने पहले ही मैंने यहीं अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। मुझे यह शहर हमेशा से पसंद रहा है... पेरिस में यह ट्रॉफी पाना मेरे लिए बहुत खास है। इस खास पल का जश्न मनाते समय ज़्वेरेव के साथ उनकी टीम के सदस्य भी मौजूद थे, जिनमें उनके पिता अलेक्जेंडर ज़्वेरेव सीनियर और भाई मिशा ज़्वेरेव शामिल थे। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने उनके सहयोग के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। इस उपलब्धि के बारे में ज़्वेरेव ने कहा, यह पूरी टीम की मेहनत है। हम कई सालों से एक साथ हैं। मैं अपनी टीम में बदलाव नहीं करता; पिछले 10 सालों से मेरी टीम वही है। यह पूरी तरह से टीम की मेहनत का नतीजा है। हम सभी ने बहुत कड़ी मेहनत की है, और यहाँ मौजूद सभी लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद। नंबर एक के खास समूह के कई सदस्यों ने वीडियो के ज़रिए ज़्वेरेव को बधाई संदेश भेजे; इनमें राफेल नडाल, यानिक सिनर और पीट सम्प्रास जैसे खिलाड़ी शामिल थे।



ग्लेन मैक्सवेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया

मेलबर्न (वार्ता)।

आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 38 वर्षीय यह ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी प्रथम श्रेणी क्रिकेट और लिस्ट ए गेम से भी दूर जा रहा है। वे बीबीएल में मेलबर्न स्टार्स के लिए खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे, क्योंकि उनका कॉन्ट्रैक्ट 2027-28 सीज़न तक बढ़ा दिया गया है। मैक्सवेल ने पिछले साल जून में ही वनडे छोड़ दिया था, लेकिन उन्होंने टी20 के लिए खुद को उपलब्ध रखा था और 2026 में शॉर्ट-फ़ॉर्मेट का विश्व कप खेला था, जहां उनकी टीम ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाई थी। उस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया का आख़िरी मैच, जो फ़रवरी में ओमान के ख़िलाफ़ था, अब उनके देश के लिए खेला गया उनका आख़िरी मैच बन गया है। उस मैच में उन्होंने गेंद से दो विकेट लिए थे और उन्हें बल्लेबाज़ी का मौक़ा नहीं मिला था। मैक्सवेल ने फ़ाइनल वर्ड पॉडकास्ट पर कहा, टी 20 विश्व कप से पहले और बाद में शायद हमारी कई चर्चाएं हुई थीं। और यह काफ़ी ओपन-एंडेड था। उस तरफ़ से (ऑस्ट्रेलिया टीम



प्रबंधन) कोई दबाव नहीं था, और हमने एक तरह से दरवाज़ा खुला छोड़ने का फ़ैसला किया था। कुछ सीरीज़ आने वाली थीं; वे भविष्य की ओर देखने वाले थे, और हमने इसे बंगलादेश में देखा जहां खिलाड़ियों को मौक़े मिले और उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। दो बार के वनडे विश्व कप विजेता और 2021 में ऑस्ट्रेलिया के टी20 विश्व चैंपियन बनने पर विजयी रन बनाने वाले मैक्सवेल की इच्छा थी कि वे अपने घरेलू मैदान पर अपने देश के लिए आख़िरी बार मैदान में उतर सकें। मुझे लगता है, एक छोटी सी उम्मीद या चर्चा थी कि शायद मुझे एमसीजी में एक विदाई मैच मिल सके। लेकिन मैं पूरी तरह से समझ सकता हूं कि वे इस स्क्वॉड को किस दिशा में ले जा रहे हैं। मुझे लगता है कि 2028 में ओलंपिक के आने के साथ अगले 12 से 24 महीनों में बहुत सारे बदलाव होने वाले हैं, और उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि वे उभरते हुए कुछ युवा खिलाड़ियों पर नज़र रखें और यह सुनिश्चित करें कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय दबाव का सामना करने का अनुभव मिले, जो शायद आपको हमेशा बीबीएल मैच से नहीं मिल सकता। मैक्सवेल फ़्रेंचाइज़ी सर्किट में सक्रिय रहे हैं और सितंबर में पहले यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग के फ़ाइनल में बेलफ़ास्ट वूल्व्स की कप्तानी की थी। पांच दिन बाद, उन्होंने वनडे कप में दो मैचों के लिए विक्टोरिया का प्रतिनिधित्व किया।

शेयर बाजारों में लगातार चौथे दिन तेजी

सेंसेक्स 1,225 अंक उछला

मुंबई (वार्ता)

घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार चौथे दिन तेजी रही और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स दो महीने से अधिक के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स 796 अंक चढ़कर 76,288 अंक पर खुला और अंत में 1,225.07 अंक (1.62 प्रतिशत) ऊपर 76,917.85 अंक पर बंद हुआ। इस सप्ताह दो दिन में सेंसेक्स 2,458 अंक चढ़कर गत 01 सितंबर के बाद के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 370.05 अंक यानी 1.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,810.85 अंक पर बंद



हुआ जो 04 सितंबर के बाद का इसका उच्चतम स्तर है।वृहत बाजार में भी सभी सूचकांक हरे निशान में रहे। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.14 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.31 फीसदी चढ़ा। सेक्टर आधारित सूचकांकों में निफ्टी एफएमसीजी सबसे अधिक 3.65 प्रतिशत चढ़ा। रियल्टी में 2.33 प्रतिशत की तेजी रही। ऑटो, वित्त, रसायन और सीमेंट सेक्टरों के सूचकांक एक से दो प्रतिशत तक चढ़े। बैंकिंग, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और तेल एवं गैस सेक्टरों में भी अच्छी तेजी रही। सार्वजनिक बैंकों में बिकवाली का जोर रहा। इसके अलावा सिर्फ धातु सेक्टर में गिरावट रही। एनएसई में जिन 3,713 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,127 के शेयरों तेजी और 1,477 में गिरावट रही। अन्य 109 कंपनियों के शेयर अंतत: अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 25 के शेयर हरे निशान में बंद हुए। हिंदुस्तान यूनीलिवर का शेयर 4.16 प्रतिशत और भारती एयरटेल का चार प्रतिशत चढ़ा। एचडीएफसी बैंक में 3.62 फीसदी, एशियन पेंट्स में 3.53, अल्ट्राटेक सीमेंट में 3.05, आईसीआईसीआई बैंक में 2.80 और आईटीसी में 2.76 फीसदी की तेजी रही। टाइटन का शेयर 1.90 प्रतिशत, इंडिगो का 1.85, एक्सिस बैंक का 1.82, मारुति सुजुकी का 1.79, बजाज फिनसर्व का 1.78, इटरनल का 1.73, कोटक महिंद्रा बैंक का 1.31, बजाज फाइनेंस का 1.24, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 1.12 और बीईएल का 0.97 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। इंफोसिस, अडानी पोर्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टीसीएस के शेयर भी चढ़ गए। पावरग्रिड में 2.27 प्रतिशत और भारतीय स्टेट बैंक में 1.77 प्रतिशत की गिरावट रही। एनटीपीसी, टाटा स्टील और ट्रेंट के शेयर भी नुकसान में रहे। वैश्विक स्तर पर एशिया में हांगकांग का हैंग सेंग 0.57 प्रतिशत की बढ़त में रहा जबकि चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.82 फीसदी और जापान के निक्केई में 0.33 फीसदी की गिरावट रही। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.53 फीसदी और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.45 फीसदी नीचे था।

एनएसई को दूसरी तिमाही में 2,578 करोड़ का मुनाफा

मुंबई (वार्ता)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में समेकित आधार पर 2,578 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले 23 प्रतिशत अधिक है। प्रतिस्पर्धी शेयर बाजार बीएसई में सूचीबद्ध होने के बाद एनएसई ने मंगलवार को अपना पहला तिमाही परिणाम जारी किया। गत 30 सितंबर को समाप्त दूसरी तिमाही में कंपनी की कुल आय सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़कर 4,554 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इसमें 3,035 करोड़ रुपये की आमदनी ट्रांजेक्शन शुल्क से हुई है। एक साल पहले के मुकाबले यह भी नौ प्रतिशत अधिक है। नकदी बाजार और इक्विटी ऑप्शन सिग्मेंट में ट्रेडिंग की मात्रा बढ़ने के कारण यह वृद्धि देखी गई है।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने स्थापित किए 350 से अधिक ग्राहक संपर्क केंद्र

नई दिल्ली। स्कोडा ऑटो इंडिया ने देशभर में अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए, 193 शहरों में 350 से अधिक ग्राहक संपर्क केंद्र स्थापित किए हैं, जिससे ग्राहकों के लिए इसके उत्पादों और वाहन स्वामित्व संबंधी सेवाओं तक पहुँच और आसान हुई है। 30 अक्टूबर, 2026 को इम्फाल में अपने 350वें ग्राहक संपर्क केंद्र का उद्घाटन करके ब्रांड ने यह उपलब्धि हासिल की और इसके साथ ही मणिपुर में भी प्रवेश किया। यह विस्तार स्थापित बाजारों के साथ-साथ उभरते क्षेत्रों में भी बिक्री और बिक्री-पश्चात सेवाओं को ग्राहकों के और करीब पहुँचाने की स्कोडा ऑटो इंडिया की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक आशीष गुप्ता ने कहा, 193 शहरों में 350 से अधिक ग्राहक संपर्क केंद्रों का आँकड़ा पार करना पूरे भारत में ग्राहकों के लिए स्कोडा को और करीब लाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारत में स्कोडा ब्रांड को और मजबूत बनाने के हमारे दृष्टिकोण को साझा करने के लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूँ। नए बाजारों में प्रवेश करते समय हमारी प्राथमिकता स्पष्ट है, बिक्री और बिक्री-पश्चात सेवाओं के दौरान ग्राहकों को एक समान और समृद्ध अनुभव प्रदान करना। हमारे बढ़ते उत्पाद पोर्टफोलियो और ग्राहक-केंद्रित पहलों के साथ, यह विस्तृत होता नेटवर्क ग्राहकों का विश्वास मजबूत करने और देशभर में उनकी पसंद का ब्रांड बने रहने में हमारी मदद करेगा।

एसबीआई को दूसरी तिमाही में 23,038 करोड़ रुपये का मुनाफा

मुंबई (वार्ता)। सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर 2026) में 23,038 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। यह पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले 14.28 फीसदी अधिक है। बैंक ने मंगलवार को वित्तीय परिणामों की घोषणा की। उसने बताया कि दूसरी तिमाही में ब्याज से प्राप्त उसकी शुद्ध आय 14.69 फीसदी बढ़कर 49,143 करोड़ रुपये पर रही। बैंक ने ब्याज के रूप में 1,32,019 करोड़ रुपये की कमाई की जबकि जमा पर ब्याज के रूप में उसने ग्राहकों को 82,876 करोड़ रुपये का भुगतान किया। तिमाही के दौरान बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ है। सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) का उसका अनुपात पहली तिमाही के 1.47 फीसदी से घटकर 1.39 फीसदी और शुद्ध एनपीए अनुपात 0.38 प्रतिशत से कम होकर 0.36 प्रतिशत रह गया। बैंक ने जोखिम में फंसे ऋण के लिए 2,759 करोड़ रुपये का प्रावधान किया जो एक साल पहले की तुलना में 17.86 फीसदी कम है। बैंक द्वारा दिया गया कुल ऋण 52,08,344 करोड़ रुपये रहा जो सालाना आधार पर 17.84 प्रतिशत की बढ़ोतरी दिखाता है। वहीं, बैंक के पास जमा राशि 12.27 फीसदी बढ़कर 60,05,805 करोड़ रुपये रही। घरेलू कंपनियों को दिया गया कॉर्पोरेट ऋण 16.12 फीसदी बढ़कर 14,39,156 करोड़ रुपये हो गया। घरेलू खुदरा ग्राहकों को दिया गया ऋण 18,25,083 करोड़ रुपये रहा जिसमें होम लोन की हिस्सेदारी 9,85,537 करोड़ रुपये है। जमा में घरेलू ग्राहकों के बचत एवं जमा खातों का योगदान 22,96,883 करोड़ रुपये है।

बायोइकोनॉमी में विश्व की अग्रणी ताकत बन सकता है भारत : पीयूष गोयल

नयी दिल्ली (वार्ता)

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने देश को बायोइकोनॉमी (जैव प्रौद्योगिकी आधारित अर्थव्यवस्था) के क्षेत्र में विश्व स्तर पर अग्रणी देश (ग्लोबल लीडर) के रूप में स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए सरकार और सभी हितधारकों के बीच सहयोग संवाद के महत्व पर बल दिया है। श्री गोयल यहां भारत में बायोइकोनॉमी अवसर- नवाचार और विकास को बढ़ावा देने में स्टार्टअप्स की भूमिका विषय पर एक उच्च-स्तरीय गोलमेज बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। वाणिज्य मंत्रालय की मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस बैठक का आयोजन उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने नीति आयोग और नीति फ्रंटियर टेक हब के सहयोग से किया था। इस बैठक में नीति-



निर्माताओं, उद्योग जगत के दिग्गजों और बायोफार्मा स्टार्टअप्स ने हिस्सा लिया। इसका उद्देश्य भारत की बायोइकोनॉमी के विकास को तेज करने के उपायों पर चर्चा करना था। श्री गोयल ने इस क्षेत्र में तेजी से प्रगति के लिए मंजूरी मिलने, वित्त तक बेहतर पहुंच, साझा बुनियादी ढांचे और उद्योग, शिक्षा जगत तथा सरकार के बीच मजबूत सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने गोलमेज बैठक से निकले सुझावों पर एक निश्चित समय-सीमा के भीतर कार्रवाई करने का भी आह्वान किया। बैठक में चर्चाओं का मुख्य केंद्र बायोफार्मा स्टार्टअप परितंत्र को मजबूत करना था। वक्ताओं ने इसके लिए नियमों को सरल बनाने, तेजी से मंजूरी देने, रेगुलेटरी सैंडबॉक्स (नियंत्रित और सीमित परीक्षण वातावरण) लागू करने, सिंगल विंडो क्लीयरेंस की सुविधा देने, वैश्विक नियमों के साथ तालमेल बिठाने और पेटेंट आवेदन प्रक्रिया को आसान बनाने पर जोर दिया गया। इस दौरान केंद्रीय बजट 2026-27 में घोषित बायोफार्मा शक्ति के महत्व पर भी चर्चा हुई। इसके साथ ही, प्रयोगशालाओं, परीक्षण सुविधाओं और क्लिनिकल ट्रायल सुविधाओं जैसे साझा बुनियादी ढांचे को विकसित करने की आवश्यकता पर बात की गई, ताकि लागत कम हो सके और स्टार्टअप्स अपने नवाचारों का विस्तार कर सकें। नीति आयोग की अध्येता देबजानी घोष ने एक वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बायोइकोनॉमी बनाने के लिए स्टार्टअप्स, उद्योग, शिक्षा जगत और सरकार के बीच सहयोग के महत्व को उजागर किया। नीति आयोग के सदस्य प्रो. गोवर्धन दास ने अनुसंधान क्षमताओं को मजबूत करने और वैज्ञानिक खोजों को व्यावसायिक रूप से उपयोगी उत्पादों में बदलने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सभी मूल्य के पर्याप्त नोट उपलब्ध: आरबीआई

मुंबई, (वार्ता)। त्योहारी सीजन के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने स्पष्ट किया है कि सभी मूल्य के नोट बाजार में पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं। केंद्रीय बैंक ने



सोशल मीडिया पर आरबीआई गवर्नर के नाम से प्रचारित एक फर्जी सर्कुलर के सामने आने के बाद यह स्पष्टीकरण दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी स्पष्टीकरण में कहा है कि उसे पता चला है कि कुछ तत्व इस फर्जी सर्कुलर को फैला रहे हैं। इस सर्कुलर में, जिस पर आरबीआई गवर्नर के फर्जी दस्तावेज भी हैं, त्योहारी सीजन में 10 रुपये, 20 और 50 के कम मूल्य वाले नोटों की कमी हो सकती है। आरबीआई ने अपने पोस्ट में लिखा है, सर्वप्रथम यह स्पष्ट किया जाता है कि आरबीआई के वॉल्ट और करेंसी चेस्ट में सभी मूल्य के, जिनमें छोटे मूल्य वर्ग के नोट भी शामिल हैं, पर्याप्त नोट उपलब्ध हैं। केंद्रीय बैंक ने आम लोगों से अपील की है कि वे गलत और भ्रामक जानकारियों की बजाय ऐसे मामलों में केवल आरबीआई द्वारा समय-समय पर जारी की गई जानकारी पर ही भरोसा करें।

शराब माफिया के विरुद्ध निडरता के साथ प्रभावी कार्रवाई करे पुलिस : डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री ने म.प्र. पुलिस अकादमी भौंरी में दीक्षांत परेड समारोह को किया संबोधित

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि युवा पुलिस अधिकारी सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हुए रील बनाने से अधिक रियल प्रॉब्लम सुलझाने पर ध्यान दें। सोशल मीडिया का उपयोग आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान और उनकी सहायता के लिए करें। पुलिस अधिकारी गरीबों, महिलाओं और बच्चों की मदद के लिए देवदूत की तरह कार्य करें। ऐसे अधिकारी बनें, जिनका सम्मान समाज के प्रत्येक वर्ग में हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी, भौंरी के परेड ग्राउंड में मंगलवार को आयोजित 44वें एवं 45वें बैच के उप पुलिस अधीक्षकों के दीक्षांत परेड समारोह को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व दीक्षांत परेड समारोह में राष्ट्रीय निशान टोली के आगमन के साथ पुलिस बैंड ने राष्ट्रगान जन गण मन की धुन प्रस्तुत की। इस अवसर पर प्रशिक्षु पुलिस अधिकारियों को शपथ दिलाई गई। इसके बाद नव प्रशिक्षित अधिकारियों ने अनुशासन, समर्पण और कर्तव्य निष्ठा का परिचय देते हुए सधे हुए कदमों और उत्कृष्ट तालमेल से परेड मार्च किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परेड की सलामी लेकर निरीक्षण किया। परेड में अधिकारियों ने प्रदेश और राष्ट्र की सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षु अधिकारियों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, प्रशिक्षु अधिकारियों के परिजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस के 48 प्रशिक्षु अधिकारी प्रशिक्षण पूर्ण कर प्रदेश की सेवा के लिए तैयार हैं। यह युवा अधिकारियों के लिए पब्लिक सर्विस में प्रवेश का महत्वपूर्ण अवसर है। पुलिस सेवा में आने के साथ ही उनके कंधों पर प्रदेश की सुरक्षा और नागरिकों की सेवा की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी अधिकारियों को प्रशिक्षण पूर्ण करने पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

लगातार बदल रही हैं अपराध की चुनौतियां

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस ने अपनी तत्परता, कर्तव्य निष्ठा और साहस से उत्कृष्ट प्रतिमान स्थापित किए हैं। प्रदेश का चंबल और रीवा



अंचल दशकों तक दस्यु समस्या से प्रभावित रहा, लेकिन पुलिस ने अपनी कुशल कार्य क्षमता से इसका उन्मूलन किया।

इसके बाद नक्सलवाद के विरुद्ध प्रभावी अभियान चलाकर प्रदेश को नक्सल मुक्त बनाया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करते हुए मध्यप्रदेश पुलिस के वीर जवानों ने निर्धारित समय-सीमा से पहले नक्सलवाद को समाप्त करने में सफलता प्राप्त की। मध्यप्रदेश ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बना है। उन्होंने कहा कि अपराध की चुनौतियां लगातार बदल रही हैं। युवा पुलिस अधिकारी आधुनिक तकनीक के साथ कदमताल करें और अपने कर्तव्य के मार्ग पर ऐसा जीवन जिएं, जो समाज के लिए आदर्श बने।

मध्यप्रदेश वर्ष 2029 तक बनेगा नशा मुक्त राज्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस ने दस्यु समस्या और नक्सलवाद के बाद अब नशे के खिलाफ बड़ी मुहिम शुरू की है। प्रदेश को वर्ष 2029 तक नशा मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस अभियान में सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने अवैध शराब के कारोबार और शराब माफिया के विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी अवैध शराब के तंत्र को ध्वस्त करेंगे। उन्होंने पुलिस महानिदेशक श्री मकवाना से कहा कि प्रदेशभर में शराब माफियाओं के विरुद्ध निडर होकर कठोर कार्रवाई करें। हमारी सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ बलिदानियों के योगदान और साहस का सदैव स्मरण रखेगी। हमारे कर्तव्यनिष्ठ पुलिसकर्मियों के बल पर राज्य सरकार निश्चित रूप से सभी उद्देश्यों की पूर्ति करेगी।

पुलिस विभाग में निरंतर जारी है भर्ती प्रक्रिया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के कल्याण की चिंता करना सरकार का दायित्व है। राज्य सरकार ने पिछले तीन वर्षों में पुलिस विभाग में 17 हजार 710 पदों पर भर्ती की है। कुल 22 हजार 500 पदों पर भर्ती का लक्ष्य रखा गया है। नव नियुक्त अधिकारी-कर्मचारियों का प्रशिक्षण निरंतर जारी है। सरकार ने पुलिस विभाग में पदोन्नति के माध्यम से भी अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया है। नक्सल विरोधी अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 60 से अधिक पुलिसकर्मियों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन दिया गया है।

पुलिस प्रशिक्षण के लिए बेहतर सुविधाएं होंगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस अकादमी भौंरी में 12 करोड़ रुपये की लागत से ऑडिटोरियम बनाने, विद्युत सब स्टेशन स्थापित करने और एक किलोमीटर लंबे एप्रोच रोड के निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों को बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है, जिससे वे अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकें।

पुलिस की सबसे बड़ी शक्ति जनता का विश्वास

पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना ने कहा कि यूनिफॉर्म सर्विस में पासिंग आउट परेड अधिकारी के जीवन की महत्वपूर्ण स्मृति होती है। वर्ष 2014 से डीएसपी स्तर के अधिकारियों का प्रशिक्षण भोपाल स्थित भौंरी पुलिस अकादमी में कराया जा रहा है। इस बार 48 अधिकारियों ने प्रशिक्षण पूर्ण किया है, जिनमें 20 महिला अधिकारी शामिल हैं। अकादमी में पहली बार रेडियो संवर्ग के डीएसपी स्तर के अधिकारियों को भी प्रशिक्षित किया गया है।



एनीमिया पर कार्य करना समाज की बड़ी सेवा : मुख्यमंत्री यादव

डॉ. एके द्विवेदी द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन

भोपाल (स्वतंत्र मत)। होम्यौपैथिक मेडिकल एसोसिएशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य, केंद्रीय होम्यौपैथी अनुसंधान परिषद् के वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड के सदस्य और मप्र मेडिकल साइंस विवि में होम्यौपैथी संकाय के अंतर्गत बोर्ड ऑफ स्टडी के सदस्य डॉ. एके द्विवेदी द्वारा लिखित पुस्तक 'आधुनिक एनीमिया विज्ञान समग्र वैज्ञानिक दृष्टिकोण' का विमोचन गत दिवस मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में आयोजित एक गरिमामय समारोह में किया। विमोचन के बाद मुख्यमंत्री ने पुस्तक का अवलोकन किया और एनीमिया जैसे महत्वपूर्ण जनस्वास्थ्य विषय पर डॉ. द्विवेदी के लेखन एवं जागरूकता संबंधी प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर पुस्तक के सह-लेखक डॉ. अथर्व द्विवेदी भी मौजूद रहे। पुस्तक में डॉ. अथर्व द्विवेदी के साथ अन्य सह-लेखकों का भी महत्वपूर्ण योगदान है। पुस्तक में एनीमिया को आधुनिक चिकित्सा विज्ञान, पोषण, स्वास्थ्य शिक्षा और जनजागरूकता के व्यापक संदर्भ में प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। डॉ. ए.के. द्विवेदी लंबे समय से एनीमिया के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न अभियानों, स्वास्थ्य शिविरों, हीमोग्लोबिन जांच, पोषण जागरूकता कार्यक्रमों और व्याख्यानों के माध्यम से कार्य कर रहे हैं। उनका मानना है कि एनीमिया की पहचान होने पर केवल हीमोग्लोबिन का स्तर देखना पर्याप्त नहीं है। रोगी की आयु, स्वास्थ्य स्थिति, पुस्तक में विभिन्न चिकित्सा विषयों से जुड़े विशेषज्ञों का योगदान भी शामिल है। सह-लेखकों में डॉ. वैभव चतुर्वेदी विभागाध्यक्ष मनोचिकित्सा विभाग कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल इंदौर, डॉ. कनक चतुर्वेदी एमडी बायोकेमिस्ट्री तथा डॉ. अथर्व द्विवेदी एमबीबीएस शामिल हैं।

टीआई की हत्या करने वाले शराब माफिया को दी जाए कड़ी सजा



दमोह (स्वतंत्र मत)।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में खातेगांव में शराब माफिया द्वारा टीआई दिलीप पुरी गोस्वामी पर गाड़ी चढ़ा कर हत्या करने के विरोध में मप्र पुलिस महानिदेशक के नाम कांग्रेसजनों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा और ज्ञापन सौंपते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष मानक पटेल ने कहा कि गृह विभाग स्वयं मुख्यमंत्री के पास है पहले जहरीली शराब को लेकर कई व्यक्तियों की अकस्मात मौत हुई। अब शराब माफिया बेखौफ होकर कानून के रखवालों की भी जघन्य हत्या कर सरकारी महकमों को ठेंगा दिखा रहे है। संगठन महासचिव नितिन मिश्रा, परम यादव, वीरेन्द्र राजपूत, प्रफुल्ल श्रीवास्तव, बबलू भटट, शमीम कुरैशी, कमला निषाद, दिनेश रैकवार, वीरेन्द्र चौबे, अभिषेक यादव, संजय सेठ, मुकेश रोहिताश ने भी नारेबाजी करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में अपराधो का ग्राफ दिनोदिन तेजी से बढ़ रहा है। मप्र सरकार को चाहिये ऐसे शराब माफियाओं को पकड़कर फांसी दे। जिससे दूसरे अपराधी अपराध करने से पहले होने वाली सजा का सुनकर कांप जाये। इस अवसर पर पार्षद पप्पू कसोटया, जीशान पठान, हेमराज सहित जावेद रोजान, एके चिश्ती, श्रीकांत पटेल, राकेश राय के साथ अनेको कांग्रेसजनों की उपस्थिति रही।

अकेली महिला के घर पहुंचे व्यक्ति और पुलिस कर्मियों पर कृषि उपकरण ले जाने का आरोप

हटा (स्वतंत्र मत)। थाना क्षेत्र के कुलुआ कलां निवासी एक महिला ने व्यक्ति और उसके साथ पहुंचे तीन पुलिसकर्मियों पर घर में घुसकर गाली गलौज करने, धक्का देने और कृषि उपकरण उठाकर ले जाने का आरोप लगाया है। पीड़ित महिला तारा पति परसराम साहू ने मंगलवार को दमोह में पुलिस अधीक्षक की जनसुनवाई में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में महिला ने बताया कि उसके पति दिल्ली में मजदूरी करते हैं। 29 अक्टूबर को दोपहर में चंडीजी वार्ड निवासी सुरेश साहू तीन पुलिस कर्मियों के साथ ट्रैक्टर से उसके घर पहुंचा। दरवाजा खुलवाकर पति के बारे में पूछताछ की। पति के दिल्ली में होने की जानकारी देने पर उसके साथ गाली गलौज की और धक्का दिया। महिला का आरोप है कि उसे मारने के लिए भी दौड़े। इसके बाद घर में रखी मोटर पंप, सेंट्रीफ्यूगल पंप, डिलीवरी पाइप और 8 नोजल सहित अन्य कृषि उपकरण ट्रैक्टर में रखकर ले गए। साथ आए पुलिस कर्मियों ने पति के लौटने पर देखने की बात कही।

सुरक्षित बचपन हर बच्चे का अधिकार : प्रधान जिला न्यायाधीश

सुरक्षित बचपन अभियान अंतर्गत उत्कृष्ट विद्यालय में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से छात्र-छात्राओं को दी पॉक्सो अधिनियम की जानकारी

दमोह (स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार 6 नबम्बर तक चलने वाले सुरक्षित बचपन अभियान के अतर्गत शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दमोह में प्रधाान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष सुभाष सोलंकी की उपस्थिति में पॉक्सो अधिनियम के संबंध में नुक्कड नाटक का मंचन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष सुभाष सोलंकी पंकज कुमार वर्मा, जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया, प्राचार्य आरपी पटेल सहित शिक्षकगण एवं विद्यालयीन छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष सुभाष सोलंकी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हर बच्चे का बचपन सुरक्षित और खुशहाल होना उसका अधिकार है कोई भी बच्चा डर अज्ञानता के कारण शोषण का शिकार न हो इसकी जानकारी हर बच्चे को होना आवश्यक है। बच्चों के साथ होने वाले शोषण में किसी परिचित्त की संलिप्तता होती है इस बात को बच्चों को अच्छे से समझना चाहिए और अपने साथ होने वाले शोषण की जानकारी देकर संबंधित के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करनी चाहिए।

विद्यालय में अध्ययनरत छात्रा यशी सेन, राधिका लोधी, सुरभि लोधी, प्रिंसी लोधी, रश्मि लोधी, शिवानी लोधी, संजना रैकवार, प्रियंका लोधी, कल्पना पाल, अंकिता अहिरवाल, वैष्णवी ठाकुर, भावना कुर्मी ने नुक्कड नाटक के माध्यम से बच्चों को समझाया कि उनके साथ होने वाले गलत व्यवहार को नहीं छुपाएंगे व अपने मित्रों के साथ भी होने वाले गलत व्यवहार को उनके परिजनों शिक्षक के संज्ञान में लाएगे व किसी भी प्रकार का शोषण व लैंगिक अपराध के विरुद्ध आवाज उठाएगे। कार्यक्रम के उपरात नुक्कड़ नाटक में प्रतिभागिता करने वाली छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं पुरुस्कार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा प्रदान किये गये। आभार प्रदर्शन प्राचार्य आरपी पटेल के द्वारा किया गया।

प्रदेश में 3 हज़ार 62 ग्रामीण आशा कार्यकर्ताओं के चयन की प्रक्रिया 16 नवम्बर से प्रारंभ

एमपी ई-सेवा पोर्टल के माध्यम से होगी पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध ऑनलाइन चयन प्रक्रिया

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 3062 ग्रामीण आशा कार्यकर्ताओं के चयन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। प्रदेश में लगभग पांच वर्ष बाद ग्रामीण आशा कार्यकर्ताओं का चयन किया जा रहा है। इस संबंध में सभी जिलों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। चयन प्रक्रिया को पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध बनाने के लिए एमपी ई-सेवा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। इच्छुक पात्र महिलाएं 16 नवंबर से 16 दिसंबर 2026 तक पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगी। चयन के लिए केवल ऑनलाइन प्राप्त आवेदन ही मान्य होंगे। ग्रामीण आशा कार्यकर्ताओं के चयन की संपूर्ण कार्यवाही जिला स्तर से की जाएगी। यह प्रक्रिया कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की निगरानी में संपन्न होगी।निर्धारित ग्रामवार संख्या एवं चयन के लिए चिह्नित ग्रामों के अनुसार ही चयन किया जाएगा। इससे चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं एकरूपता सुनिश्चित होगी।

पात्रता : चयन के लिए आवेदिका का संबंधित ग्राम की निवासी एवं विवाहित महिला होना अनिवार्य है। आवेदिका की आयु 21 से 45 वर्ष के बीच तथा न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण निर्धारित की गई है। चयन में निर्धारित शैक्षणिक योग्यता एवं प्राथमिकता संबंधी मापदंडों का पालन किया जाएगा।

16 नवंबर से 16 दिसंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन किए जाएंगे प्राप्त

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 16 नवंबर से 16 दिसंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। इसके बाद 17 से 25 दिसंबर तक प्राप्त आवेदनों को ग्रामसभा के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। ग्रामसभा द्वारा 26 दिसंबर 2026 से 18 जनवरी 2027 तक चयन के लिए प्रस्ताव अनुमोदित कर भेजे जाएंगे। प्राप्त प्रस्तावों पर 19 जनवरी से 5 फरवरी 2027 तक विकासखंड स्तर पर दावा-आपत्तियों का निराकरण किया जाएगा। इसके उपरांत 6 से 25 फरवरी 2027 तक जिला स्तर पर अपील प्राप्त कर उनका निराकरण किया जाएगा। जिला स्वास्थ्य समिति से अंतिम अनुमोदन प्राप्त करने की प्रक्रिया 26 फरवरी से 5 मार्च 2027 तक पूर्ण की जाएगी। समिति के अंतिम अनुमोदन के उपरांत ही चयन आदेश जारी किए जाएंगे। संपूर्ण चयन प्रक्रिया 5 मार्च 2027 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण की जाएगी। चयनित आशा कार्यकर्ताओं की आईडी बनाने के लिए 6 से 20 मार्च 2027 तक आशा पोर्टल के माध्यम से अनुरोध किया जाएगा। चयनित आशा की जानकारी एवं आवश्यक दस्तावेज पोर्टल के माध्यम से राज्य मुख्यालय को भेजे जाएंगे। राज्य स्तर पर दस्तावेजों के सत्यापन एवं अनुमोदन के उपरांत आईडी बनाई जाएगी।

मध्यप्रदेश पहली बार करेगा एशियन वूमेंस हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी-2026 की मेजबानी

19 से 28 नवंबर तक अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भोपाल में होंगे मुकाबले

भोपाल (स्वतंत्र मत)। खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बताया कि मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में पहली बार प्रतिष्ठित एशियन वूमेंस हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी-2026 की मेजबानी करने जा रहा है। आगामी 19 से 28 नवंबर तक अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बरखेड़ा नाथू, भोपाल में आयोजित होने वाली यह प्रतियोगिता प्रदेश के लिए गौरव, प्रतिष्ठा और अंतर्राष्ट्रीय पहचान का महत्वपूर्ण अवसर है। यह आयोजन केवल एक अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता नहीं बल्कि मध्यप्रदेश की खेल क्षमता, आधुनिक खेल अधोसंरचना और खेलों के प्रति प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता का वैश्विक प्रदर्शन भी होगा। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि एशियन हॉकी फेडरेशन एवं हॉकी इंडिया के सहयोग से पहली बार मध्यप्रदेश में आयोजित हो रही यह वर्ल्ड रैंकिंग प्रतियोगिता 19 नवंबर को भव्य समारोह के साथ शुरू होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की गरिमामयी उपस्थिति में प्रतियोगिता का शुभारंभ किया जाएगा। प्रतियोगिता में एशिया की 6 शीर्ष महिला हॉकी टीमें भारत, जापान, चीन, मलेशिया, कोरिया और थाईलैंड भाग लेंगी। इसमें लगभग 150 अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी अपनी प्रतिभा, कौशल और खेल भावना का प्रदर्शन करेंगी। स्टेडियम में एक साथ लगभग 5 हजार



दर्शकों के बैठने की व्यवस्था रहेगी। इस अवसर पर आयोजन से संबंधित एमओयू की प्रक्रिया भी पूर्ण की गई। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में खेलों को जनआंदोलन बनाने का ऐतिहासिक प्रयास हुआ है।

फ्लड लाइट की रोशनी में होंगे रोमांचक डे-नाइट मुकाबले

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि प्रतियोगिता के सभी मुकाबले डे-नाइट फॉर्मेट में फ्लड लाइट की रोशनी में खेले जाएंगे। प्रतिदिन तीन-तीन मुकाबले आयोजित होंगे, जिससे दर्शकों को विश्वस्तरीय महिला हॉकी का रोमांचक अनुभव प्राप्त होगा। आयोजन को खेल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं रखते हुए प्रदेश की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक खानपान और लोककलाओं को भी अंतर्राष्ट्रीय मंच प्रदान किया जाएगा। इसके लिए विशेष ट्राइबल फूड एवं आर्ट स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक व्यंजनों को प्रदर्शित किया जाएगा।

प्रदेश के सभी संभागों तक पहुंचेगा ट्रॉफी टूर

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि प्रतियोगिता के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जनजागरूकता के लिए विशेष ट्रॉफी टूर आयोजित किया जाएगा। यह टूर भोपाल से प्रारंभ होकर मध्यप्रदेश के सभी संभागों तक पहुंचेगा। विभिन्न स्थानों पर प्रदेश के मंत्री, सांसद एवं विधायकों द्वारा ट्रॉफी का स्वागत किया जाएगा। इसके साथ ही उत्कृष्ट खिलाड़ियों, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों और युवाओं की सहभागिता से रैलियां एवं जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रयास है कि इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता का उत्साह भोपाल के साथ-साथ प्रदेश के हर संभाग, हर जिले और प्रत्येक खेल प्रेमी तक पहुंचे। विशेषकर बेटियों को हॉकी से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा।

मध्यप्रदेश में हॉकी अधोसंरचना का तेजी से हो रहा विस्तार

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश में हॉकी के विकास और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। वर्तमान में प्रदेश में 27 हॉकी फीडर सेंटर एवं 13 खेलो इंडिया स्मॉल सेंटर संचालित हैं। प्रदेश में 22 हॉकी एस्ट्रोटर्फ पर खिलाड़ी नियमित अभ्यास कर रहे हैं, जबकि 7 नए हॉकी एस्ट्रोटर्फ का निर्माण कार्य प्रगतिरत है।

प्रदेश की बेटियों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया देश का गौरव

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि भोपाल को यूं ही हॉकी की नर्सरी नहीं कहा जाता। इस शहर और प्रदेश ने भारतीय हॉकी को अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी दिए हैं। मध्यप्रदेश की महिला हॉकी खिलाड़ियों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 18 स्वर्ण, 11 रजत और 7 कांस्य सहित कुल 36 पदक अर्जित किए हैं। वहीं राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश की महिला खिलाड़ियों ने 74 स्वर्ण, 34 रजत और 33 कांस्य सहित कुल 141 पदक अपने नाम किए हैं। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश की तीन महिला हॉकी खिलाड़ियों ने जापान में एशियन गेम्स-2026 में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक अर्जित किया है।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)

प्रथम आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	PRO No. 726 DATE 13/11/26 'Tender id no. 2026_UAD_ 544962_1	संभाग क्रमांक-09 लालमाटी अंतर्गत पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र वार्ड में विभिन्न स्थानों पर सीमेंटीकरण कार्य । (पार्षद अनुशंसा)	02 माह रु 8.29/-	रु. 2000/- रु 8,297/-	20/11/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल

मेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन हस्तांतरण/ नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पुरवा कालोनी जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक LIG-1065 श्रीमति मंजू बाई विश्वकर्मा पति श्री ओमकार विश्वकर्मा के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 20.06.2023 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्रीमति मंजू बाई, विश्वकर्मा पति श्री ओमकार विश्वकर्मा ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 29.10.2026 के माध्यम से श्री उमाकांत मिश्रा पित्ता श्री रामेश्वर मिश्रा को विक्रय किया है। अतः श्री उमाकांत मिश्रा पिता श्री रामेश्वर मिश्रा द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,प्रक्षेत्र जबलपुर

न्यायालय नायाब तहसीलदार गोरखपुर जबलपुर

रा.प्र.क्र./0189/व-121/2026-27 जबलपुर दि. 28.10.26

आम इश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम ग्वारीघाट प.ह.नं. 24, तहसील गोरखपुर जिला जबलपुर के द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदिका-श्रीमती गनेशी गोस्वामी पति स्व. कछूपुरी गोस्वामी, निवासी-752, ग्वारीघाट गीता धाम मंदिर के पास, जबलपुर म.प्र. के द्वारा अपने पति श्री कछूपुरी गोस्वामी की मृत्यु दिनांक 03/08/2024 को हो गया है जिसमें उनके बैंक खाते में नोमनी न होने के कारण वारसानों की जानकारी हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त के संबंध में आवेदन इस न्यायालय में विचाराधीन है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज सहित इस न्यायालय में स्वंय उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा नियत पेशी दिनांक 11/11/2026 या नियत तिथि के पूर्व प्रस्तुत करें। नियत अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।
यह इश्तहार न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नाम परिवर्तन सूचना

मेरे पुत्र ओम पिता नीतेश पाण्डे निवासी, उम्र 11 वर्ष, म.नं. 2535, एच टाईप कॉलोनी, मेडीकल कॉलेज के पास, जबलपुर म. प्र. 482003 नाम परिवर्तन हेतु शपथपत्र प्रस्तुत किया है, मेरे पुत्र के पूर्व में बने आधार कार्ड मे उसका घरेलु नाम ओम पिता नीतेश पाण्डे चला आ रहा है, यह कि मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण, पत्र व शासकीय अर्धशासकीय दस्तावेजों मे मेरे पुत्र का नाम आदित्य पाण्डे पिता नीतेश पाण्डे दर्ज है, जो की सही है, मेरे पुत्र को आदित्य पाण्डे पिता नीतेश पाण्डे के नाम से जाना पहचाना, पढा एवं लिखा जावे, द्वारा शपथ पत्र क्रमांक 327632 दिनांक 03.11.26 नोटरी जबलपुर।

गलत नाम-ओम
सही नाम- आदित्य पाण्डे
पिता नीतेश पाण्डे



मृतक के परिवार को स्वीकृत की 4 लाख रुपए की सहायता राशि

कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंचे 176 आवेदन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में पहुंचे आमजन की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को उनके निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कुल 176 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कलेक्टर कार्यालय में पहुंचे लोगों से भी भेंट की। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जनसुनवाई में पहुंची सिहोरा के वार्ड नंबर 01 निवासी आवेदिका पार्वती कोल को उनके पति स्व कमलेश कोल की 29 जनवरी 2026 को मुहारी डेम में डूबने से हुई अकाल मृत्यु पर तत्काल संज्ञान लेते हुए एसडीएम ग्रामीण को निर्देश दिए कि उन्हें नियमानुसार अनुग्रह सहायता राशि प्रदान की जाए।



120 किमी प्रति घंटे की गति से ट्रेन दौड़ाकर परखा रेलखंड

रेल संरक्षा आयुक्त ने किया सोनकच्छ-नरसिंहगढ़ रेलखंड का निरीक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पश्चिम मध्य रेल की महत्वपूर्ण भोपाल-रामगंज मंडी नई रेल लाइन परियोजना के तहत सोनकच्छ-नरसिंहगढ़ के नवनिर्मित 13 किलोमीटर रेलखंड का मंगलवार 03 नवम्बर को मध्य वृत्त के रेल संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) गुरु प्रकाश द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान रेलखंड पर अधिकतम 120 किमी प्रति घंटे की गति से स्पीड ट्रायल भी किया गया। निरीक्षण के दौरान रेल संरक्षा आयुक्त ने रेलखंड की संरक्षा, तकनीकी गुणवत्ता एवं यात्री तथा मालगाड़ियों के सुरक्षित संचालन की दृष्टि से विभिन्न व्यवस्थाओं का गहन परीक्षण किया। मोटर ट्रॉली से निरीक्षण के साथ ट्रैक, पुलों, समपार फाटकों, सिग्नल एवं दूरसंचार प्रणाली तथा अन्य रेल अवसंरचनाओं की जांच की गई।

सच्ची घटना दिखाना सांप्रदायिकता फैलाना नहीं : मप्र हाईकोर्ट

यूट्यूबर पर दर्ज की गई एफआईआर को हाईकोर्ट ने किया रद्द

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

रायसेन के यूट्यूबर उवेश खान के खिलाफ दर्ज एफआईआर मप्र हाईकोर्ट ने रद्द कर दी है। दरअसल सिलवानी थाना पुलिस ने सितंबर 2025 में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान हुई हिंसा की रिपोर्टिंग करने पर उनके खिलाफ सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के आरोप में केस दर्ज किया था। मंगलवार को न्यायमूर्ति हिमांशु जोशी की कोर्ट ने एफआईआर खारिज करते हुए कहा कि किसी वास्तविक घटना या हिंसा की निष्पक्ष और तथ्यात्मक रिपोर्टिंग करना अपराध नहीं है।

ये है पूरा मामला

दरअसल यह मामला 6 सितंबर 2025 का है। रायसेन जिले के सिलवानी में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान हिंसक घटना हुई थी, जिसमें कुछ लोग घायल हुए थे। उवेश खान यूट्यूब न्यूज चैनल चलाते हैं। उन्होंने इस घटना की रिपोर्टिंग कर वीडियो अपने चैनल पर प्रसारित किया था। रिपोर्ट प्रसारित होने के बाद शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उवेश खान की खबर भ्रामक थी। इससे



हिंदू समुदाय के बीच डर और भ्रम का माहौल पैदा हुआ और सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने की आशंका थी। शिकायत के आधार पर सिलवानी थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा कि वास्तविक घटना या हिंसा की निष्पक्ष रिपोर्टिंग को सांप्रदायिक दुश्मनी बढ़ाने वाला कृत्य नहीं माना जा सकता। पत्रकार ने ऐसी घटना की रिपोर्टिंग की थी, जिसके संबंध में पुलिस पहले ही अलग एफआईआर दर्ज कर चुकी थी।

एनसीएल की भर्ती परीक्षा रद्द कराने हाईकोर्ट पहुंचे चयनित अभ्यर्थी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र हाईकोर्ट में नार्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) की सहायक फोरमैन ग्रेड-सी भर्ती परीक्षा रद्द करने के फैसले को चुनौती दी गई है। याचिका के मुताबिक एनसीएल ने 9 फरवरी 2026 को सहायक फोरमैन (प्रशिक्षु) ग्रेड-सी के इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल और ईएंडटी ट्रेड के 270 पदों के लिए विज्ञापन जारी किया था। 8 अगस्त 2026 को सीबीटी का रिजल्ट घोषित किया गया, जिसमें याचिकाकर्ताओं का चयन हुआ और दस्तावेज सत्यापन की तारीख तय की गई। इसी बीच कुछ परीक्षा केंद्रों पर अनियमितताओं की शिकायतें सामने आईं। इसके बाद एनसीएल ने 13 अगस्त को सूचना जारी कर दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया आगामी आदेश तक स्थगित कर दी। इसके बाद दोबारा परीक्षा कराने का निर्णय लिया। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि जब गड़बड़ी करने वाले अभ्यर्थियों की पहचान हो चुकी है, तो उनके खिलाफ कार्यवाही करने के बजाय पूरी परीक्षा निरस्त करना उचित नहीं है। इससे उन अभ्यर्थियों को भी दोबारा परीक्षा देने के लिए मजबूर होना पड़ेगा, जिन्होंने मेहनत और योग्यता के आधार पर अच्छे अंक हासिल किए हैं। न्यायमूर्ति विशाल धगट की एकलपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए एनसीएल प्रबंधन को नोटिस जारी कर 2 सप्ताह में जवाब मांगा है।

आत्मविश्वास, अनुशासन और जीवन मूल्यों को विकसित करने का महत्वपूर्ण मंच है महाविद्यालय

हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)



हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन में नवप्रवेशित छात्राओं के स्वागत के उद्देश्य से बीएड तृतीय सेमेस्टर की छात्राओं द्वारा फ्रेशर्स पार्टी का हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की शासी निकाय के अध्यक्ष संदीप गोलछा विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने अपने आशीर्वचनों के माध्यम से नवप्रवेशित छात्राओं का स्वागत किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सभी को नवीन शैक्षणिक यात्रा के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुलक्षणा त्रिपाठी ने नवप्रवेशित छात्राओं का स्वागत करते हुए कहा कि महाविद्यालय केवल शिक्षा प्राप्त करने का स्थान नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास, अनुशासन एवं जीवन मूल्यों को विकसित करने का महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न सहशैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता करने के लिए प्रेरित किया । उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में प्रत्येक छात्रा को अपनी प्रतिभा पहचानने, उसे निखारने और अपनी क्षमताओं को विकसित करने के अवसर प्रदान किए जाते हैं । कार्यक्रम के दौरान तृतीय सेमेस्टर की छात्राओं द्वारा नवप्रवेशित छात्राओं के लिए विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें गेम्स, रैंप वॉक आदि प्रमुख रहे। गेम्स में प्रथम सेमेस्टर की छात्रा साक्षी द्विवेदी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं रैंप वॉक में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए श्रुति तिवारी ने मिस फ्रेशर का और शुमायला नाज़ ने मिस बॉलीवुड का खिताब अपने नाम किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का हुआ आयोजन

नवप्रवेशित छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को आकर्षक एवं यादगार बनाया। कार्यक्रम का मंच संचालन तृतीय सेमेस्टर की छात्रा रिया कुशवाहा द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की उप-प्राचार्य डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव, डॉ. निरुपमा पाठक, डॉ. अलका श्रीवास्तव, डॉ. रश्मि शुक्ला, जया सामदेकर, ऋषभ भट्ट, लाइब्रेरियन ज्योति शर्मा, कार्यालयीन कर्मचारी नितिन साहू, शाश्वत गुप्ता,प्रेमलता चौबे, विजय दहायत, प्रीति नामदेव का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

अंतर महाविद्यालय महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर के अनुसार जिला स्तर अंतर महाविद्यालय महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 4 नवंबर को प्रात: 9.30 बजे तक हितकारिणी महिला महाविद्यालय जोंस गंज में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ एसएस संधू, विशिष्ट अतिथि मुकुल खंपरिया उपसभापति हितकारिणी सभा अध्यक्ष शासी निकाय हितकारिणी, नर्सिंग कॉलेज प्राचार्य डॉ प्रिन्सी जॉर्ज, कार्यक्रम के अध्यक्ष आयोजक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ निलेश पांडे, चिन्हित महाविद्यालय के वरिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी डॉ रमेश शुक्ला की उपस्थिति में किया जाएगा। उक्त प्रतियोगिता में जिले के 16 महाविद्यालय भाग ले रहे हैं। उक्त आशय की जानकारी हितकारिणी महिला महाविद्यालय के खेल अधिकारी दिनेश सिंह ठाकुर ने दी।

अलकनंदा अवस्थी की कृति का विमोचन आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पाथेय संस्था के तत्वावधान में साहित्यकार अलकनंदा अवस्थी की कृति का विमोचन समारोह 4 नवम्बर को दोपहर 12 बजे से अमोदा, मदनमहल थाना के समीप आयोजित किया है। कार्यक्रम महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि एवं प्रज्ञापीठाधीश्वर श्री मां साध्वी विभानंद गिरी के सानिध्य में होगा। मुख्य अतिथि जगत बहादुर सिंह अन्नू महापौर होंगे, जबकि समारोह की अध्यक्षता डॉ. हरिशंकर दुबे करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व महापौर डॉ. स्वती गोडबोले, अमरेन्द्र नारायण एवं डॉ. कृष्ण कुमार दुबे उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के स्वागताध्यक्ष राज अवस्थी होंगे। आयोजन में सहभागिता हेतु राजेश पाठक प्रवीण ने सभी साहित्य अनुरागियों से उपस्थित होने का आग्रह किया है।



नाटक प्रस्तुत कर दर्शकों में भरा देशभक्ति का जोश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बेटियों के शौर्य और साहस को समर्पित नाटक देश की जांबाज बेटियां की प्रस्तुति सीनियर सिटीजन क्लब के सदस्यों द्वारा दी गई। लेखक, निर्देशक,नाट्यकर्मी लक्ष्मण सिंह चौहान के निर्देशन में प्रस्तुत लगभग दस मिनट के इस नाटक में देश की उन वीर बेटियों के अदम्य साहस को दर्शाया गया, जो भारत की सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा बनकर सीमाओं की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। हाथों में बंदूक थामे इन वीरांगनाओं का दृढ़ संकल्प और देश की रक्षा के प्रति समर्पण नाटक के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। नाटक की प्रस्तुति इतनी प्रभावशाली रही कि सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। नाटक में रश्मि श्रीवास्तव, सुनीता चौहान, अनीता आहूजा, विजय श्रीवास्तव, मेंहदी रत्ता, निर्मला श्रीवास्तव, रजनी चौहान आदि ने प्रस्तुति दी।

4 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया कंप्यूटर ऑपरेटर

छिंदवाड़ा स्थित सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग में लोकायुक्त की कार्यवाही

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। छिंदवाड़ा में स्थित सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग में 3 नवंबर भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्यवाही देखने को मिली है। यहां विभाग में पदस्थ एक भृत्य, जो बतौर कंप्यूटर ऑपरेटर (पदेन बाबू) का कार्य संभाल रहा था, उसे आवेदक से ईएमडी की राशि वापस दिलाने के एवज में 4,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों ट्रैप किया गया है।

ये है पूरा मामला- दरअसल आवेदक सौरभ मिश्रा (पिता मारकंडे मिश्रा), निवासी ग्राम अंबाडा, तहसील परासिया, जिला छिंदवाड़ा के नाम से रजिस्टर्ड फर्म द्वारा करीब 6 माह पूर्व जुन्नारदेव ब्लॉक की ग्राम पंचायत नवेगांव में छात्रावास की बाउंड्रीवॉल निर्माण के लिए जनजातीय कार्य विभाग में निविदा (टेंडर) भरी गई थी। इस प्रक्रिया के तहत आवेदक ने ऑनलाइन लगभग 28,000 रुपये की ईएमडी विभाग में जमा की थी। बाद में जनजातीय कार्य विभाग छिंदवाड़ा द्वारा उक्त टेंडर को निरस्त कर दिया गया था। जब आवेदक सौरभ मिश्रा ने अपनी जमा की गई 28,000 रुपये की ईएमडी राशि वापस पाने के लिए विभाग में संपर्क किया, तो वहां पदस्थ भृत्य ललित कुमार अहरवार जो कार्यालय में कंप्यूटर ऑपरेटर (कथित बाबू) का काम देखता है, ने ईएमडी वापसी की फाइल प्रोसेस पूरी करने के एवज में 4,000 रुपये रिश्वत की मांग की। शिकायत के बाद 3 नवंबर को योजनाबद्ध तरीके से कार्यवाही करते हुए आरोपी ललित अहरवार को कार्यालय सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, छिंदवाड़ा में ही 4,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए ट्रैप कर लिया गया।

एपीएन स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का शुभारंभ



जबलपुर (स्वतंत्र मत)। एपीएन हायर सेकेंडरी स्कूल सद में विद्यार्थियों की वैज्ञानिक प्रतिभा, रचनात्मकता एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। कायक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि संस्था के प्रबंधक धवल श्रीवास्तव द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती पूजन के साथ किया गया। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने विज्ञान, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, सौर ऊर्जा, आधुनिक तकनीक, अंतरिक्ष विज्ञान तथा स्मार्ट सिटी जैसे विभिन्न विषयों पर आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक मॉडल प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य एवं उपप्राचार्य ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि विज्ञान प्रदर्शनी बच्चों में जिज्ञासा, तार्किक क्षमता, अनुसंधान की भावना और रचनात्मक सोच विकसित करने का एक उत्कृष्ट माध्यम है। विज्ञान प्रदर्शनी ने यह संदेश दिया कि आज के जिज्ञासु विद्यार्थी ही कल के वैज्ञानिक और देश के उज्ज्वल भविष्य के निर्माता है। शुभारंभ के अवसर मे संस्था के सह प्रबंधक मयंक श्रीवास्तव, महाविद्यालय रजिस्ट्रार मानवेन्द्र सिंह, प्राचार्य अजय वर्मा, सहित करन खुराना प्राचार्य एपीएन सीबीएसई एवं मनु श्रीवास्तव पार्षद अमरचन्द बावरिया उपस्थित रहे।

श्री विद्यासागर सेवा आश्रम समिति गौशाला की नई कार्यकारिणी गठित

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। श्री विद्यासागर सेवा आश्रम समिति गौशाला सम्मेदगिरी, गोसलपुर की बैठक गौशाला प्रांगण में आयोजित की गई। बैठक में समिति की नई कार्यकारिणी के गठन एवं निर्वाचन की प्रक्रिया निर्वाचन अधिकारी अरुण जैन (पूर्व अध्यक्ष) के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान सभी पदों पर पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचन किया गया। निर्वाचन में अध्यक्ष पद पर इंजी. सुनील जैन (जबलपुर), कार्यकारी अध्यक्ष पद पर संदीप जैन (गोसलपुर) निर्वाचित हुए। निर्वाचन की संपूर्ण प्रक्रिया निर्विरोध एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में



संपन्न हुई। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए गौशाला एवं समिति के सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की।



कुर्मी सेवा संस्थान ने मनाई सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। विगत दिवस सरदार वल्लभभाई पटेल की 151 जयंती 2026 बाबा आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन कुर्मी सेवा संस्थान एवं कुर्मी छतरी समाज ग्रामीण महिला युवा संगठन जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में रखा गया। जिसमें सर्वप्रथम सरदार वल्लभ भाई पटेल की पहली चित्र पर माल्यार्पण दीप प्राजूलन किया गया। इसके पश्चात समाज गीत का वचन हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अन्नू सिंह सतना रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता उर्मी सेवा संस्थान के अध्यक्ष डॉ लोकेश पटेल विशिष्ट अतिथि के रूप में महेश पटेल चौधरी नारायण सिंह, एड रमेश पटेल,, पूर्व जिला पंचायत के अध्यक्ष राजेश पटेल, कार्यक्रम के संयोजक विवेक पटेल आदि उपस्थित रहे।



3 बदमाशों ने मिलकर एक ही परिवार के 4 लोगों को मारे चाकू

गोरखपुर थाने का मामला, एक की हालत गंभीर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

गोरखपुर थाना क्षेत्र में गाली-गलौज करने से रोकना एक परिवार को भारी पड़ गया। इंदिरा नगर गुप्तेश्वर में रात क्षेत्र के तीन बदमाशों ने एक परिवार पर चाकू से हमला कर दिया। वारदात में पिता, बेटी और दो बेटे घायल हो गए। युवती के सीने में चाकू लगने से उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने प्राणघातक हमले का केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

एक-दूसरे को दे रहे थे गाली

जानकारी के अनुसार सोमवार रात कृष राय, मनीष राय और अक्षय रजक तेज आवाज में एक-दूसरे को गाली दे रहे थे।



काफी देर तक गाली-गलौज जारी रहने पर बनारसी लाल गुप्ता घर से बाहर आए। उन्होंने युवकों को समझाते हुए गाली देने से मना किया और घर जाने के लिए कहा। आरोप है कि उनकी बात से नाराज तीनों युवकों ने बनारसी लाल के साथ मारपीट शुरू कर दी।

बेटी और बेटों पर भी चाकू से हमला

इस दौरान पिता के साथ मारपीट होते देख उनकी बेटी काजल और बेटे मोहित व मनीष मौके पर पहुंचे। आरोप है कि तीनों हमलावरों ने परिवार के सदस्यों पर चाकुओं से हमला कर दिया। बनारसी लाल के पेट में चाकू लगा, जबकि उनकी बेटी काजल के सीने पर वार किया गया। मोहित के पैर और मनीष के हाथ में चाकू से चोट आई। वारदात के बाद तीनों आरोपी मौके से भाग निकले। पड़ोसियों की मदद से घायलों को देर रात मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, काजल के सीने में चाकू लगने से उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। बनारसी लाल को भी गंभीर चोट आई है।

आरोपियों ने युवती के सीने में चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया है। गोरखपुर थाना पुलिस ने कृष राय, मनीष राय और अक्षय रजक के खिलाफ प्राणघातक हमले का मामला दर्ज किया है। एएसपी पल्लवी शुक्ला के मुताबिक, आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस टीमें लगातार प्रयास कर रही हैं। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मामूली कहासुनी के बाद एक परिवार पर हुए इस हमले से इलाके में सनसनी फैल गई।



हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**